हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 17.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 203 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये   RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

नेमरा पहुंचे मुख्यमंत्री, सामाजिक सद्भाव बैठक में हुए शामिल, प्रशासन ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

'कुठ कटी' परंपरा के तहत नाइके का चयन, हेमन्त की उपस्थिति में चेतन टुडू को मिली धार्मिक कमान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिला के नेमरा गांव में संथाली समाज के पारंपरिक चुनाव के तहत नाइके बाबा (पाहन) का चयन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने चुनावी प्रक्रिया की अध्यक्षता करते हुए शुरू से अंत तक पूरी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने न केवल राज्य के मुखिया के रूप में, बल्कि अपने पैतृक गांव के संथाली समाज के मांझी हड़ाम के रूप में भी सामाजिक और धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया। सर्वसम्मति से चेतन टुडू को नाइके बाबा चुना गया। उन्हें पगड़ी और पारंपरिक हथियार पहनाकर विधिवत अभिनंदन किया गया और ग्राम देवताओं की पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का संचालन सौंपा गया।

रामगढ़ जिला में गोला प्रखंड के नेमरा गांव में संथाल समाज के पारंपरिक 'कुठ कटी' रीति-रिवाज के तहत नाइके चयन की प्रक्रिया झारखंड के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में संपन्न हुई। जिसके बाद वे अपने पैतृक आवास में परिजनों से मुलाकात कर सीधे अपने पैतृक आवास पंहुचे और पूरे चयन कार्यक्रम में आरंभ से अंत तक सक्रिय रूप से भाग लिया। पूर्व के नाइके बाबा सोहन सोरेन के स्वेच्छा से त्यागपत्र के बाद नाइके बाबा का पद खाली हो गया था। जिसके कारण नाइके बाबा का चुनाव आम सहमति से आमसभा में सर्वसम्मति से चेतन टुडू को नाइके बाबा चुना गया। उन्हें परंपरा के अनुसार पारंपरिक हथियार और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया और विधिवत कार्यभार सौंपा गया। चेतन टुडू को ग्राम देवताओं की पूजा-अर्चना और सामाजिक-सांस्कृतिक अनुष्ठानों का संचालन करने की जिम्मेदारी दी गई।

इस कार्यक्रम में उन पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने इस पद से इस्तीफा दिया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने परंपरा और प्रशासन के समन्वय का सशक्त संदेश दिया। ग्रामीणों में उत्साह और गौरव का वातावरण बना रहा।इस प्रकार नेमरा में नाइके बाबा का चयन न केवल संथाली परंपरा का प्रतीक है। इन पदाधिकारियों का चयन नेमरा ग्राम के लिए किया गया है। मांझी बाबा हेमंत सोरेन, प्राणिक बाबा बिरजू सोरेन, भोदरान बाबा सुखदेव किस्कू, कुड़ाम नाइके छुट्टू बेसरा और जोग मांझी विश्वनाथ बेसरा। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वह अपने घर अपने जन्म स्थल आए हुए हैं। यह एक परंपरा है कि हम गांव और समाज के साथ बैठक करते हैं और इस कड़ी में आए हुए हैं। नेमरा गांव के मुखिया जीत लाल टुडू ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गांव के मांझी बाबा है। नाईके बाबा का पद स्वेच्छा से इस्तीफा के बाद खाली हो गया था इसके बाद नाईके बाबा का चुनाव हुआ। जिन्हें सर्वसम्मति से चुना गया और उन्हें परंपरा के अनुसार उन्हें पारंपरिक हथियार और पगड़ी पहनकर उन्हें पदभार दिया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने चाचा श्रीकांत सोरेन से भी मुलाकात कर उनकी चिकित्सा स्थिति का जायजा लिया। सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि उचित इलाज और नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही साथ गांव के लोगों के साथ बैठक कर उनकी जन समस्याओं को समझा और समस्या का समाधान कैसे हो उसका भी अनुपालन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर गांव और आसपास सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए। रामगढ़ डीसी फैज एक अहमद , मुमताज, रामगढ़ एसपी अजय कुमार, मुखिया जीतलाल टुडू, पूर्व मुखिया अनुज कुमार, कपिल महतो, हरण सिंह मुंडा, आलम अंसारी, बरतू करमाली, सुनील करमाली, फखरुद्दीन अंसारी, सतीश मुर्मू (मुखिया, सूतरी पंचायत), गोला थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कल से झारखंड विधानसभा का सत्र, 24 फरवरी को पेश होगा बजट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजनीति में हलचल तेज होने वाली है। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी से शुरू होकर 19 मार्च तक चलेगा। 24 फरवरी को वित्त मंत्री वित्तीय वर्ष 2026-27 का आम बजट सदन में पेश करेंगे। सत्र को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। हालांकि अब तक किसी भी दल ने विधायक दल की बैठक की आधिकारिक तिथि घोषित नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार दोनों पक्ष जल्द बैठक कर सकते हैं। सत्र की शुरूआत 18 फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। पहले दिन शोक प्रस्ताव भी लिया जाएगा। 19 फरवरी को धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। 20 फरवरी को वर्ष 2025-26 की तृतीय अनुपूरक व्यय विवरणी सदन में रखी जाएगी और अभिभाषण पर चर्चा के बाद सरकार जवाब देगी। 23 फरवरी को अनुपूरक बजट पर वाद-विवाद होगा। 24 फरवरी को वित्त मंत्री 2026-27 का आय-व्यय विवरण पेश करेंगे, जबकि 25 फरवरी को बजट पर सामान्य चर्चा होगी। 19 मार्च को गैर-सरकारी संकल्प के साथ सत्र का समापन होगा।

इस बार का सत्र कई मायनों में खास माना जा रहा है। विधानसभा में नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन के जरिए डिजिटल और पेपरलेस व्यवस्था लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इससे सदन की कार्यवाही तकनीक आधारित और अधिक पारदर्शी बनेगी। प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं ताकि कार्यवाही सुचारु रूप से संचालित हो सके। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बजट के माध्यम से अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रमुखता से पेश करने की तैयारी में है। अबुआ आवास, मंईयां सम्मान योजना और सर्वजन पेंशन जैसी योजनाओं को सरकार अपनी प्राथमिकता बताएगी और जनता को बड़ी सौगात देने की कोशिश करेगी। वहीं दूसरी ओर भाजपा और आजसू समेत विपक्षी दल कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, स्थानीय नीति और विकास कार्यों की स्थिति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहे हैं। विपक्ष ने संकेत दिए हैं कि वे जनहित से जुड़े अहम सवालों पर सरकार से जवाब मांगेंगे। राजनीतिक दृष्टि से यह बजट सत्र काफी अहम माना जा रहा है, जहां एक ओर सरकार अपनी उपलब्धियां गिनाएगी, तो दूसरी ओर विपक्ष तीखे तेवर के साथ सदन में उतरने की तैयारी में है।

मुख्यमंत्री को मरांग बुरू जुग जाहेर बाहा बोंगा 2026' में मुख्य अतिथि बनने का उपायुक्त ने दिया आमंत्रण

रांची : मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आज गिरिडीह जिले के उपायुक्त रामनिवास यादव ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उपायुक्त ने मुख्यमंत्री को 20 फरवरी 2026 को गिरिडीह में आयोजित होने वाले "मरांग बुरू जुग जाहेर बाहा बोंगा 2026" समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आमंत्रण को स्वीकार करते हुए अपनी सहमति प्रदान की तथा गिरिडीहवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक एवं पारंपरिक आयोजन राज्य की समृद्ध आदिवासी विरासत और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं।

एक नजर

छत्तीसगढ़ में अब चार जिले ही नक्सल प्रभावित शेष नक्सल मुक्त घोषित

जगदलपुर : छत्तीसगढ़ के अब चार जिले ही नक्सल प्रभावित हैं, शेष सभी जिले नक्सल मुक्त घोषित हो गए हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग से केवल तीन जिले सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर ही नक्सल प्रभावित माने गए हैं। इसी के साथ गरियाबंद जिले को भी इस सूची में रखा गया है। केंद्र सरकार की जारी की गई ताजा सूची के अनुसार बस्तर के सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर को छोड़कर शेष जिलों को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया गया है। गरियांबंद जिले को नक्सल प्रभावित सूची में रखा गया है।

राजस्थान में केमिकल फैक्टरी में आग लगने से सात लोगों की मौत, पीएम ने जताया दुःख

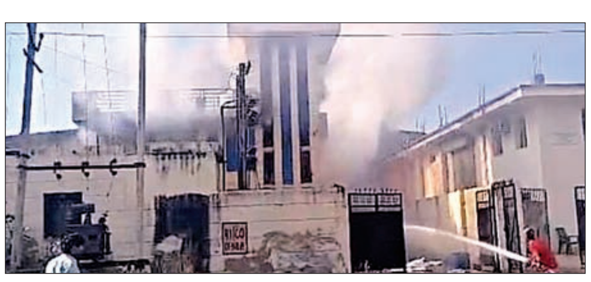

एजेंसी

भिवाड़ी : सोमवार को राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी इलाके में एक रासायनिक कारखाने में लगी आग में कम से कम 7 लोगों की जलकर मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अग्निकांड में हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक पोस्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राजस्थान के भिवाड़ी में हुई अग्निकांड बेहद दुखद और पीड़ादायक है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस घटना को "हृदयविदारक" बताया और कहा कि जिला प्रशासन को राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा, भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में एक कारखाने में लगी आग से हुई जानमाल की हानि की खबर बेहद दुखद है। जिला प्रशासन को राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दे दिए गए हैं। मैं दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

एआई समिट के नतीजे प्रगतिशील, नवाचारी और अवसरों से भरपूर भविष्य का निर्माण करेंगे : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में विश्व भर के नेताओं, उद्योगपतियों, नवोन्मेषकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकी को लेकर उत्साही व्यक्तियों का स्वागत किया। "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" की थीम पर आधारित यह शिखर सम्मेलन, मानव-केंद्रित प्रगति और समावेशी विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पीएम मोदी ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, शासन और उद्यम सहित विभिन्न सेक्टरों में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिखर सम्मेलन में होने वाली चर्चाएं एआई के नवाचार, सहयोग और जिम्मेदार उपयोग पर वैश्विक विमर्श को समृद्ध करेंगी, जिससे एक प्रगतिशील, नवोन्मेषी और अवसर-उन्मुख भविष्य का निर्माण होगा।

उन्होंने वैश्विक एआई परिवर्तन में भारत के नेतृत्व पर बल दिया, जो इसकी 1.4 बिलियन की जनसंख्या, मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम और अत्याधुनिक अनुसंधान की शक्ति से प्रेरित है। पीएम मोदी ने इस बात पर बल दिया कि एआई में भारत की प्रगति महत्वाकांक्षा और जिम्मेदारी दोनों को दशार्ती है, जिसने देश को प्रौद्योगिकीय उन्नति में अग्रणी स्थान पर ला खड़ा किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक थ्रेड पोस्ट साझा करते हुए लिखा, एआई पर चर्चा करने के लिए पूरी दुनिया एकत्रित है! आज से भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट का आयोजन कर रहा है। मैं इस समिट में वैश्विक नेताओं, उद्योगपतियों, नवप्रवर्तकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकीय को लेकर उत्साही व्यक्तियों का हार्दिक स्वागत करता हूं। समिट की थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' है, जो मानव-केंद्रित प्रगति के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आज एआई स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, शासन और उद्यम सहित कई सेक्टरों में बदलाव ला रहा है। एआई इम्पैक्ट समिट एआई के विविध पहलुओं, जैसे नवाचार, सहयोग, जिम्मेदार उपयोग आदि पर वैश्विक चर्चा को समृद्ध करेगा। मुझे विश्वास है कि शिखर सम्मेलन के परिणाम एक प्रगतिशील, नवोन्मेषी और अवसर-उन्मुख भविष्य को आकार देने में सहायक होंगे।

बड़कागांव में घर में घुसकर बुजुर्ग दंपति की हत्या, क्षेत्र में सनसनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव थाना क्षेत्र के बादम पंचायत अंतर्गत ग्राम बाबूपारा में घर में घुस कर बुजुर्ग दंपत्ति की बीती रात निर्मम हत्या कर दी गई। बाबूपारा निवासी शिक्षक रामविलास दास के पिता वकील राम उम्र लगभग 80 वर्ष एवं माता झूनिया देवी उम्र लगभग 60 वर्ष की निर्मम हत्या अज्ञात लोगों के द्वारा घर में घुसकर कर दी गई। घटना की जानकारी आस पास के लोगों को सुबह करीब 6 बजे हुई। हत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।बताते चलें वकील राम विकलांग थे।इस निर्मम हत्या से लोगों में भय के साथ रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द घटना के उद्भेदन की मांग की है। वकील राम और झुनिया देवी के 4 पुत्र और एक पुत्री है। घटना की सूचना पा कर आए परिजनों का रो कर बुरा हाल है। परिजनों की चीख पुकार से पूरा वातावरण गमगीन हो गया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार, बड़कागांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता, एस आई अमित कुमार, ए एस आई दीपक रौशन लकड़ा सहित सशस्त्र पुलिस बल के जवान घटना स्थल पर पहुंच चुके हैं। घटना की छान बिन की जा रही है। ग्रामीणों ने घटना के उद्भेदन के लिए पुलिस से स्क्वायड डॉग की मांग की है।

वृद्ध दंपति की मौत को लेकर अंबा प्रसाद ने डीजीपी से की बात

बड़कागांव : पूर्व विधायक अंबा प्रसाद बुजुर्ग दंपति की निर्मम हत्या की खबर की जानकारी मिलते ही बाबूपारा गांव पहुंच घटना का जायजा लिया। अंबा प्रसाद ने कही की और वर्तमान एवं पूर्व घटना को लेकर डीजीपी से फोन पर बात की। जिस पर डीजीपी ने कहा कि सारी जानकारी आप मुझे मैसेज कर पुर्ण रूप से दें। पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने आगे कहा कि इस घटना से मैं काफी मर्माहत हूं आज मेरा जन्मदिन था। जन्मदिन कार्यक्रम मनाने के लिए बड़कागांव प्रखंड में पूरी तैयारी कर ली गई थी। परंतु डबल मर्डर कार्यक्रम रद्द करवाया गया।

मानवता को शर्मशार करने वाला है बुजुर्ग दंपत्ति की निर्मम हत्या : विधायक

बड़कागांव : बड़कागांव थाना क्षेत्र के बादम पंचायत के बाबूपारा गांव निवासी शिक्षक रामविलास दास के पिता वकील राम और माता झुनिया देवी की निर्मम हत्या से क्षेत्र में शोक और आक्रोश है। जिसको लेकर विधायक रोशन लाल चौधरी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहां की आज बादम में जो हुआ, उसने हम सभी के दिल को झकझोर कर रख दिया है। एक असहाय बुजुर्ग दंपत्ति के साथ ऐसी बर्बरता कतई बर्दाश्त नहीं की जा सकती। आगे विधायक रोशन लाल चौधरी ने हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से बात कर स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इस मामले का त्वरित उद्भेदन हो और अपराधियों को उनके अंजाम तक पहुँचाया जाए और प्रशासन से मांग करते हैं कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त की जाए। जिस पर हजारीबाग पुलिस अधीक्षक ने पुलिस की टीम काम कर रही है जल्द उद्भेदन किया जाएगा।

एक नजर

बड़कागांव में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की हुई बैठक

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की बैठक बड़कागांव हाई स्कूल खेल मैदान में किया गया इस बैठक कि अध्यक्षता महिला जिला अध्यक्ष सुनीता साहू एवं संचालन जिला प्रवक्ता ईश्वर कुमार महतो ने किया बैठक में मुख्य रूप से संगठन को मजबूत करने, पंचायत कमिटी को पुनः गठन करने, बुथ कमिटी बनाने और बड़कागांव की जनता की आवाज बनने का निर्णय किया गया। बैठक में यहां भी कहा गया कि बड़कागांव कि जन समस्या को समाधान करने का हर समय प्रयास किया जाएगा। झारखंड लोकतंत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सभी पदाधिकारियों ने कहा की जनता की समस्या को लेकर 13 मार्च 2026 को बड़कागांव ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा मौके पर उपस्थित जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता साहू सक्रिय सदस्य विजय साहू, जिला उपध्यक्ष दिलेश्वर महतो,जिला संगठन मंत्री अनिल राज, जिला प्रवक्ता ईश्वर कुमार, जिला महिला मोर्चा सचिव यशोदा देवी, जिला उपध्यक्ष टेकलाल प्रजापति, प्रखंड अध्यक्ष अशोक महतो, प्रदीप महतो,राजेन्द्र महतो, रमन महतो, दीपक कुमार, सुरेंद्र राणा एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

गैस चूल्हा से झुलसे बुजुर्ग, बरही में इलाज के बाद रेफर

बरही : बरही के करसो गांव के रहने वाले बुजुर्ग द्वारिका सिंह उम्र 65 पानी गर्म करने के लिए गैस चूल्हा जला रहे थे। अचानक उससे आग लगने से वे झुलस गए। आसपास के लोगों की मदद से उन्हें बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। बरही अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

युवती छत से गिरकर हुई घायल, सदर अस्पताल रेफर

बरही : बरही के लखना गांव में 18 वर्षीय युवती अपने घर के छत से गिरकर घायल हो गई। घायल यशोदा कुमारी को ग्रामीणों की मदद से बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। बरही अस्पताल में इलाज के बाद सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

मां के साये बिना पले पियूष ने बीआईटी में जीते एक लाख

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत हरली गांव के होनहार छात्र पियूष कुमार ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए बीआईटी निशान में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से उन्होंने न केवल संस्थान बल्कि हरली गांव और पूरे बड़कागांव क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर शोध, मिला विशेषज्ञों का सराहना पियूष, प्रोफेसर डॉ. आनंद प्रसाद सिन्हा के मार्गदर्शन में इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग होने वाली लिथियम-आयन बैटरियों की दक्षता बढ़ाने से जुड़े एक महत्वपूर्ण शोध परियोजना पर कार्य कर रहे हैं। देश में तेजी से बढ़ रहे इलेक्ट्रिक वाहन बाजार के दौर में उनका यह शोध पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत की दिशा के क्षेत्र में शोध को लेकर संस्थान ने उनके प्रोजेक्ट की उपयोगिता को देखते हुए प्रारंभिक चरण में 10 हजार की प्रोटोटाइपिंग ग्रांट प्रदान की। इस सहयोग से पियूष ने एक सफल वर्किंग मॉडल तैयार किया। उत्कृष्ट प्रस्तुति, तकनीकी दक्षता और नवाचार के दम पर उन्होंने निर्णायकों को प्रभावित किया। सफल प्रदर्शन के बाद उन्हें ?1 लाख की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। अब वे इस परियोजना को इंडस्ट्री-ग्रेड स्तर तक विकसित करने की तैयारी में हैं।

महाशिवरात्रि केवल पर्व नहीं, बल्कि आस्था और संस्कृति का प्रतीक है : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भंडारों पंचायत अंतर्गत ग्राम बेहराबाद में आयोजित जागरण संगीत कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने किया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही और पूरा क्षेत्र शिवभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि महाशिवरात्रि केवल पर्व नहीं, बल्कि आस्था और संस्कृति का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से समाज में धार्मिक एकता, भाईचारा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं सांसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने भी जागरण आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि गांवों में ऐसे धार्मिक कार्यक्रम हमारी परंपरा और संस्कारों को मजबूत करते है। कार्यक्रम में समाजसेवी वार्ड सदस्य बीरेंद्र पांडेय, दिलीप यादव, पिंटू यादव, नीलेश पांडे, रौशन पांडे, पवन पांडे, नीरज पांडे, प्रयाग पांडे, जनार्दन पांडे, सुखदेव पांडे, पिंटू सिंह, रोहित पांडे, पंकज पांडे, गणेश पाण्डेय समेत बड़ी संख्या में ग्राम बेहराबाद के समस्त ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

दस दिवसीय शैक्षणिक परिभ्रमण से लौटा शिक्षाशास्त्र विभाग का दल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय का शिक्षाशास्त्र विभाग के 24 सदस्य का दल 10 दिनों का गुजरात के प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान 'गुजरात विद्यापीठ' तथा 'भारतीय शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थान' का परिभ्रमण पूर्ण कर सकुशल लौट आया है। सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए भ्रमण दल के प्रभारी, शिक्षक डॉ अमिता कुमारी एवं डॉ रजनीश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चंद्रभूषण शर्मा की दूरदर्शी सोच से घमंडल को मिला जीवन का स्वर्णिम अनुभव। अपने अनुभवों को साझा करते हुए दोनों ने बताया कि भ्रमण के दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा, एक भारत श्रेष्ठ भारत पर चर्चा परिचर्चा कर कई अनुभवों को प्राप्त किया। खास बात कि विद्यार्थी भारतीय कला, संस्कृति को स्वयं अपने ज्ञानेंद्रियों के द्वारा समझे। वे साबरमती आश्रम, गांधी कुटीर, साइंस सिटी, अक्षरधाम के साथ आदिवासी संग्रहालय, संस्कृति संग्रहालय तथा महात्मा गांधीजी और लोहपुरुष सरदार पटेलजी के संग्रहालय का भी भ्रमण किया। संग्रहालय में इन्होंने हजारीबाग नगर निगम द्वारा गांधी जी को दिए गए मानपत्र को देखा जो 18 सितंबर 1925 को दिया गया था। साथ ही हजारीबाग के लोगों के द्वारा गांधी जी को दी गई उपहार को भी वहां संग्रहालय में देखा। 'जनता जिला' हजारीबाग के द्वारा भी एक मानपत्र संग्रहालय में रखी हुई थी जो गांधीजी को दिया गया था। इसके साथ सरदार पटेल को दिया गया भारत रत्न पुरस्कार भी देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शिक्षक द्वय ने बताया कि गांधीजी ने दांडी यात्रा के दौरान गुजरात विद्यापीठ में पहला पड़ाव किया था। उस स्थान को भी देखने का मौका मिला।

ड्रोन निगरानी में जंगल में छापेमारी, चौपारण में पांच एकड़ अवैध अफीम खेती नष्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखण्ड में नशा मुक्त संकल्प को साकार करने की दिशा में चौपारण पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सोमवार को थाना क्षेत्र अंतर्गत चोरदाहा पंचायत के जमुनियातरी जंगल में पुलिस एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने सुनियोजित अभियान चलाकर करीब 05 एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को पूरी तरह नष्ट कर दिया। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए इस विशेष अभियान में दुर्गम, पहाड़ी एवं घने जंगल वाले इलाके को ड्रोन कैमरे की सहायता से चिन्हित किया गया। इसके बाद टीम ने पैदल पहुंचकर अफीम की तैयार फसल को जड़ से उखाड़कर मौके पर ही विनष्ट कर दिया। इस दौरान 11 डिलीवरी पाइप भी बरामद किए गए, जिन्हें जब्त कर नष्ट किया गया।संयुक्त अभियान का नेतृत्व एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर कुमार एवं थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने किया। अभियान में एसआई सुबिन्दर राम, एसआई सरवन कुमार, एसआई दिव्य प्रकाश, एएसआई बादल महतो, सशस्त्र बल तथा वन विभाग के बनपाल सरवन कुमार एवं जैनेन्द्र कुमार सक्रिय रूप से शामिल रहे। पुलिस द्वारा अवैध अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान व सत्यापन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। दोषियों के चिन्हित होते ही उनके विरुद्ध कांड दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ब्रह्मा विद्या विहंगम योग ने साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही हजारीबाग रोड स्थित शकुंतला पैलेस में ब्रह्मा विद्या विहंगम योग द्वारा साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कृष्णा कुमार गुप्ता ने किया। सत्संग में ॐ कार ध्वनि, स्वागत गान, मंगल गान एवं माल्यार्पण सामूहिक रूप से किया गया, जबकि उद्घोष सुनीता देवी, ज्ञान गुदडी समुंद्री देवी, स्वर्वेद पाठ अनमोल राणा, भजन ममता देवी, कैलाश केशरी एवं कृष्णा गुप्ता ने किया। वहीं प्रवचन कैलाश प्रसाद केशरी एवं कृष्णा गुप्ता ने किया। इस दौरान सत्संग में मौजूद गुरु भाई एवं बहनों को ब्रह्मा विद्या विहंगम योग के उद्देश्य को जीवन में आत्मसात करने की अपील की गई। मौके पर भारती देवी, रविन्द्र सिंह, प्रमोद गुप्ता एवं सोनू कुमार मुख्य रूप से मौजूद थे।

एक मार्च की कुड़मी अधिकार महारैली को लेकर अभियान तेज, प्रभात तारा मैदान में लाखों जुटाने की तैयारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : कुड़मी जनजाति को पुनः एस टी सूची में सूचीवद्ध करने एवं कुड़माली भाषा को संविधान के आंठवे अनुसूची में शामिल करने को लेकर फिर से कुड़मी जनजाति के द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसे लेकर समाज के अगुआ देवकी महतो के द्वारा बड़कागांव के ग्राम सिकरी जमनीडीह में बैठक कर लोगों को जागरूक किया गया। इसके साथ समाज के सभी अगुआ अपने सभी कुड़मी बहुल गांवों में अपने अधिकार और अपनी संस्कृति को बचाने के लिए लोगों को जागरूक करने में लगे हैं। बताते चलें कि आदिवासी कुड़मी समुदाय द्वारा पूर्व में ही 22 फरवरी 2026 को अधिकार महारैली की घोषणा की जा चुकी थी। लेकिन नगर निगम चुनाव होने के कारण महारैली की निर्धारित तिथि में परिवर्तन किया गया। बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए देवकी महतो ने कहा हमारा समाज हर दृष्टिकोण से पिछड़ा हुआ है । हम अपनी पूर्वजों के द्वारा दिए गए अधिकार और संस्कृति को भुलते जा रहे हैं इसलिए हमें शिक्षित और एकजुट होने की जरूरत है आगे उन्होंने कहा कि हमें अपने हक अधिकार को पाने के लिए संघर्षरत होना पड़ेगा। साथ ही 1 मार्च को रांची के प्रभात तारा मैदान में लाखों की संख्या में पहूंचकर सरकार को अपनी चट्टानी एकता का परिचय देना है । मौके पर बैठक में उपस्थित समाज के अगुआ देवकी महतो, ग्राम अध्यक्ष द्वारिका महतो, सचिव हरिश्चंद्र महतो, प्रखंड अध्यक्ष रामप्रसाद महतो, ईश्वरी महतो, उपेन्द्र महतो,मिनु महतो, भोला महतो, महावीर महतो, रविंद्र महतो, रामदेव महतो ,सुखदेव महतो, प्रकाश महतो, कामेश्वर महतो, संतोष महतो, झमन महतो, टिकेश्वर महतो, विकास महतो, रामनाथ महतो, दुक्कु महतो, भोला महतो, राजेश महतो, रंजीत महतो, अरुण महतो, दिलीप महतो, कमल महतो, निर्मल महतो, प्रेम कुमार, तपेश्वर महतो, चरकू महतो, साहब महतो, मदन महतो, अवध किशोर प्रसाद, प्रवीण कुमार, अग्नि महतो, अनिल महतो, हरिनाथ महतो, सुधीर महतो, रूपेश महतो, बंधु महतो, बाशु महतो, नेकलेस महतो, स्कूल महतो, सुबोध महतो, प्रदीप महतो, देवदीप महतो, रुदन महतो, सुखलाल महतो, बिरजू महतो, दिनेश्वर महतो, रमेश महतो, जगत किशोर महतो, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता सेनानी परिवार सम्मान समारोह में रीमा मिश्रा सम्मानित

हजारीबाग : स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों के सम्मान एवं उनके योगदान को स्मरण करने के उद्देश्य से स्वतंत्रता सेनानी परिवार सम्मान समारोह 2026 का आयोजन आर्ष कन्या गुरुकुल, आर्य समाज, नवाबगंज (हजारीबाग) में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच, झारखंड प्रदेश के तत्वावधान में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में मंच के केंद्रीय अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता ने चाणक्या आईएएस अकादमी की जनरल मैनेजर रीमा मिश्रा को प्रशस्ति पत्र, शॉल व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विनोबा भावे यूनिवर्सिटी के वर्तमान वीसी डॉक्ट्र चंद्र भूषण शर्मा तथा हजारीबाग लोकसभा के पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने रीमा मिश्रा को समाज निर्माण और शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सराहा। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड आंदोलन में भगवान बिरसा मुंडा, बाबू राम नारायण सिंह, के.बी. सहाय, सरस्वती देवी, भेखलाल महतो तथा ईचाक निवासी रामेश्वर महतो जैसे महान सेनानियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। इनके त्याग, संघर्ष और बलिदान के परिणामस्वरूप ही आज झारखंड राज्य का अस्तित्व संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्श आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। सम्मान प्राप्त करने के पश्चात रीमा मिश्रा ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से समाज के नवनिर्माण में योगदान देना उनका संकल्प है। उन्होंने युवाओं से स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को अपनाने और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को संरक्षित रखने और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

दूधपनिया करियातपुर में निःशुल्क आयुष ग्राम शिविर, 62 लोगों को मिला लाभ

बरही : आयुष विभाग हजारीबाग के तत्वावधान में ग्राम दूधपनिया, करियातपुर में नि:शुल्क आयुष ग्राम स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 62 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें नि:शुल्क आयुर्वेदिक दवाएं वितरित की गईं। शिविर के दौरान बीपी, शुगर, जोड़ों के दर्द सहित अन्य सामान्य बीमारियों से संबंधित मरीजों की जांच की गई। उपस्थित चिकित्सकों द्वारा मरीजों को उनकी समस्या के अनुसार आयुर्वेदिक उपचार की सलाह दी गई। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली के लिए योगाभ्यास एवं संतुलित खान-पान संबंधी परहेज की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉक्टर हकीम खान ने बताया कि नियमित योग एवं आयुर्वेदिक उपचार से कई दीर्घकालिक बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। योग प्रभारी इंद्रदेव गुप्ता ने उपस्थित लोगों को विभिन्न रोगों से बचाव के लिए उपयोगी योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया।

कस्तूरबा विद्यालय में नामांकन को लेकर प्रचार वाहन से किया गया जागरूक

बरही : बरही के कस्तूरबा विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026 - 27 के लिए 75 छात्राओं का नामांकन होना है। इसको लेकर विद्यालय प्रबंधन द्वारा विस्तृत सूचना विद्यालय के सूचना पट्ट पर चिपका दी गई है। वहीं ग्रामीणों को अपनी बच्चियों को कस्तूरबा विद्यालय में नामांकन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रखंड के रानीचूआं पंचायत के छोटकी छोटकी चलंगा एवं बड़की चलंगा सहित कई गांवों तक प्रचार वाहन भेजा गया। इस क्रम में प्रचार वाहन के साथ वार्डेन रौशनी बाड़ा एवं लेखापाल फराह प्रवीण भी मौजूद थी। बता दें कि शैक्षणिक सत्र में 75 छात्राओं का नामांकन कक्षा षष्ठ में ही होना है। इस संबंध में जानकारी देते हुए वार्डेन रौशनी बाड़ा ने बताया कि नामांकन की इच्छुक बालिकाओं को बरही प्रखंड का निवासी होना जरूरी है। इसके साथ जाति और आवासीय प्रमाण पत्र देना होगा। वहीं अनाथ और गरीब बच्चों को नामांकन में प्राथमिकता दी जाएगी।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता, संत अल्फोंसा ग्रुप की टीम ओवरऑल चैंपियन

बड़कागांव : बड़कागांव के संत मेरी स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रबंधक राजेश कुमार टेटे ने किया। इसमें कई बच्चों के अलग-अलग ग्रुप बनाए गए। 150 मीटर दौड़, भेंडक दौड़, चम्मच दौड़, घाई धागा, उल्टा गिलास दौड़, आलू दौड़, फूटबाल, बिक्स्टि बोई बुक कलेस, एक पैर होड, डिक्सस थ्रो, बाईकडून दौड़ का आयोजन किया गया। खेल को चार हाउस ग्रुप में बांटा गया था जिसमें जिसमें ओवर ऑल खेल में संत अल्फोंसा कि ग्रुप को चैंपियन घोषित किया गया व्यक्तिगत स्पर्धा में लक्ष्मण बिरहोर, संदीप भोवता अभिनाथ गुहा, को विशेष मंडल देकर समानित किया गया। मौके पर प्रबंधक राजेश टेटे, सुषमा टोप्पो, अमर कुमार, पिन्टू कुमार , गिलबर्ट लड़का, पिंकी कुमारी, स्तुति लकड़ा, संजीदा खातून, प्रीति कुमारी, के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

पीके मोटर शमशेर वर्कशॉप का किया गया उद्घाटन

बड़कागांव : हजारीबाग रोड उमेश टायर के विपरीत में स्थित पीके मोटर्स शमशेर वर्कशॉप का शुभारंभ समाजसेवी द्वारका चौधरी, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत मेहता, मुखिया तकरीमुल्लाह खान, बिमला देवी, बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व जोनल ऑफिसर मो. अमीनउल्लाह ,मो. मोती बाबू सहित अन्य अतिथियों के द्वारा सीता काटकर उद्घाटन किया गया। मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार मेहता ने कहा कि यह वर्कशॉप खोलने से बड़कागांव वासियों को बाहर जाकर गाड़ी का काम नहीं करवाना पड़ेगा। अब बड़कागांव के लोगों को अपने घर पर ही गाड़ी का काम हो जाएगा। वहीं पीके मोटर्स शमशेर वर्कशॉप के संचालक पप्पू खान, मुन्ना खान एवं मो. शमशेर ने बताया कि हमारे यहां अशोक लीलैंड एवं टाटा मोटर्स के ऑथराइज्ड सर्विस सेंटर है जिसमें फ्री सर्विस दिया जाएगा। इसके साथ-साथ उन्होंने बताया कि सभी गाड़ियों का सर्विसिंग हमारे यहां उचित दामों में किया जाएगा। इसके साथ-साथ उन्होंने बताया कि हमारे यहां सभी ट्रेंड मैकेनिक उपलब्ध है जो बेहतर से बेहतर काम करते हैं। मौके पर मुख्य रूप से जिप सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम, आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, पूर्व मुखिया भीखन महतो, आजसू जिला उपाध्यक्ष रवि राम, समाजसेवी कौलेश्वर साव, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष मो नौशाद आलम, मोहम्मद साबिर, विशाल ठाकुर, मजहर मलिक, जमुना महतो, नरेंद्र राम, गौतम सोनी, रंजीत पंडित, मो परवेज आलम, मो. खुर्शीद, उमेश महतो, पंकज मेहता,सरोज सोनी,रामपति राम, सहित लोग मौजूद थे।

नगर निगम मेयर पद चुनाव : रोशनी खलखो ने जारी किया संकल्प पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम मेयर पद के चुनाव में रोशनी खलखो पहली प्रत्याशी बनी जिसने संकल्प पत्र (चुनाव घोषणा पत्र) जारी किया है। सोमवार को संकल्प पत्र जारी करते हुए रोशनी खलखो ने कहा कि होल्डिंग, पानी एवं कचरा टैक्स को वह जनता का बोझ नहीं बनने देगी। निगम क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। आम नागरिकों की सहभागिता एवं निगम की योजनाओं सेजल स्तर बढ़ने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सुनिश्चित कराएंगी। महानगरों की तर्ज पर पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाएं सुनिश्चित करना है एवं निगम क्षेत्र में फुटपाथ दुकान एवं पैदल मार्ग की पर्याप्त व्यवस्था करना उनकी प्राथमिकता होगी। राजधानी के सभी प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने की कोशिश करेगी। भ्रष्टाचार मुक्त नगर निगम बनाना और जन संवाद के माध्यम से प्रत्येक वार्ड में जन शिकायतों को दूर करने की वह कोशिश करेगी।

कार्यक्रम में प्रत्याशी रोशनी खलखो, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रांची विधायक सीपी सिंह, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, रमेश सिंह, सत्यनारायण सिंह, मनोज मिश्रा सहित कई बीजेपी के नेता मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हर वार्ड में ही एक स्मार्ट कार्यालय खुलेगा, जहां पर रांची की जनता को सारी सभी योजनाओं की जानकारी के साथ उनका सभी काम इसी कार्यालय में हो जाएगा। उन्हें मुख्यालय स्थित नगर निगम के चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। रोशनी खलखो ने कहा कि निकाय चुनाव कराने के लिए उन्होंने लंबी लड़ाई लड़ी। लगातार तीन साल तक कानूनी लड़ाई लड़ने का परिणाम हुआ कि राज्य सरकार को चुनाव कराने को बाध्य होना पड़ा। उन्होंने कहा कि जनता का लगातार मुझे प्यार मिल रहा है और राजधानी रांची को अंधकार से मुक्त करना है। तीन सालों से राजधानी रांची में विकास ठप है। उन सभी समस्याओं का समाधान करने उनकी बेटी रोशनी आ रही है। उन्होंने कहा कि शहर के सभी गतिविधियों पर सीडीटीवी कैमरे की नजर रहेगी। यह संकल्प पत्र नहीं मेरे मन के अंदर जो राजधानी रांची को सजा सकते हैं उन बातों को उल्लेख किया गया है।

वहीं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नगर निकाय चुनाव ईवीएम के कराने की वकालत की। साथ ही कहा कि बीजेपी के एक एक कार्यकर्ता इस चुनावी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे और धांधली नहीं होने देंगे। रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि ऐसी प्रत्याशी रांची की जनता को नहीं मिलेगी। रोशनी एक फोन पर जनता के बीच उपलब्ध हो जाती है। मुझे विश्वास है कि रोशनी राजधानी रांची को जगमग करेगी। अंधेरे को मिटाएगी और रोशनी फैलाएगी। इस संकल्प पत्र जारी कार्यक्रम में मंच का संचालन महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन केके गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मनोज मिश्रा सहित कई बीजेपी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक नजर

राधेश्याम पोद्दार के निधन पर मारवाड़ी सम्मेलन ने जताया शोक

रांची : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार के पिता समाजसेवी सह व्यवसायी राधेश्याम पोद्दार के आकस्मिक निधन पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने दुख व्यक्त करते हुए शोक जताया है। सम्मेलन के संजय सर्राफ ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राधेश्याम पोद्दार की अंतिम यात्रा 17 फरवरी 2016 दिन मंगलवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे शीतल अपार्टमेंट सेवा सदन पथ से मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन एवं संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा की राधेश्याम पोद्दार सरल, मिलनसार, मृदुभाषी, धार्मिक विचारधारा व्यक्तित्व वाले व्यक्ति थे। उनका निधन अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक है।उनकी शालीनता, स्पष्टवादिता,सरलता और समाज के प्रति समर्पण पूरा समाज हमेशा याद रखेगा।उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उल्लेखनीय है कि राधेश्याम पोद्दार का सोमवार को अचानक निधन हो गया।

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में छात्रों के बीच बजट पर चर्चा

रांची : रांची विश्वविद्यालय (आरयू) के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में सोमवार को 'बजट 2026 पे चर्चा' विषय पर एक शैक्षणिक समूह प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अमर कुमार चौधरी ने बजट 2026 की प्रमुख घोषणाओं, आर्थिक नीतियों और देश की विकास प्रक्रिया पर पड़ने वाले प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. अरुंजय कुमार सिंह ने बजट के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। डॉ. पूजा कुमार ने कहा कि अमेरिका की आर्थिक नीतियों और वैश्विक व्यापारिक गतिविधियों का प्रभाव भारत में टैरिफ और आर्थिक गतिविधियों पर किस प्रकार पड़ता है। उन्होंने वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में भारत की स्थिति को भी स्पष्ट किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने समूह बनाकर शोध आधारित प्रस्तुतियां दीं। सभी समूहों ने बजट के अलग-अलग पहलुओं पर अपने शोध निष्कर्ष साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संतोष चौधरी, फैकल्टी सदस्य डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. सोनी कुमारी, डॉ. एनआर त्रिपाठी, डॉ. पूजा कुमार, डॉ. शिल्पी आभा खलखो, डॉ. अमित तिर्की और अन्य लोग उपस्थित थे।

मेयर प्रत्याशी प्रवीण कच्छप ने स्मार्ट सिटी व आत्मनिर्भर झारखंड बनाने के लिए मांगें वोट

रांची : शहर में नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। प्रत्याशी डोर डोर टू डोर पहुंच रहे है। महिला-पुरूष एवं बुजुर्गों से मिल रहे है। लोगों के सामने नतमस्तक हो रहे है। लोगों के हाथों में प्रत्याशी और उनके छाप पर छपे पंपलेट को थमा रहे है। इस बीच मेयर प्रत्याशी प्रवीण कच्छप ने शहर के कर्बला चौक, पुरानी रांची, कोकर, प्लाजा चौक, हिंदपीढ़ी, चुन्ना भट्ठा समेत दर्जनों मुहल्लों में जनसंपर्क अभियान चलाया। हजारों लोगों को साथ लिए लगातार कैंपेन कर रहे है। सुबह से लेकर देर रात तक सघन प्रचार कर रहे है। इस दौरान प्रवीण कच्छप ने कहा कि स्मार्ट सिटी बनाने के लिए एक बार मेयर बनाए। क्रमांक संख्या 3 और चुड़ियां छाप पर मुहर लगाकार भारी मतों से विजय बनाए। लोगों ने कहा कि मेयर प्रत्याशी प्रवीण कच्छप युवा कर्मठ और शिक्षित उम्मीदवार है। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता भी रहे है।

सरना धर्म कोड की मांग को लेकर दिल्ली में होने वाला प्रदर्शन स्थगित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरना धर्म कोड की मांग को लेकर सोमवार को सिरमटोली सरना स्थल पर बैठक हुई। इसमें आदिवासी संगठन के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर शिवा कच्छप, संगीता कच्छप, संदीप तिर्की, सुशिला उरांव समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे। बैठक में कहा कि दिल्ली के जंतर मंतर में 17-20 फरवरी तक सरना धर्मकोड की मांग होनी थी, लेकिन एआई इंपैक्ट सबमिट, यूजीसी आंदोलन से दिल्ली के माहौल खराब बताई गई है। भारत सरकार एवं दिल्ली प्रशासन ने कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता संगीता कच्छप ने कहा कि सरकार से वातार्लाप किया जाएगा। संवैधानिक दायरे में रहकर शांतिपूर्ण आंदोलन किया जाएगा। सरहुल पर्व के बाद दिल्ली जंतर-मंतर सरना धर्म कोड की होगी मांग सरना धर्म कोड की मांग लगातार हो रही है। लोगों ने कहा कि जबतक सरना कोड नहीं मिलता तबतक आंदोलन जारी रहेगा। संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ाई तेज होगी।

भारत के साथ हुई ट्रेड डील अमेरिकी हित में : प्रणव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रणव झा ने कहा कि देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है, देश में जो हो रहा है वह रहस्यमय तरीके से हो रहा है। देश में हो रहे फैसले की सही जानकारी आम लोगों को नहीं दी जा रही है। प्रणव झा ने यह बातें सोमवार को कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि यूएस ट्रेड डील अमेरिकी हित में है। इसमें भारत के लिए नुकसान है। उन्होंने कहा कि एपस्टिन फाइल में मोदी सरकार के मंत्री का नाम आना और अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडानी पर कसते शिकंजे के दबाव में यह डील संभव हुआ। वहीं केंद्र सरकार छह गुना टैरिफ बढ़ने की खुशी मना रही है। प्रणव ने कहा कि 2025 में अमेरिका को हमारा निर्यात 86 बिलियन डॉलर और आयात 46 बिलियन डॉलर था। इस दौरान 40 बिलियन ट्रेड सरप्लस था, जबकि अब अमेरिका से 100 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त सामान खरीदना है। इससे सरप्लस ट्रेड डेफिसिट ट्रेड में बदल जाएगा। दूसरी ओर चीन के साथ पहले ही 116 बिलियन का व्यापार घाटा है। वहीं कृषि क्षेत्र को भी अमेरिकी किसानों के लिए खोल दिया गया है। अमेरिकी किसानों को 64 लाख रुपए सब्सिडी प्रतिवर्ष मिलती है, जबकि भारतीय किसानों को मुश्किल से 12000 रुपये सब्सिडी प्रतिवर्ष दी जाती है।

उन्होंने कहा कि कपास किसानों के लिए यह ट्रेड डील तबाही की तरह है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के आदेश पर भारत रुस से तेल खरीदना बंद कर देगा, जबकि अपनी जरूरत का 40 प्रतिशत सस्ता तेल भारत अभी रुस से खरीदता था। वहीं भारत अब अमेरिकी आदेश पर तेल वेनेजुएला से खरीदेगा और अमेरिका इसकी निगरानी भी करेगा। प्रणव ने कहा कि वे जानना चाहते हैं कि क्या इस डील से पहले राज्यों से व्यापक परामर्श किया गया। साथ ही कहा कि क्या संसद में इस समझौते की पूरी शर्तें सार्वजनिक की जाएंगी और किसानों एवं छोटे उद्योगों की हितों की रक्षा के लिए क्या उपाय किए गए हैं।

अहर्निश शिव संकीर्तन अष्टयाम भक्ति भाव के साथ संपन्न, जुटे हजारों श्रद्धालु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर एचईसी, धुर्वा स्थित पुराना विधानसभा मैदान में शिवशिष्यों द्वारा भगवान शिव की पूजा-अर्चना के साथ आयोजित अहर्निश शिव संकीर्तन अष्टयाम का भव्य समापन हुआ। "हर भोला, हर शिव" के जयघोष और वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। अष्टयाम के दौरान निरंतर भजन-कीर्तन, रुद्राभिषेक और शिव महिमा के गुणगान से श्रद्धालु आध्यात्मिक आनंद में डूबे नजर आए।

समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ होली भी खेली। "भगवान दिगंबर खेले होली" जैसे पारंपरिक भजनों पर महिलाएं, पुरुष और युवा भक्त झूमते दिखे। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। आयोजन समिति के अध्यक्ष शिव कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 15 हजार श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। दूर-दराज से आए भक्तों के लिए पेयजल, प्रसाद, बैठने और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई थी।

प्रसाद वितरण के दौरान श्रद्धालु पंक्तिबद्ध होकर श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण करते नजर आए। साहब श्री हरीन्द्रानंद जी के निवास (उपवन) में उनके दर्शनार्थ लंबी कतारें देखी गईं। भक्तगण अनुशासन के साथ अपनी बारी का इंतजार करते रहे, जिससे आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

न्यायमूर्ति से नोक-झोंक मामले में अधिवक्ता महेश तिवारी को मिली राहत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति राजेश कुमार के साथ नोकझोंक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए अधिवक्ता महेश तिवारी के खिलाफ जारी आपराधिक अवमानना की कार्यवाही समाप्त कर दी है। सोमवार को पांच जजों की पूर्ण पीठ ने अधिवक्ता की ओर से बिना शर्त माफी मांगे जाने को स्वीकार करते हुए अवमानना कार्यवाही समाप्त (ड्रॉप) करने का आदेश दिया।

पिछली सुनवाई के दौरान अधिवक्ता महेश तिवारी अदालत में उपस्थित हुए और अपने आचरण के लिए बिना शर्त माफी मांगी। इसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सोमवार को सुनाए गए फैसले में पूर्ण पीठ ने माफी स्वीकार करते हुए उनके खिलाफ चल रही आपराधिक अवमानना की कार्यवाही समाप्त कर दी।

इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय पूर्ण पीठ ने की। पीठ में न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय, न्यायमूर्ति आनंद सेन और न्यायमूर्ति राजेश शंकर भी शामिल थे।

दरअसल, न्यायमूर्ति राजेश कुमार की अदालत में एक मामले की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता महेश तिवारी और न्यायामूर्ति राजेश कुमार के बीच नोकझोंक हो गई थी। इस घटना को उच्च न्यायालय ने गंभीरता से लिया था। उस समय पूर्ण पीठ ने घटना से संबंधित वीडियो भी देखा था और अधिवक्ता से उनका पक्ष जानना चाहा था।

सरला बिरला विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह 18 फरवरी को, 32 छात्रों को मिलेगा स्वर्ण पदक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह विवि परिसर के दीक्षांत मंडप में बुधवार 18 फरवरी को अपराह्न 1.40 बजे से होगा। समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि इसरो चेयरमैन डॉ वी. नारायणन, डीआरडीओ के महानिदेशक डॉ. बी. के. दास, राज्यसभा सांसद गोविंदभाई ढोलकिया एवं तीरंदाजी कोच पद्मश्री पूर्णिमा महतो शिरकत करेंगी। उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि दी जाएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलाधिपति जयश्री मोहता, प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, शासी निकाय के सदस्य अनंत जाटिया एवं राज्यसभा सांसद सह सदस्य, शासी निकाय डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी आज विवि परिसर में आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में एसबीयू के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं माननीय कुलपति प्रो सी. जगनाथन ने दी।

प्रो. जगनाथन ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय परिसर में भव्य तैयारियां की गई हैं। उन्होंने विवि के बहुविषयी पाठ्यक्रमों एवं साढ़े पांच हजार से अधिक विद्यार्थियों का जिक्र करते हुए कहा कि अपनी स्थापना के महज कुछ ही वर्षों के भीतर विवि ने राज्य के शैक्षणिक माहौल में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज की है। उन्होंने भरोसा जताया कि अपने बेहतरीन शैक्षणिक माहौल और आधारभूत संरचनाओं के बूते एसबीयू आनेवाले दिनों में भी अनवरत झारखंड के पठन-पाठन का उत्कृष्ट केंद्र बना रहेगा।

प्रो गोपाल पाठक ने अमेरिका के पांच शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ सरला बिरला विश्वविद्यालय के जुड़ने को विवि के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय करार दिया। उन्होंने सरला बिरला विश्वविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण पाठ्यक्रमों की चर्चा करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा इससे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ मिलने की बात कही। झारखंड एवं इसके आसपास के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को विवि में मिल रही स्तरीय एवं अनुशासनिक शिक्षा पर उन्होंने विस्तार से प्रकाश डाला।

एसबीयू के इस दीक्षांत समारोह में कुल 1331 डिग्री धारकों को प्रमाण पत्र सौंप जाएंगे। इसमें 1092 अंडर ग्रेजुएट, 134 पोस्ट ग्रेजुएट, 95 डिप्लोमा एवं 10 पीएचसीडी डिग्री धारक शामिल होंगे। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए 32 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

उच्च न्यायालय में बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण पर सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

रांची : झारखंड के अस्पतालों और नर्सिंग होम से निकलने वाले जैव चिकित्सा अपशिष्ट (बायोमेडिकल वेस्ट) के सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। यह जनहित याचिका झारखंड ह्यूमन राइट कनफेडरेशन की ओर से दायर की गई है। याचिका में राज्य में बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट से संबंधित नियमों और पर्यावरण संरक्षण कानून के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू कराने की मांग की गई है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता समावेश देव ने अदालत में पक्ष रखते हुए कहा कि राज्य में बायोमेडिकल कचरे के उचित निस्तारण के लिए सख्त और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि पर्यावरण और आम लोगों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सके। वहीं, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) की ओर से अधिवक्ता रिचा संचित ने अदालत को बताया कि राज्य में नैदानिक प्रतिष्ठान अधिनियम लागू है और सभी अस्पताल एवं नर्सिंग होम इस कानून के तहत पंजीकृत हैं। साथ ही, बायोमेडिकल कचरा के निस्तारण के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों का संबंधित डिस्पोजल सुविधाओं में पंजीकरण अनिवार्य किया गया है और वे निर्धारित नियमों के अनुसार कचरे का निष्पादन कर रहे हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि अस्पतालों, क्लीनिकों और नर्सिंग होम से निकलने वालेबायोमेडिकल कचरे का सही तरीके से निस्तारण नहीं होने पर पर्यावरण प्रदूषण और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। अदालत के आदेश से राज्य में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश मिलने की संभावना है।

झारखंड में 19-20 फरवरी को आंशिक बादल तापमान में हल्की बढ़ोतरी की संभावना

रांची : झारखंड के विभिन्न जिलों में 19 और 20 फरवरी को आंशिक रूप से बादल छाये रहेंगे, जिससे अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि होने की संभावना है। मौसम विभाग ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि 21 फरवरी से मौसम फिर साफ हो जाएगा। हालांकि सुबह के समय हल्के दर्जे का कुहासा छाये रहने की संभावना बनी रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, राजधानी रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, रामगढ़, गिरिडीह, साहिबगंज, बोकारो, चतरा और हजारीबाग में अधिकतम तापमान 25 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। वहीं पश्चिमी सिंहभूम, डालटेनगंज, जमशेदपुर, सरायकेला और सिमडेगा में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। आने वाले दिनों में इन जिलों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने राज्यभर में उत्तर-पश्चिमी हवा चलने का भी अनुमान जताया है, जिससे तापमान को नियंत्रित रखने में मदद मिलेगी। सोमवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में मौसम साफ रहा और दिनभर सामान्य गति से उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलती रहीं। इन दिनों सुबह और शाम के समय हल्की ठंड (कनकनी) महसूस की जा रही है, जो मार्च के दूसरे सप्ताह तक बने रहने की संभावना है।

चान्हो में अमर शहीद वीर बुधू भगत जयंती व कृषि मेला की तैयारियां पूरी

रांची : चान्हो स्थित सिलागाई में आगामी मंगलवार, 17 फरवरी को आयोजित होनेवाले अमर शहीद वीर बुधू भगत जयंती सह कृषि विकास मेला की तैयारियों का कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने सोमवार को निरीक्षण किया। इस दौरान तिर्की ने कहा कि कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और लगभग पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सभी आगंतुकों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। बंधु तिर्की ने राज्यवासियों से अपील की कि वे अमर शहीद वीर बुधू भगत की जयंती समारोह में अवश्य शामिल हों और मेले में लगी कृषि विकास योजनाओं का लाभ उठाएं।

रांची के स्कूल में आयोजित हुआ सूर्य नमस्कार कार्यक्रम, बच्चों ने जाना योग का महत्व

रांची : रांची जिला योगासना स्पोर्ट्स एसोसिएशन और ज्ञान डीप स्कूल बुण्डू के सहयोग से स्कूल परिसर में सोमवार को सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के सचिव डॉ एसके घोषाल ने बच्चों को योग के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार एक ऐसा योगाभ्यास है। जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों रूपों में सम्मिलित है। इसको करने से मन और शरीर स्वस्थ रहता है। योग बच्चों के लिए विशेष रूप से लाभदायक है। मौके पर ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य गोपाल तिवारी ने कहा कि शहर से दूर स्थित सुदूरवर्ती क्षेत्रों में पढ़ने वाले ग्रामीण बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्धेश्य से योगाभ्यास कराया जाता है। ताकि बच्चें शारीरिक और मानसिक दोंनो रूप से मजबूत बनें। उन्होंने बच्चों को योगाभ्यास के महत्व के बारे में बताकर शिक्षित करना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से योगासना स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डॉ एसके घोषाल, प्रहलाद भगत, राहुल रंजन, अजय महतो, प्रधानाचार्य गोपाल तिवारी, डॉ संतोषी कुमारी, प्रेम प्रकाश तिवारी, राहुल सिंह, शंकर राणा, चैताली मुखर्जी, आम्या अंशु, सोनाली सरकार, पूजा सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एक नजर

समय पर होगा जनता का काम : उमेश वर्मा

कोडरमा : डोमचांच के वार्ड नंबर 12 (लटियोबर) में सोमवार को भाजपा समर्थित प्रत्याशी उमेश वर्मा के समर्थन में पूरे जोश और उत्साह के साथ चलाया जा रहा है. घर घर जाकर प्रत्याशी एवं समर्थक- सहयोगियों ने आगामी 23 फरवरी को नगर निकाय चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान करते हुए नगर अध्यक्ष पद के प्रत्याशी उमेश वर्मा के पक्ष में मतपत्र के एक नंबर के एयर कंडीशनर छाप पर अधिक से अधिक मतदान करने का आह्वान किया.। जन सम्पर्क अभियान के दौरान लोगों में से आशीर्वाद मांगा और कहा कि आपक बेट, आपक भाई चुनाव में खड़ है यदि आप मुझे अध्यक्ष बनाते हैं तो शहर का समुचित विकास होगा। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि मैं शहरी क्षेत्र की समस्याओं से, आपकी समस्याओं से अच्छी तरह से अवगत हूं, अध्यक्ष बन तो निश्चित समय में आपकी समस्याओं को हल करने का काम करूंग। मौके पर अभियान में प्रत्याशी के साथ युवाओं की भारी संख्या उमेश वर्मा- जिंदाबाद डोमचांच की जनता- जिंदाबाद का उद्घोष करते हुए घर-घर जाकर संपर्क किया। संपर्क अभियान में राजेश सिंह, अखिल कुमार सिन्हा,डॉक्टर के पी चौधरी, मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिन्हा, संयोजक प्रभाकर लाल रावत, सुदेश मोदी, मिथिलेश गोस्वामी, शक्ति सिंह, शशि शंकर मेहता, मनोज मेहता सहित दर्जनों समर्थक मौजूद थे।

स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

कोडरमा : मरकच्चो प्रखंड के तेलिया मारण बिरहोर टोला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों, विशेषकर बिरहोर समुदाय के लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की सुविधा प्रदान की गई। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा ग्रामीणों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तचाप, शुगर, टीबी, बुखार आदि की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार दवाओं का वितरण किया गया। साथ ही गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धजनों के स्वास्थ्य की विशेष रूप से जांच की गई। इस दौरान स्वास्थ्य टीम द्वारा घर-घर जाकर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया। टीम ने साफ-सफाई, पोषण, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, मौसमी बीमारियों से बचाव तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया। शिविर में उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को समय पर उपचार कराने, किसी भी प्रकार की बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

भेलवाडीह घाघरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम पर उमड़ी भीड़

पाकरटांड : प्रखंड के भेलवाडीह घाघरा में महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम का उद्घाटन मजदूर नेता राजेश सिंह, भाजपा नेता मंगल सिंह भोगता एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों द्वारा विधिवत पूजन और रिबन काटकर किया गया। उद्घाटन के बाद लोक गायक जगदीश बड़ाईक ने शिव वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरूआत की, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इसके पश्चात चिंता देवी, पंकज महली, सुहाना देवी, डांसर सारिका नायक तथा पारंपरिक पाईका लोक नृत्य दल ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को देर रात तक झूमने पर विवश कर दिया। स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति को लोगों ने खूब सराहा और तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि राजेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि महाशिवरात्रि केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने का अवसर भी है।

20 वर्षों की यात्रा में क्लोरोफिल स्कूल ने गढ़े शिक्षा के नए प्रतिमान : अन्नपूर्णा देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : स्थानीय महाराणा प्रताप चौक स्थित क्लोरोफिल स्कूल के वार्षिक खेलकूद महोत्सव में बच्चों की प्रतिभा का प्रदर्शन देखने लायक था। कार्यक्रम की शुरूआत टॉर्च रिले रेस के बाद मंगल दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि अन्नपूर्णा देवी और विशिष्ट अतिथि विनोद राय, निदेशक DTI विद्यालय के निदेशक प्राचार्या एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। दोनों अतिथियों का स्वागत विद्यालय के निदेशक अजय अग्रवाल एवं प्राचार्या कंचन अग्रवाल ने गुलदस्ता और शॉल भेंट करके किया। प्राचार्य ने स्वागत भाषण में कहा कि हम विद्यालय की टैगलाइन अंकुरित बीज से स्वस्थ पौध तक के प्रति समर्पित हैं - अभिभावकों अपने अंकुरित बीज जैसे कोमल बच्चों का दाखिला कराते हैं, जिनकी देखभाल हम पूरी निष्ठा से स्वस्थ पौधा बनने तक करते हैं। प्राचार्य के स्वागत भाषण के बाद विद्यालय परिसर के रेसिंग ट्रैक पर बच्चों की रोचक, विविधता पूर्ण और बेहद मनोरंजक रेस हुई जिनमें प्रमुख रूप से पिक पैक एंड रन, देखो मछलियां कहीं उड़ ना जाएँ, हैप्पी हेड बैलेंस रेस, बैक एंड फोर्थ रेस, एवं रन विथ योर पार्टनर, ने लोगों को विशेष रूप से आकर्षित किया। मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने संबोधन में कहा कि विगत 20 वर्षों में क्लोरोफिल स्कूल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से अच्छा काम किया है और यह जानकर अच्छा लगता है कि यहाँ के पुराने बच्चे बड़े होकर भारत के कोने-कोने में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। निदेशक अजय अग्रवाल ने कहा कि बीस वर्ष पूर्व इस विद्यालय की स्थापना माननीय अन्नपूर्णा मैडम के हाथों ही हुई थी। विशिष्ट अतिथि डीवीसी प्रशिक्षक विनोद राय ने कछुए और खरगोश की कहानी बड़े रोचक ढंग से सुनाते हुए नैतिक आचरण को सफलता से बड़ा बताया।

कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने पंकज वर्णवाल के समर्थन में किया आह्वान

झुमरी तिलैया : नगर परिषद चुनाव को लेकर भाजपा समर्थित प्रत्याशी पंकज वर्णवाल के समर्थन में शहर स्थित रामसन होटल में प्रमुख कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए, जिससे चुनावी माहौल पूरी तरह गर्म नजर आया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने की, जबकि संचालन मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी ने किया। अपने संबोधन में सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के समर्थित उम्मीदवार पंकज वर्णवाल को क्रम संख्या 4 बैटरी टॉर्च छाप पर मुहर लगाकर भारी मतों से विजयी बनाना है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता तन, मन और धन से समर्पित होकर चुनाव में जुट जाएं और घर-घर जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं। डॉ. नरेश पंडित ने अपने संबोधन में कहा कि पंकज वर्णवाल की जीत से शहर में पानी, सड़क और बिजली जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान होगा तथा झुमरी तिलैया का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मूक-बधिर नाबालिग से दुष्कर्म कर गर्भवती बनाने के मामले में 20 साल की सजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : प्रधान जिला न्यायाधीश-सह-पोक्सो अदालत ने एक गंभीर आपराधिक मामले की सुनवाई करते हुए मूक-बधिर नाबालिग पीड़िता के साथ यौन संबंध स्थापित कर उसे गर्भवती करने के दोषी अभियुक्त को कठोर सजा सुनाई है। अदालत ने पोक्सो एक्ट की धारा 04 एवं 06 के तहत अभियुक्त को 20 वर्षों के कठोर कारावास की सजा सुनाई तथा कुल 40 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। अदालत ने स्पष्ट किया कि दोनों सजाएं एक साथ चलेंगी। साथ ही जुमार्ने की पूरी राशि पीड़िता को मुआवजे के रूप में देने का निर्देश दिया गया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने पीड़िता के पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकार को आदेश दिया गया कि पीड़िता को पीड़ित मुआवजा योजना के तहत निर्धारित राशि शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। कुल मुआवजा राशि का दो तिहाई हिस्सा पीड़िता द्वारा जन्म दिए गए बच्चे के नाम से एफडी में रखा जाएगा,जो बच्चे के बालिग होने तक सुरक्षित रहेगा। एक तिहाई राशि मूक-बधिर पीड़िता की मां को प्रदान की जाएगी,ताकि पीड़िता की देखभाल और जीवनयापन में सहायता मिल सके। अदालत ने कहा कि न्यायालय के इस फैसले को समाज में बढ़ते लैंगिक अपराधों के विरुद्ध कड़ा संदेश माना जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि नाबालिगों, विशेषकर दिव्यांग पीड़ितों के साथ होने वाले अपराधों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को कठोर दंड दिया जाएगा।

उपायुक्त ने उग्रवादी हिंसा पीड़ित आश्रितों के 146 मामलों की समीक्षा, शीघ्र निष्पादन के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में जिला अंतर्गत उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों एवं सेवा काल में दिवंगत सरकारी सेवकों के आश्रितों को अनुग्रह राशि, अनुदान, अनुकंपा नियुक्ति, अस्वीकृत आवेदनों तथा अन्य जिलों में हस्तांतरण से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 146 मामलों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी मामलों का निष्पादन सरकार के दिशा-निर्देशों के अक्षरशः अनुपालन के साथ किया जाए। जिन पीड़ित परिवारों को मुआवजा राशि का भुगतान किया जा चुका है, उन्हें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से आच्छादित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही आश्रितों को विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर स्वरोजगार से जोड़ने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया गया। उन्होंने पीड़ित परिवारों की बेटियों को कन्यादान योजना से जोड़ने एवं अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। अनुकंपा आधारित नियुक्ति से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने तथा अस्वीकृत एवं भुगतान लंबित मामलों की कारण सहित विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे, अनुमंडल पदाधिकारी प्रकाश रंजन ज्ञानी, सामान्य शाखा प्रभारी पदाधिकारी-सह-जिला परिवहन पदाधिकारी संजय बखला, एलडीएम सनिश मिंज, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नरेश रजक, जिला कोषागार पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रौढ़ शिक्षा अभियान में साहियाओ का हुआ सम्मान, महिलाओं ने साझा किए प्रेरक अनुभव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिले में चल रहे प्रौढ़ शिक्षा अभियान के अंतर्गत रविवार को मोर मिट्टी में साहियाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अक्षय सिन्हा क्लासेस से मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले साहियाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें स्मृति चिह्न के साथ डायरी और पेन प्रदान किए गए। अक्षय सिन्हा क्लासेस के संचालक राज आनंद सिन्हा ने बताया कि गांव-देहात की सहिया व सहिया साथी को पढ़ाकर शिक्षा की एक नई मुहिम चलाई जा रही है। इसमें उन महिलाओं को फिर से पढ़ाया जा रहा है, जिनकी पढ़ाई वर्षों पहले छूट गई थी। साथ ही, कार्यक्रम में सभी महिलाओं को अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का मंच भी दिया गया। बानो की गुलनाज खातून ने कहा कि शुरूआती दौर में उन्हें लगता था कि वे कभी साक्षर नहीं हो पाएंगी, लेकिन अब वे मैट्रिक और इंटर की पढ़ाई पूरी कर चुकी हैं और साक्षर महिलाओं में गिनी जाती हैं। कौशल्या देवी ने बताया कि वे ओडिशा की रहने वाली हैं, लेकिन विवाह के बाद झारखंड आईं। यहां ओड़िया भाषा में पढ़ाई संभव नहीं थी, फिर भी पढ़ने की इच्छा बनी रही। प्रौढ़ शिक्षा अभियान के माध्यम से उन्होंने हिंदी पढ़ना-लिखना सीखा और आज सहिया साथी के रूप में समाज सेवा कर रही हैं। ठेठईटांगर की सहिया अमला खातून ने बताया कि शुरूआत में उन्हें मंच पर बोलने में डर लगता था, लेकिन आज पहली बार मंच से अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला, जिससे वे अत्यंत प्रसन्न हैं। शबनम खातून ने कहा कि पहले वे किसी प्रकार का फॉर्म नहीं भर पाती थीं, लेकिन मैट्रिक और इंटर की पढ़ाई पूरी करने के बाद अब वे सहिया का कार्य कर रही हैं, स्वयं सहायता समूह से भी जुड़ चुकी हैं और अपने बच्चों को भी पढ़ा रही हैं।

गांजा तस्करों ने चौकीदार की आंखों में मिर्च झोंक बाइक छीनी, पुलिस जांच में जुटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : डोमचांच अंचल कार्यालय में कार्यरत एक चौकीदार का अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले लोगों द्वारा मोटरसाइकिल छीन कर भाग जाने का एक मामला सामने आया है। मामले की जानकारी देते हुए चौकीदार मनोज सिंह ने बताया कि रविवार की शाम इन्हें सूत्रों से पता चला कि गिरिडीह से कुछ युवक गांजा की तस्करी करने के लिए नवलशाही की ओर आ रहे हैं। सूचना के आलोक में मनोज सिंह ने उनका लोकेशन प्राप्त कर उनके आने का इंतजार करने लगे। इसी दौरान नवलशाही थाना क्षेत्र के कानीकेंद जंगल में दो युवकों के स्कूटी पर सवार होकर गांजा तस्करी कर नवलशाही की ओर जाने का पता चला। इसके पश्चात ये उस ओर गए। जैसे ही वे उक्त स्थल पर पहुंचे, इन्हें देखते ही दोनों युवक स्कूटी से बरियारडीह होते हुए नवलशाही की ओर भागने लगे। इस दौरान नवलशाही थाना से कुछ ही दूरी पर स्थित एक यात्री शेड के समीप दोनों युवकों द्वारा उनके पास रखे हुए बैग को यात्री शेड में फेंक दिया गया और वे वहां से भाग निकले। इधर मनोज ने उन तस्करों द्वारा फेंके गए बैग को उठाकर जब उसे खोला तो देखा कि उसमें लगभग 2 किलो गांजा के दो बड़े-बड़े पैकेट रखे हुए थे। इधर शिवरात्रि का त्योहार होने और चौकीदार मनोज सिंह की डोमचांच में ड्यूटी होने के कारण वे उक्त बैग को कहीं रखकर ड्यूटी हेतु डोमचांच चले गए। उन्होंने बताया कि इनका घर नवलशाही थाना क्षेत्र के ही पसियाडीह गांव में अवस्थित है। रविवार को ड्यूटी खत्म होने के पश्चात रात करीब 8 बजे जब वे अपनी बाइक से अपने गांव आ रहे थे, इसी दौरान उनके गांव के रास्ते में स्थित एक छोटी सी पुलिया के पास पहले ही से ही घात लगाकर उक्त दोनों युवक खड़े थे।

जन-संवाद मंच में झुमरीतिलैया के विकास पर गंभीर मंथन 16 प्रत्याशियों ने रखा नगर परिषद अध्यक्ष पद का विजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : नगर परिषद झुमरीतिलैया अध्यक्ष पद हेतु आयोजित जन-संवाद मंच कार्यक्रम में शहर के विकास को लेकर व्यापक चर्चा हुई। शिव वाटिका में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 16 प्रत्याशियों ने मंच से अपने-अपने विजन, योजनाएं एवं प्राथमिकताएं जनता के समक्ष प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का आयोजन कोडरमा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कोडरमा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष प्रदीप केडिया, सचिव राम रतन महर्षि एवं कोषाध्यक्ष अविनाश सेठ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेष सहयोग मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष राहुल जैन द्वारा दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रौनक काशलीवाल, आकाश जैन, ऋषभ पहाड़िया, रितेश दुग्गड़, संजय अग्रवाल, शैलेश दारुका, अतुल खेतान, पल्लव कुमार एवं प्रतीक जैन का सराहनीय योगदान रहा। विजन प्रस्तुति के दौरान प्रत्याशियों ने स्वच्छता, पेयजल, सड़क एवं नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट, व्यापारिक सुविधा, पारदर्शी प्रशासन एवं नागरिक सहभागिता जैसे विषयों पर अपनी योजनाएं साझा कीं। विजन सत्र के पश्चात आयोजित प्रश्न-उत्तर राउंड कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा, जिसमें नागरिकों एवं व्यापारियों ने प्रत्याशियों से सीधे सवाल पूछे। प्रत्याशियों ने मंच से उत्तर देते हुए अपनी कार्यशैली, सोच और समाधान की दिशा को स्पष्ट किया। इस अवसर पर स्वीप कोषांग द्वारा मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कोषांग के प्रतिनिधियों ने बैलट पेपर के माध्यम से मतदान कैसे किया जाएगा, इसका व्यावहारिक डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित नागरिकों को मतदान की प्रक्रिया को समझने में आसानी हुई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों को 23 फरवरी 2026 को होने वाले मतदान में अनिवार्य रूप से भाग लेने की शपथ भी दिलाई गई, ताकि अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। कार्यक्रम में नगर परिषद झुमरीतिलैया अध्यक्ष पद के प्रत्याशी कामेश्वर महतो, दिलीप प्रसाद वर्मा, नारायण वर्णवाल, पंकज वर्णवाल, बंधन यादव, मनोज कुमार यादव, महावीर यादव, मुकेश कुमार, रमेश हर्षधर, राजेंद्र कुमार, राजेंद्र यादव, विरेंद्र यादव, विशाल भदानी, संतोष कुमार, सुमन कुमार एवं सुषमा सुमन ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

एक्सआईएसएस के विद्यार्थियों का सिमडेगा में एक्सपोजर विजिट, गरिमा केंद्र व एफपीसी का किया अध्ययन

सिमडेगा : एक्सआईएसएस रांची के विद्यार्थियों ने सिमडेगा जिले में अपने एक्सपोजर विज़िट की शुरूआत करते हुए कोलेबिरा स्थित गरिमा केंद्र (जेंडर रिसोर्स सेंटर) में क्षेत्रीय संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यार्थियों ने गरिमा केंद्र की सदस्यों, जेंडर सीआरपी एवं पैरालीगल कार्यकताओं के साथ विस्तृत बातचीत कर केंद्र की कार्यप्रणाली को समझा। उन्हें बताया गया कि झारखंड जिले में अपनी तरह की यह पहली पहल है, जिसकी शुरूआत डायन प्रथा एवं डायन बताकर प्रताड़ना (विच हंटिंग) जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध जागरूकता और शिक्षा अभियान से हुई थी। समय के साथ यह पहल जेंडर रिसोर्स सेंटर (जीआरसी) के रूप में विकसित हुई, जो लैंगिक आधारित हिंसा के मामलों के समाधान, परामर्श, कानूनी सहायता तथा सामुदायिक हस्तक्षेप पर केंद्रित है। छात्रों को केस हैंडलिंग की प्रक्रिया, प्रभावित महिलाओं को उपलब्ध कराए जाने वाले सहयोग तंत्र तथा वित्तीय सहायता की जानकारी दी गई। यह सहायता जेएसएलपीएस एवं जिला प्रशासन के माध्यम से प्रदान की जाती है। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने कोलेबिरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीसी) का भ्रमण किया, जहां उन्होंने रागी आधारित उत्पादों जैसे लड्डू, मिश्रण, आटा एवं पापड़ के निर्माण की प्रक्रिया को समझा। इस दौरान उत्पादों की मार्केटिंग, ब्रांडिंग एवं वित्तीय प्रबंधन से जुड़े विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। एक्सपोजर विज़िट के पहले दिन विद्यार्थियों को जमीनी स्तर पर लैंगिक हस्तक्षेप की प्रक्रियाओं तथा महिला-नेतृत्व वाले आजीविका मॉडलों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

मंडलकारा में जेल अदालत व स्वास्थ्य शिविर, बंदियों को मिली कानूनी सलाह और निःशुल्क उपचार

सिमडेगा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा मंडलकारा में जेल अदालत सह स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य बंदियों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान करना था। शिविर के दौरान चीफ एलएडीसीएस प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों,न्यायिक प्रक्रिया तथा उपलब्ध विधिक सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बंदी को न्याय पाने का अधिकार है और जरूरत पड़ने पर उन्हें नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है। बंदियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। वहीं स्वास्थ्य शिविर में सदर अस्पताल की मेडिकल टीम ने बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच के दौरान सामान्य रोगों की पहचान कर आवश्यक परामर्श दिया गया तथा जरूरतमंद बंदियों के बीच नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव मरियम हेमरोम ने बताया कि इस तरह के शिविर बंदियों के स्वास्थ्य और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही,नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर बंदियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा और विधिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। मौके पर जेलकर्मी और न्यायालयकर्मी मौजूद थे।

जनता का साथ मिला तो खुशहाल होगा नगर पंचायत का हर वार्ड क्षेत्र : रोहित मेहता

कोडरमा : डोमचांच नगर पंचायत क्षेत्र से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रोहित मेहता ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि हमारा पूरा नगर पंचायत भ्रष्टाचार का दंश झेल रहा है। अगर मुझे नगरवासियों के द्वारा समर्थन मिला और यहां की जनता मुझे अध्यक्ष पद पर सेवा का अवसर देती है तो सबसे पहले क्षेत्र में भ्रष्टाचार की बोलबाला को खत्म करूंगा और भ्रष्टाचार मुक्त नगर पंचायत का स्थापना करूंगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के पूरे नगरवासी नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल को कैसे झेला है यह किसी से छिपी हुई नहीं है। नगर क्षेत्र के लोग अत्यधिक होल्डिंग टैक्स से परेशान है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की जनता में पानी के लिए त्राहिमाम मच जाती है। किसानों के लिए सिंचाई की व्यवस्था नहीं है। फुटपाथ दुकानदार भाइयों के लिए कोई अस्थाई व्यवस्था नहीं है जिससे सड़क पर इधर-उधर घूम कर उनकी दुकान लगानी पड़ती है। बताया कि टेंपो स्टैंड बस स्टैंड जैसे जरूरी चीज नहीं होने से मुख्य सड़क को आय दिन जाम का सामना करना पड़ता है जिससे कई मुसाफिरों के साथ-साथ एंबुलेंस तक का रास्ता रुक जाता है। बताया कि यहां की भोली भाली जनता वैसे जन प्रतिनिधियों के हाथ में यह नगर पंचायत सौंप दिया था जिससे कि उपरोक्त मुद्दे पर काम ही नहीं किया गया। रोहित मेहता ने बताया कि अगर मुझे लोगों का साथ मिला तो उपरोक्त सारी मुद्दों पर मैं गंभीरता पूर्वक कार्य करूंगा और नगर क्षेत्र के सभी 14 वार्ड क्षेत्रों को खुशहाल बनाने का कार्य करूंगा।

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित पर्चा बाट कर लोगों को किया गया जागरूक

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान मे महाशिवरात्रि मेले के पावन अवसर पर ध्वजाधारी आश्रम कोडरमा मे दो दिन तक जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के द्वारा स्टॉल लगाकर लोगो को कानून की बुनियादी जानकारी दी गई। इस अवसर पर लोगो को आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत से सम्बंधित पर्चा बाट कर लोगो को जागरूक किया गया कि अधिक से अधिक लोग जिनके सुलहनीय मुकदमे कोडरमा न्यायालय में लंबित है वे अपने अपने मामलो का निष्पादन राष्ट्रीय लोक अदालत में आकर करा सकते है । इसके अलावा लोगो के बीच इस अवसर पर सरकार द्वारा चलाये जा रहे चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओ से संबंधित जानकारी लोगो को दी गई। वही पारा लीगल वोलेंटियर्स द्वारा लोगो के बीच विभिन्न प्रकार का पर्चा बाट कर उन्हे जागरूक किया गयां । इस अवसर पर लोगो के बीच कई प्रकार प्रकार की कानूनी जानकारी के साथ-साथ केंन्द्र सरकार एंव राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओ की भी जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के सचिव गौतम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में चलाया गया।कोडरमा जिले के ऐतिहासिक इस दो दिवसीय मेले में सैकड़ो लोगो को कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर उनके बीच जागरूकता फैलाया गया।

एक नजर

खूंटी में प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद हुआ महिला का अंतिम संस्कार

खूंटी : कर्रा प्रखंड की उडिकल पंचायत के चांपी गांव में महिला की मौत के बाद दाह-संस्कार को लेकर शुरू हुआ विवाद पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप से सोमवार को शांतिपूर्ण रूप से सुलझ गया। दोनों पक्षों की सहमति से महिला का अंतिम संस्कार विधिपूर्वक संपन्न हुआ। दरअसल, रविवार को नरेंद्र सिंह की पत्नी लक्ष्मी देवी (60) का निधन हुआ। सोमवार को उनका पार्थिव शरीर रंगरोड़ी नाला श्मशान घाट ले जाकर अंतिम संस्कार करने का प्रयास किया गया। मौके पर दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने अंतिम संस्कार रोकने का प्रयास किया और जमीन पर अपना अधिकार जताया। घटना की सूचना तुरंत जरीयागढ़ थाना और पंचायत के मुखिया, जिला परिषद सदस्य तथा पंचायत समिति सदस्यों को दी गई। मौके पर प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि पहुंचे और दोनों पक्षों की बातें सुनकर स्थिति का समाधान किया। स्पष्ट कागजात न होने के कारण प्रशासन ने प्रथम पक्ष को अंतिम संस्कार की अनुमति दी, जिसके बाद अंतिम संस्कार शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण ही सफल मतदान की आधारशिला : आर रॉनिटा

खूंटी : नगरपालिका चुनाव-2026 के तहत खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र में 23 फरवरी को होने वाले मतदान को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से मतदान पदाधिकारियों का चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, खूंटी में विभिन्न पालियों में संचालित हो रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त आर रॉनिटा ने सोमवार को प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ट्रेनरों और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे द्वितीय और तृतीय मतदान पदाधिकारियों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता और तैयारियों की समीक्षा की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता से लें और मतदान प्रक्रिया से जुड़े प्रत्येक पहलू को भली-भांति समझें, ताकि मतदान के दिन किसी प्रकार की त्रुटि या भ्रम की स्थिति न बने। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने ट्रेनरों को राज्य निर्वाचन आयोग की मार्गदर्शिका के अनुरूप मतदान प्रक्रिया, मतपेटिका की सीलिंग तकनीक, मतदान सामग्री के संधारण, मतदाता पहचान प्रक्रिया सहित अन्य जरूरी बिंदुओं की विस्तृत और व्यवहारिक जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से मतपेटिका की सीलिंग तकनीक और प्रक्रियाओं का अभ्यास सुनिश्चित कराने पर विशेष जोर दिया।

पलामू एसपी के नाम से बनाया गया फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट

पलामू : पलामू के पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन के नाम पर फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाया गया है और लोगों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। इसकी सूचना मिलने पर एसपी ने अलर्ट जारी किया है। पुलिस अधीक्षक ने इस संबंध में झारखंड पुलिस मुख्यायल, उपायुक्त, डीआईजी पलामू सहित अन्य सीनियर पुलिस अधिकारियों और सिविल प्रशासन को जानकारी दी है। पुलिस अधीक्षक ने सोमवार दोपहर उनके नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाए जाने की सूचना देते हुए कहा है कि किसी के जरिये फर्जी नंबर 7061147269 से पलामू पुलिस अधीक्षक के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर लोगों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में लोग सावधान रहें और किसी तरह के प्रलोभन में ना आएंगे।

महाशिवरात्रि मेले में गोलगप्पा खाने से 20 बच्चे बीमार, स्वास्थ्य विभाग सतर्क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के पांकी प्रखंड अंतर्गत द्वारिका पंचायत के रघुआखाड़ गांव में महाशिवरात्रि मेले के दौरान गोलगप्पा खाने के बाद 20 बच्चे बीमार पड़ गए। सभी बीमार बच्चों में उल्टी, दस्त और डिहाइड्रेशन के लक्षण पाए गए हैं। फिलहाल सभी प्रभावित बच्चों का इलाज पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है और उनकी स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। महाशिवरात्रि के अवसर पर रघुआखाड़ गांव में मेले का आयोजन किया गया था, जिसमें द्वारिका गांव के यादव टोला, जमुआटांड़ सहित आसपास के कई टोलों के लोग शामिल हुए थे। मेले में पहुंचे बच्चों ने गोलगप्पा खाया था। इसके बाद रविवार रात से ही बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी और सोमवार सुबह तक कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखाई देने लगे। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने तुरंत पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की टीम एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंची और बीमार बच्चों को तुरंत स्वास्थ्य केंद्र लाकर इलाज शुरू किया गया। प्रभावित गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार स्थिति की निगरानी कर रही है। द्वारिका निवासी ध्रुव कुमार गुप्ता ने बताया कि उनके बेटे ने भी मेले में गोलगप्पा खाया था, जिसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उनका बेटा फिलहाल स्थानीय स्तर पर इलाज करा रहा है। पांकी के चिकित्सा प्रभारी डॉ. महेंद्र प्रसाद ने बताया कि सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम और एंबुलेंस गांव भेजी गई थी। वहीं जिले के सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि गांव में करीब 100 बच्चों की जांच की गई, जिनमें से 20 बच्चे बीमार पाए गए। सभी बच्चों का इलाज किया जा रहा है और स्थिति नियंत्रण में है। स्वास्थ्य विभाग ने एहतियात के तौर पर गांव में निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से साफ-सफाई बनाए रखने तथा मेले या सार्वजनिक स्थानों पर खाने-पीने में सावधानी बरतने की अपील की है। इधर, बच्चों के बीमार पड़ने की सूचना मिलने के बाद पांकी विधायक डॉ. शशि भूषण मेहता के जिला प्रतिनिधि सह नीलाम्बर पितांबरपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रकाश मेहता ने पांकी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर बच्चों को स्थिति की जानकारी ली। मौके पर समाजसेवी सुनील गुप्ता, मंडल अध्यक्ष रौशन सिंह भी मौजूद थे।

मंडल कारा का औचक निरीक्षण, बंदियों के अधिकारों और भेदभावमुक्त व्यवस्था पर सख्ती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निदेर्शानुसार सोमवार को बोर्ड ऑफ विजिटर्स एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार की संयुक्त टीम ने मंडल कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दल ने इस दौरान विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया कि जेल में बंदियों के साथ किसी भी प्रकार का जातिगत भेदभाव न हो तथा कोई भी बंदी दूसरे बंदियों को डराने-धमकाने या प्रताड़ित न करे। टीम ने कारागार के सभी हिस्सों का विस्तृत भ्रमण किया और बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना। बंदियों से स्वास्थ्य सेवाओं, उचित उपचार, पेयजल की उपलब्धता, भोजन एवं नाश्ते की गुणवत्ता, साथ ही मुकदमों में पैरवी के लिए अधिवक्ता की उपलब्धता के बारे में विस्तृत जानकारी ली गई। कारागार अस्पताल में भर्ती बीमार बंदियों की स्थिति का जायजा लेते हुए टीम ने निर्देश दिया कि आवश्यकता अनुसार उन्हें तुरंत उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर किया जाए ताकि उन्हें समुचित इलाज मिल सके। यह निरीक्षण झालसा के निदेर्शों के अनुपालन और बंदियों के मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। टीम ने जेल प्रशासन को आवश्यक सुधारों के लिए भी दिशा-निर्देश दिए।

पातकुम में नव कुंज महायज्ञ का भव्य शुभारंभ, सविता महतो ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के सोनार पातकुम परगना सोलोआना कमेटी द्वारा आयोजित पातकुम ईचागढ़ में श्री श्री नवकुंज महायज्ञ का उद्घाटन सोमवार को विधायक सविता महतो व राजा प्रशांत कुमार आदित्यदेव ने संयुक्त रुप से फीता काट कर किया। पंचम वर्षीय नव कुंज नाम महायज्ञ का उद्घाटन के बाद शुभारंभ किया गया। उद्घाटन में ईचागढ़ के प्रखंड बिकास पदाधिकारी एकता वर्मा, ईचागढ़ के अंचल अधिकारी दीपक प्रसाद, थाना प्रभारी बजरंग महतो, मुखिया राखोहरी सिंह मुंडा, डा भूषण मुर्मू उपस्थित थे। वहीं विधायक सविता महतो ने कहा कि पातकुम, ईचागढ़, गौरांगकोचा सहित आस पास के गांवों के सामुहिक प्रयास से इतना बड़ा आयोजन किया गया है, इस तरह का आयोजन से लोगों में आध्यात्मिक चेतना जागृत होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से आपसी एकता और सात्विकता बढ़ता है। नव कुंज में 54 संकीर्तन दल भाग लिया है, जो विभिन्न नौ मंदिरों में लगातार नौ दिन रात अखंड हरी नाम संकीर्तन चलते रहेगा। 9 दिवसीय नव कुंज का 24 फरवरी को समापन होगा। नव कुंज महायज्ञ में झारखंड , बंगाल, उड़ीसा क्षेत्र से प्रतिवर्ष लगभग लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं और हरी नाम श्रवण करते हैं। मौके पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष निताई उरांव, आयोजन समिति के अध्यक्ष संजय मंडल, सचिव अमर नाथ यादव, कोषाध्यक्ष राखोहरि सिंह मुंडा, कालीदास आदित्य देव, सुभाष दत्ता, सपन आदित्यदेव, पूर्व प्राचार्य जी पी राजवाड़, रंजीत टुडू, मनोरंजन महतो, शंभुनाथ महतो, सहित सैकड़ों सदस्य उपस्थित थे।

ग्रह दोष निवारण के लिए दो बच्चों का कराया कुतिया से विवाह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर के उलीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत शंकोसाई रोड नंबर 5 स्थित बस्ती में मागे पर्व के अंतिम दिन हरमंगेया के अवसर पर एक अनोखी और परंपरागत रस्म ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। हो समाज की सदियों पुरानी मान्यता के अनुसार दो छोटे बच्चों का प्रतीकात्मक विवाह कुतिया से कराया गया। मौके पर समाज के बुजुर्गों ने बताया कि यदि किसी बच्चे के ऊपर के दांत पहले निकल आते हैं तो इसे अशुभ संकेत माना जाता है। ऐसी स्थिति में भविष्य में संभावित अनहोनी या दुर्घटना से बचाव के लिए यह विशेष अनुष्ठान किया जाता है।

मान्यता है कि कुत्ते या कुतिया से प्रतीकात्मक विवाह कराने से अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त हो जाता है और बच्चे का जीवन सुरक्षित रहता है। यह परंपरा आज भी हो समाज के कुछ परिवारों में निभाई जाती है। इस अवसर पर अजय हेंब्रम के चार वर्षीय पुत्र रुपेश हेंब्रम और लक्ष्मण सोय के दो वर्षीय पुत्र सूर्य सोय की अलग-अलग बारात निकाली गई। बस्ती में ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज के बीच दोनों बच्चों को पारंपरिक वेशभूषा में सजाया गया। परिजन और ग्रामीण नाचते-गाते हुए बारात में शामिल हुए, जिससे माहौल उत्सवमय बन गया।विवाह से पूर्व समधी मिलन, मंगनी, हल्दी, पांव पूजा जैसी सभी पारंपरिक रस्में पूरी की गईं। महिलाओं ने मंगलगीत गाए और बुजुर्गों ने विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न कराई। इसके बाद साड़ पेड़ के नीचे विवाह की मुख्य रस्म अदा की गई। समाज की मान्यता है कि साड़ पेड़ में विशेष आध्यात्मिक शक्ति होती है और उसके नीचे संपन्न विवाह से बच्चों का ग्रह दोष पेड़ अपने ऊपर ले लेता है, जिससे दोष समाप्त हो जाता है।

डरी हुई राज्य सरकार बैलेट पेपर से करा रही चुनाव : शशांक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : किसी भी चुनाव में युवाओं की भुमिका अति महत्वपूर्ण होती है। युवा अपने लक्ष्य को लेकर चलते हैं लक्ष्य की प्राप्ति तक नहीं रूकते हैं। किसी भी मौसम या कोई भी परिस्थिति का सामना मुस्तैदी के साथ करते हैं। भगवा हमारी आन, बान और शान है। उक्त बातें भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने सोमवार को मेदिनीनगर में आयोजित युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के हम युवा बफादार सिपाही हैं। किसी से न डरनेवाले हैं और ना झुकनेवाले हैं। झारखंड की डरी सहमी सरकार इवीएम से चुनाव ना कराकर बैलेट पेपर के सहारे बैतरणी पार करना चाहती है जिसे युवा वर्ग कभी पूरा नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि डालटनगंज नगर निगम के भाजपा समर्थित उम्मीदवार अरूणा शंकर हैं। उनका चुनाव चिंह उनके अनुरूप एसी छाप मिला है। उन्होंने युवाओं में उत्साह भरते हुए कहा कि किसी सामंती से डरने की जरूरत नहीं है। पार्टी प्रत्येक कार्यकर्ताओं के लिए खड़ी रहती है। डालटेनगंज विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि भाजपा समर्थित प्रत्याशी अरूणा शंकर किसी परिचय की मुहताज नहीं है। न ही उन्हें किसी गली मुहल्ले और मंच पर परिचय देने की जरूरत है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि युवा जगेगा तो ही देश जागेगा। जब देश जगेगा तो नया दौर आयेगा। नगर निगम के भाजपा समर्थित सह महापौर अरूणा शंकर ने युवाओं की तुलना बजरंगबली से की। उन्होंने कहा कि आनेवाले 23 फरवरी को नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर मजबूती के साथ खड़ा होकर निष्पक्ष मतदान कराने की अपील की।

अन्नपूर्णा देवी व नागेंद्र महतो ने सरिया नगर पंचायत चुनाव में शोभा देवी के समर्थन में की भारी मतदान की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया स्टेशन रोड स्थित जैन धर्मशाला में भारतीय जनता पार्टी का एक उत्साहपूर्ण और महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा कोडरमा लोकसभा सांसद अन्नपूर्णा देवी और बगोदर विधायक नागेंद्र महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई, जिसके बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष कुमार मंडल ने कुशल संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया। यह सभा मुख्य रूप से आगामी सरिया नगर पंचायत चुनाव पर केंद्रित थी, जहां भाजपा ने शोभा देवी (पतिः फागू पंडित) को अपना समर्थित प्रत्याशी घोषित किया है। दोनों वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता से शोभा देवी को भारी बहुमत से जिताने की जोरदार अपील की। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को पूर्ण समर्थन, सक्रिय प्रचार और घर-घर जाकर मतदाताओं को जागरूक करने का आह्वान किया। सभा में बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता, महिला-पुरुष और समर्थक मौजूद रहे, जो क्षेत्र में पार्टी की मजबूत पकड़ और चुनावी तैयारी को स्पष्ट रूप से दर्शा रहा था। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने संबोधन में कहा कि लगभग 7-8 वर्षों के बाद राज्य सरकार ने नगर निकाय चुनाव कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार शहरी चुनाव नहीं चाहती थी, क्योंकि उन्हें शहरों में अपनी स्थिति का पता है। हम अक्सर देखते हैं कि शहरों में मतदान प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम रहता है। उन्होंने आगे कहा, आज हम सबको मिलकर यह प्रयास करना है कि अधिक से अधिक मतदाता बाहर निकलें और वोट डालें। भाजपा का भी यही मकसद है कि वोटिंग प्रतिशत बढ़े और 'कम वोटिंग' का मिथक टूटे। इसके लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाएं, लोगों को प्रेरित करें। आप सब प्रबुद्ध और जागरूक नागरिक हैं, जो सामाजिक-राजनीतिक जीवन में सक्रिय रहते हैं। सुनिश्चित करें कि कहीं कोई अनियमितता न हो, गड़बड़ी न हो और अधिकतम लोग मतदान में भाग लें। ताकि रिजल्ट आने पर हम शोभा यात्रा धूमधाम से निकाल सकें। विधायक नागेंद्र महतो ने भी पार्टी की विकास नीतियों पर जोर देते हुए कहा कि शोभा देवी के नेतृत्व में सरिया क्षेत्र में तेजी से विकास होगा और स्थानीय समस्याओं का समाधान होगा।यह कार्यक्रम सरिया में भाजपा की मजबूत चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जहां पार्टी विकास, सुशासन और महिला सशक्तिकरण के एजेंडे के साथ आगे बढ़ रही है।

संक्षिप्त खबरें

आयुष विभाग द्वारा ऑस्टियो ऑर्थराइट्स कैम्प शुरू

पटमदा : पूर्वी सिंहभूम जिले के उपायुक्त के निदेर्शानुसार पर मुसाबनी प्रखण्ड के मेडिया ग्राम में 146 डुमरिया प्रखण्ड के जाम्बनी में 195 पटमदा प्रखण्ड के गोपालपुर में 151 बोड़ाम प्रखण्ड के कुइयानी में 141आयुष विभाग द्वारा ओस्टियो ऑर्थराइट्स के बारे में लोगो को जानकारी दी गई। साथ ही दवा का भी नि:शुल्क वितरण किया गया। एवं ब्लडप्रेशर, शुगर का भी जाँच किया गया। इस कैम्प जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ0 मुकुल कुमार दीक्षित के नेतृत्व में की गई। जिसमे कुइयानी मुखिया गुरुवारी हांसदा, छुटू लाल हांसदा,ग्राम प्रधान प्रदीप सिंहदेव, विनय मंडल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के डॉ0 बबिता कुमारी, डॉ0 संदीप कुमार रंजन, डॉ0 अनामिका कुमारी, डॉ0 रौनक अफरोज खानम डॉ0 रेखा दास, डॉ0 प्रदीप महतो, डॉ0 राकेश कुमार पाल जिले के मथुरा सेठ, सुरेन्द्र प्रसाद, योग प्रशिक्षक सुचिता खलखो, सीमा कुमारी, सुनाराम महाली एव सहिया गुरुवारी सरदार, शांखी मार्डी सहित ग्रामीणों का अहम योगदान रहा।

होटल में शार्ट सर्किट से लगी आग, सिलेंडर विस्फोट से मची अफरा तफरी

पलामू : पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के कसियाडीह में सोमवार को लंबे समय से बंद पड़े एक लाइन होटल में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग के दौरान सिलेंडर विस्फोट से आसपास अफरा-तफरी मच गई। सिलेंडर फटने के कारण किसी ने तुरंत आग बुझाने की हिम्मत नहीं जुटाई। इससे होटल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। घटना में एक व्यक्ति झुलसकर घायल हुआ है। होटल मालिक संजय प्रसाद घटना की जानकारी मिलने के बाद बार-बार बेहोश हो रहे थे। उन्हें इलाज के लिए रांची रेफर किया गया। करीब डेढ़ घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग को काबू में किया गया। इस हादसे से मकान और दुकान मालिक को लाखों का नुकसान हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि लंबे समय से बंद पड़े होटल से धुएं का गुब्बार उठता दिखाई दिया। जब लोग आग बुझाने पहुंचे, तभी अचानक सिलेंडर फटने लगा। इस कारण अफरा-तफरी मच गई और कोई पास जाने की हिम्मत नहीं कर सका। घटना की सूचना मिलने पर सतबरवा थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा, एसआई प्रदीप कुमार, एएसआई सुबोध कुमार और जवान घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की मदद से मकान के पीछे लगे झोरान को उखाड़कर आग के फैलाव को रोका। चापाकल से पानी डालकर आग पर नियंत्रण पाया गया। पास खड़ी एक 307 पिकअप वैन को सुरक्षित स्थान पर हटा दिया गया। एनएच-39 पर ट्रैफिक सुचारू रखने के लिए पुलिस ने तैनाती की। रबदा के मुखिया, बकोरिया के मुखिया संतोष उरांव, सामाजिक कार्यकर्ता अतुल कुमार, मोहम्मद अकबर, सांसद प्रतिनिधि अनिल सिंह और अन्य लोग पानी डालकर आग बुझाने में मदद करते देखे गए। थाना प्रभारी ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

करंगागुड़ी शिवधाम में महाशिवरात्रि पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

केरसई : करंगागुड़ी शिवधाम में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मजदूर नेता राजेश सिंह, विशिष्ट अतिथि अंचल अधिकारी देवकांत सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्ञान मनी एक्का,थाना प्रभारी शशि शंकर सिंह तथा पूर्व सांसद प्रतिनिधि रवि गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।कार्यक्रम में झारखंड के प्रसिद्ध कलाकार बिदेश्वरी देवी, कुमार नवीन, निशा सहित कई अन्य कलाकारों ने अपने गीत-संगीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कलाकारों की प्रस्तुति पर दर्शक देर रात तक झूमते रहे और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। शिवभक्तों ने भगवान शिव की आराधना करते हुए कार्यक्रम का आनंद लिया। इस अवसर पर मजदूर नेता राजेश सिंह ने कहा कि भगवान शिव का यह पावन पर्व हम सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि तेज गति से वाहन नहीं चलाएं, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा शराब का सेवन करने से दूर रहें। उन्होंने कहा कि समाज के विकास और सुरक्षित भविष्य के लिए युवाओं का जागरूक होना आवश्यक है।कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के संरक्षक संजय सिंधिया, मुख्य संरक्षक वीरेंद्र सिंधिया, समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश साय, सचिव देवनारायण साय सहित समिति के अन्य सदस्यों एवं स्थानीय लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी के सहयोग से कार्यक्रम शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से संपन्न हुआ मंच संचालन भुवनेश्वर प्रधान ने की।

झारखण्ड सरकार
कारा एवं सुधारात्मक सेवाएँ
निरीक्षणालय उप कारा, खूँटी

ई०—निविदा सूचना

HJ & DM/SJ-KHUNTI/Y2026-27/547

1. कारा का नाम— **उप कारा, खूँटी।**
2. विषय— **कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार के खाद्यान्नों, खस्सी मांस, चिकेन, अण्डा, सरसों तेल, मसालें एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई०—निविदा का आमंत्रण।**

(वार्षिक निविदा दिनांक—01.04.2026 से 31.03.2027 तक)

3. निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non refundable) Online स्वीकार की जायेगी, जो निम्न प्रकार है— **5,000.00 (पाँच हजार रूपये) मात्र।**
4. वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय— **27.02.2026 से 09.03.2026 के अपराह्न 04:00 बजे तक।**
5. निविदा Online upload करने की तिथि— **27.02.2026 से 09.03.2026 के अपराह्न 04:00 बजे तक।**
6. आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि— **दिनांक—10.03.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।**
7. अग्रधन राशि (EMD) (₹2500/— से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि। **दिनांक—10.03.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।**
8. निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान— **तिथि—11.03.2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अनुमंडल पदाधिकारी, खूँटी के कार्यालय कक्ष में अनुमंडल पदाधिकारी, खूँटी की उपस्थिति में।**

नोट:—

1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhand tenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, उप कारा, खूँटी के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
उप कारा, खूँटी

PR.NO.373034 Prison(25-26):D

सृजन, सुविधा और नई संस्कृति

कहा जाता है कि हर नई तकनीक अपने साथ सुविधा लेकर आती है, पर कुछ तकनीक धीरे-धीरे हमारी सोच और आदतों को भी बदल देती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज ऐसे ही मोड़ पर खड़ी है। उसने लिखने की गति बढ़ाई है, उसे आसान और सुलभ बनाया है, पर उसी अनुपात में उसने सृजन के अर्थ को धुंधला भी किया है। अब प्रश्न यह नहीं रह गया कि "लिखा कितना अच्छा है", बल्कि यह बन गया है कि "लिखा किसने है और किस तरह लिखा है।" जब किसी लेख, कविता या विचार को पढ़ते हुए यह बोध होता है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचा गया है, तो पाठक के भीतर कुछ टूट-सा जाता है। शब्द सधे हुए होते हैं, भाव भी उपयुक्त लगते हैं, पर कहीं एक रिक्तता रह जाती है। जैसे सुंदर शरीर हो, पर उसमें प्राण न हों। रचना का वह जादू, जो लेखक और पाठक के बीच एक अदृश्य संबंध बनाता है, अचानक समाप्त हो जाता है। यह केवल सौंदर्य का नहीं, विश्वास का भी प्रश्न है। समस्या यह नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लिख सकती है। समस्या यह है कि वह लिखते समय मनुष्य होने का भ्रम रचती है। वह अनुभव की नकल करती है, पीड़ा की भाषा बोलती है, प्रेम और करुणा के मुहावरे दोहराती है-बिना कभी असफलता, भय या दुविधा से गुजरे। जब ऐसी सामग्री किसी मनुष्य के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो वह तकनीकी सहायता नहीं रह जाती; वह बौद्धिक नकल का रूप ले लेती है। यह नकल कोई नई बात नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से इस मानसिकता को पोषित करती रही है कि अंक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, प्रक्रिया नहीं। परीक्षा में नकल करके उत्तीर्ण होना, दूसरों की उत्तर पुस्तिकाओं से विचार उठाना, और फिर उसी सफलता का गर्वपूर्वक प्रदर्शन–यह सब समाज में किसी न किसी रूप में स्वीकार्य रहा है। आज वही प्रवृत्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नई शक्ल में सामने आई है। अंतर केवल इतना है कि अब नकल अधिक चमकदार, अधिक विश्वसनीय और अधिक सुरक्षित दिखाई देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न सामग्री की एक पहचान बन चुकी है–भाषा की दृष्टि से निर्दोष, संरचना में संतुलित, और भावनात्मक रूप से "उचित"। पर यही परिपूर्णता उसे संदिग्ध भी बनाती है। क्योंकि वास्तविक सृजन प्रायः परिपूर्ण नहीं होता। उसमें झिझक होती है, दोहराव होता है, कभी-कभी असंगति भी होती है। सच्चा लेखक अपने ही विचारों से जूझता है, अपनी ही सीमाओं से संघर्ष करता है। उस संघर्ष की छाया शब्दों में दिखाई देती है, और वही रचना को जीवंत बनाती है। आज सामाजिक माध्यमों और अंकीय मंचों पर सामग्री की बाढ़ है। हर विषय पर, हर दृष्टिकोण से, तुरंत लेख उपलब्ध हैं। इस भीड़ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक तीव्र यंत्र की तरह काम करती है, जो पहले से मौजूद हजारों विचारों को जोड़कर एक नया पैकेज बना देती है। यह पैकेज उपयोगी हो सकता है, जानकारी पूर्ण हो सकता है, पर क्या वह दृष्टि दे सकता है? क्या वह जोखिम उठा सकता है? क्या वह यह स्वीकार कर सकता है कि "मैं गलत भी हो सकता हूं"? यहीं मनुष्य और यंत्र के बीच मूल अंतर स्पष्ट होता है। मनुष्य अपनी बात कहते समय डरता है–आलोचना से, अस्वीकार से, असफलता से। और यही डर उसकी आवाज को विशिष्ट बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को न आलोचना का भय है, न अस्वीकार का। इसलिए वह सुरक्षित भाषा में लिखती है–सबको स्वीकार्य, किसी को असुविधाजनक न लगे ऐसी। परिणामस्वरूप, हम ऐसी रचनाएं पढ़ रहे हैं जो सब कुछ कहती हैं, पर वास्तव में कुछ भी नहीं कहतीं। एक और गंभीर प्रश्न श्रेय का है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक औजार की तरह उपयोग किया जाए–शोध, संपादन या भाषा-सुधार के लिए–और यह स्पष्ट कर दिया जाए कि इसमें यंत्र की सहायता ली गई है, तो यह ईमानदारी है। पर जब पूरी रचना यंत्र द्वारा तैयार की जाए और लेखक का नाम किसी मनुष्य का हो, तो यह धोखा है। यह पाठक के साथ भी अन्याय है और सृजन की परंपरा के साथ भी। अकर यह तर्क दिया जाता है कि "अंतिम परिणाम ही महत्त्वपूर्ण है, तरीका नहीं।" पर यही तर्क नकल को भी वैध ठहराता है। यदि तरीका अप्रासंगिक होता, तो शिक्षा, प्रशिक्षण और अभ्यास का कोई अर्थ न रह जाता।

सूडोकु नवताल- 7708

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7707 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बंगाल का भविष्य : धर्म की लहर या प्रगति की राह?

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है। बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रूवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रूवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो।

ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने 'जय श्रीराम' के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने 'जय मां दुर्गा' और 'चंडी पाठ' के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं- 'बंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी है' -यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रूवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं- जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है।

यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित ध्रूवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल 'कौन किसका प्रतिनिधि है' तक सीमित रह गया, तो 'कौन क्या करेगा' का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा।

बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है-रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने-बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास-प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम ध्रूवीकरण है; ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय-संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी। प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन जीतेगा; प्रश्न यह है कि जीत का एजेंडा क्या होगा?

क्या धर्म के आधार पर लड़ा गया चुनाव सार्थक मूल्य स्थापित कर पाएगा? या यह राज्य को और अधिक वैचारिक खाइयों में धकेल देगा? बंगाल की धरती ने अनेक बार भारत को नई वैचारिक दिशा दी है। आज फिर अवसर है-या तो वह धर्म बनाम धर्म की बहस में उलझे, या धर्म को नैतिकता और विकास की प्रेरणा बनाकर नई राजनीति की राह खोले। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, असली कसौटी यही होगी कि क्या बंगाल अपनी आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक उदारता और सामाजिक समरसता को पुनः प्राप्त कर पाता है। यदि नहीं, तो धर्म की ध्वजा चाहे जितनी ऊंची फहराई जाए, विकास का शून्य अंततः सबको दिखाई देगा।

तीन घंटे में हटाने होंगे आपत्तिजनक कंटेंट

संजय सक्सेना

डिजिटल दुनिया में जो कुछ सालों से चल रहा था, उस पर आखिरकार सरकार ने सख्त ब्रेक लगा दिया है। मोबाइल फोन, सस्ते इंटरनेट और नई तकनीक ने हर हाथ में कैमरा और हर दिमाग को कंटेंट बनाने की ताकत दे दी। इसी ताकत के गलत इस्तेमाल ने फर्जी वीडियो, बदली हुई आवाज और नकली तस्वीरों की बाढ़ ला दी। किसी नेता का बयान हो, किसी अभिनेता का वीडियो या किसी आम आदमी की आवाज सब कुछ कुछ मिनटों में इस तरह बदला जाने लगा कि सच और झूठ का फर्क मिटता चला गया। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने अब सोशल मीडिया के लिए ऐसा नियम बनाया है, जो सीधे असर डालने वाला है।नए नियमों के मुताबिक अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को आपत्तिजनक या गैरकानूनी कंटेंट हटाने के लिए 36 घंटे नहीं, बल्कि सिर्फ तीन घंटे मिलेंगे। मतलब यह कि अगर कोई फर्जी या भ्रामक वीडियो वायरल होता है, तो उसे घंटों या दिनों तक चलने नहीं दिया जाएगा। तीन घंटे के भीतर उसे हटाना प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी होगी। यह नियम 20 फरवरी 2026 से लागू होगा और फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे बड़े प्लेटफॉर्म भी इससे बाहर नहीं होंगे।

भारत में सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वालों की संख्या 90 करोड़ के आसपास पहुंच चुकी है। हर दिन करोड़ों फोटो, वीडियो और रील्स अपलोड होते हैं। ऐसे में एक गलत वीडियो कितनी तेजी से फैल सकता है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कई बार कुछ ही मिनटों में लाखों लोग उसे देख लेते हैं। पिछले एक-दो साल में ऐसे कई मामले सामने आए, जहां बदली हुई आवाज से लोगों से पैसे ठग लिए गए, नकली वीडियो से अफवाहें फैलीं और तस्वीरों को गलत संदर्भ में दिखाकर माहौल खराब किया गया। सरकारी आंकड़ों में भी माना गया है कि डिजिटल ठगी और भ्रम फैलाने वाले मामलों में बड़ी संख्या में बदले हुए वीडियो और ऑडियो का इस्तेमाल हुआ। सरकार का दूसरा बड़ा फैसला यह है कि अब हर बदले हुए या मशीन से बने कंटेंट पर साफ-साफ लेबल दिखाना जरूरी होगा। यानी अगर कोई फोटो, वीडियो या आवाज असली नहीं है, बल्कि तकनीक से बनाई या बदली गई है, तो उसे देखकर ही यह बात समझ में आ जानी चाहिए। अब तक सबसे बड़ी दिक्कत यही थी कि आम आदमी यह पहचान ही नहीं पाता था कि जो वह देख रहा है, वह सच है या बनाया गया भ्रम। नए नियम इस भ्रम को कम करने की कोशिश हैं।

इस बदलाव का सीधा असर कंटेंट बनाने वालों पर पड़ेगा। अब तक कई लोग जानबूझकर ऐसे वीडियो बनाते थे, जो असली लगें और ज्यादा से ज्यादा शेयर हों। चेहरे बदलना, आवाज कॉपी करना या किसी पुराने वीडियो को नए संदर्भ में पेश करना आम बात हो गई थी। अब यह सब बिना पहचान के नहीं चलेगा। अगर किसी ने जानबूझकर बदले हुए कंटेंट को असली बताकर पोस्ट किया और उस पर लेबल नहीं लगाया, तो उसका अकाउंट सस्पेंड या बैन भी हो सकता है। बार-बार नियम तोड़ने पर कानूनी परेशानी का रास्ता भी खुल सकता है।सोशल मीडिया कंपनियों के लिए यह नियम सबसे बड़ी चुनौती लेकर आया है। तीन घंटे में किसी पोस्ट पर फैसला लेना आसान काम नहीं है। खासकर तब, जब हर मिनट हजारों वीडियो अपलोड हो रहे हों। कंपनियों को अब ज्यादा मॉडरेशन टीम, बेहतर तकनीक और भारत के हालात के हिसाब से अलग सिस्टम बनाना पड़ेगा। सिर्फ यूजर की बात पर भरोसा नहीं चलेगा। प्लेटफॉर्म्स को खुद भी जांच करनी होगी कि कंटेंट बदला हुआ है या नहीं। यह काम तकनीकी तौर पर मुश्किल है, क्योंकि आज के नकली वीडियो इतने असली लगते हैं कि मशीनें भी कई बार धोखा खा जाती हैं।

आम यूजर के लिए यह बदलाव राहत की तरह है। अब जब वह सोशल मीडिया खोलेगा, तो उसे हर वीडियो पर आंख बंद करके भरोसा नहीं करना पड़ेगा। अगर किसी पोस्ट पर साफ लिखा होगा कि यह बदला हुआ है, तो वह उसे उसी नजर से देखेगा। इससे अफवाहों और झूठी खबरों को आगे बढ़ाने की आदत पर कुछ हद तक रोक लग सकती है। हालांकि एक खतरा यह भी है कि अगर बहुत ज्यादा पोस्ट पर ऐसे टैग दिखने लगे, तो लोग उन्हें नजरअंदाज करने लगें। ऐसे में लेबल को समझदारी से और साफ तरीके से दिखाना भी उतना ही जरूरी होगा। इस फैसले का असर सोशल मीडिया के कारोबार पर भी पड़ेगा। आज रील्स और शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी ताकत हैं। इनमें बड़ी संख्या में बदला हुआ या मशीन से बना कंटेंट चलता है। अब जब उस पर सख्त निगरानी और लेबलिंग होगी, तो एंगेजमेंट के तरीके बदल सकते हैं। कुछ लोग ऐसे कंटेंट से दूरी बना सकते हैं। दूसरी तरफ विज्ञापन देने वाली कंपनियों के लिए यह राहत की खबर है, क्योंकि उन्हें अब ज्यादा सुरक्षित माहौल मिलेगा और उनके ब्रांड का नाम किसी फर्जी या विवादित कंटेंट से जुड़ने का खतरा कम होगा।

सरकार ने साफ किया है कि नियम न मानने पर प्लेटफॉर्म्स को जिम्मेदारी से बचने का मौका नहीं मिलेगा। यानी अगर किसी मामले में लापरवाही हुई, तो कानूनी जवाबदेही तय की जा सकती है। यही वजह है कि आने वाले समय में सोशल मीडिया कंपनियों को भारत में ज्यादा निवेश करना पड़ेगा। ज्यादा लोग, ज्यादा जांच और ज्यादा जवाबदेही तीनों अब जरूरी होंगे। हालांकि रास्ता आसान नहीं है। बदले हुए वीडियो को डाउनलोड करके फिर से अपलोड किया जा सकता है। एक प्लेटफॉर्म से हटाया गया कंटेंट दूसरे पर पहुंच सकता है। तकनीक भी अभी पूरी तरह भरोसेमंद नहीं है। कई बार असली को नकली और नकली को असली मान लेने की गलती हो जाती है। लेकिन इसके बावजूद सरकार का मानना है कि बिना सख्त कदम के हालात और बिगड़ते।कुल मिलाकर यह फैसला सोशल मीडिया के लिए एक मोड़ जैसा है। अब यहां सब कुछ चलेगा वाली सोच खत्म होने वाली है। कंटेंट बनाना सिर्फ वायरल होने का खेल नहीं रहेगा, उसमें जिम्मेदारी भी जुड़ेगी। गलत जानकारी फैलाने की कीमत चुकानी पड़ेगी। शुरूआत में दिक्कतें आएंगी, विवाद होंगे और सिस्टम पर दबाव बढ़ेगा, लेकिन लंबे वक्त में इससे डिजिटल दुनिया में भरोसा लौटने की उम्मीद है। सच और झूठ के बीच जो धुंध छा गई थी, उसे हटाने की यह एक गंभीर कोशिश है।

मणिशंकर अय्यर के बयानों से अब कांग्रेस में हंगामा

अजय कुमार

केरल चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। शशि थरूर का मामला अभी सुलझा भी नहीं पाया था कि पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने नया विवाद खड़ा कर दिया। अय्यर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बारे में ऐसा बयान दिया कि पूरी पार्टी सकते में आ गई। उन्होंने कहा कि पिनराई विजयन मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इस बयान ने पार्टी में हड़कंप मचा दिया। कांग्रेस ने तुरंत सफाई दी कि अय्यर अब पार्टी के सदस्य नहीं हैं। लेकिन मामला यहीं शांत होने वाला नहीं था। अय्यर ने फिर से एक साक्षात्कार में पार्टी के कई बड़े नेताओं पर हमला बोला। उन्होंने पवन खेड़ा को कठपुतली कहा और शशि थरूर तथा जयराम रमेश पर भी तीखे प्रहार किए। अय्यर का कहना था कि केरल में आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस जीत नहीं पाएगी। कारण बताया कि कांग्रेसी नेता कम्युनिस्टों से जितनी नफरत करते हैं, उससे कहीं ज्यादा आपस में नफरत करते हैं। इन बयानों ने पार्टी की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वैसे अय्यर की नाराजगी पुरानी नहीं है। वे लंबे समय से पार्टी नेतृत्व की आलोचना करते आ रहे हैं। लेकिन इस बार उनके शब्दों ने चुनावी माहौल को गरमा दिया। केरल में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस को मजबूत विपक्ष के रूप में उभरना था। माकपा सरकार के खिलाफ लामबंदी करनी थी। लेकिन आंतरिक कलह ने सबकी मुश्किलें बढ़ा दीं। अय्यर ने पिनराई विजयन को मुख्यमंत्री बने रहने का भरोसा जताया तो यह पार्टी के लिए अपमानजनक लगा। विजयन लेफ्ट सरकार के चेहरे हैं और कांग्रेस का मुख्य निशाना। ऐसे में किसी पूर्व नेता का यह बयान तोड़फोड़ जैसा ही था। पार्टी ने कहा कि अय्यर का नाम सदस्य सूची से हटा दिया गया है। फिर भी अय्यर चुप नहीं रहे। उन्होंने साक्षात्कार में कहा कि पवन खेड़ा जैसे नेता सिर्फ उच्च नेतृत्व के इशारे पर बोलते हैं। शशि थरूर को महत्वाकांक्षी बताया और जयराम रमेश पर व्यक्तिगत टिप्पणियां कीं। इन हमलों ने पार्टी के केरल नेतृत्व को असहज कर दिया।

यह पहली बार नहीं है जब मणिशंकर अय्यर ने विवादास्पद बयान दिए हों। 2017 में उन्होंने पाकिस्तान के एक कार्यक्रम में जाकर नेहरू को गंगा-मैया का पुत्र कहा था। उस समय भी पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया था। फिर 2019 लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नीच कहा था। यह बयान सुर्खियों में रहा और पार्टी को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। अय्यर ने सफाई दी कि उनका इशारा मोदी की सोच पर था, लेकिन नुकसान हो चुका था। केरल में भी वे कई बार लेफ्ट नेताओं की तारीफ कर चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि पिनराई विजयन अच्छा प्रशासक हैं। ऐसे बयान विपक्षी एकता को कमजोर करते हैं। अब फिर से चुनावी साल में यही गलती दोहराई गई। विश्लेषकों का मानना है कि अय्यर की नाराजगी पार्टी के पुराने नेताओं के साथ उपेक्षा से उपजी है। वे खुद कभी केंद्रीय मंत्री रहे, लेकिन अब हाशिए पर हैं। उनकी बात को युवा नेता नजरअंदाज करते हैं। इससे उनकी भड़ास निकल रही है। कांग्रेस के लिए यह स्थिति चिंताजनक है। केरल में लेफ्ट और भाजपा दोनों मजबूत हैं। 2021 चुनाव में कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन किया था। लेकिन इस बार आंतरिक मतभेद साफ दिख रहे हैं। शशि थरूर जैसे नेता अपनी दावेदारी कर रहे हैं। अय्यर ने उनकी आलोचना कर फूट डाली। पार्टी नेतृत्व ने अय्यर से दूरी बनाई, लेकिन उनका प्रभाव अभी भी है। सोशल मीडिया पर उनके बयान वायरल हो रहे हैं। विपक्षी दल इसका फायदा उठा रहे हैं। भाजपा कह रही है कि कांग्रेस कम्युनिस्टों की कठपुतली है। लेफ्ट का तर्क है कि कांग्रेसी आपस में ही लड़ रहे हैं। अय्यर के बयान ने यह धारणा मजबूत कर दी। पार्टी को अब एकजुट होने की जरूरत है। लेकिन पुराने विवाद फिर ताजा हो गए। अय्यर की नाराजगी बढ़ती जा रही है। वे कहते हैं कि कांग्रेस का वर्तमान स्वरूप बदल गया है। पहले सिद्धांतों पर चलती थी, अब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं हावी हैं।

इस पूरे घटनाक्रम से केरल कांग्रेस की रणनीति पर असर पड़ेगा। चुनाव में जीत के लिए एकजुटता जरूरी है। लेकिन नेताओं के आपसी हमले मतदाताओं को निराश कर रहे हैं। अय्यर जैसे वरिष्ठ नेता अगर बाहर से ही आलोचना करेंगे तो संगठन कमजोर होगा। पार्टी को चाहिए कि पुराने विवाद सुलझाए। नए नेताओं को साथ ले। केरल मतदाता समझदार हैं। वे आंतरिक कलह देखकर वोट नहीं देंगे। अय्यर को शांत करने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन उनका पुराना इतिहास देखें तो मुश्किल लगता है। वे अपनी बात पर अड़े रहते हैं। अब देखना यह है कि पार्टी कैसे इस संकट से उबरती है। चुनाव नजदीक हैं और हर बयान गूंज रहा है। कांग्रेस को मजबूत विपक्ष बनना होगा, वरना लेफ्ट फिर सत्ता में लौट आएगा। अय्यर का सिरदर्द अभी बना रहेगा। केरल चुनाव से पहले कांग्रेस को मणिशंकर अय्यर ने परेशान कर दिया। शशि थरूर का मुद्दा सुलझा नहीं कि अय्यर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को बने रहने का भरोसा जताया। पार्टी ने कहा, वे अब सदस्य नहीं। फिर साक्षात्कार में अय्यर ने पवन खेड़ा को कठपुतली कहा, शशि थरूर और जयराम रमेश पर तीखे वार किए। बोले, कांग्रेसी आपस में कम्युनिस्टों से ज्यादा नफरत करते हैं, इसलिए चुनाव हारेंगे। लेकिन अय्यर का इतिहास विवादों से भरा है, खासकर मोदी और भाजपा के खिलाफ।

बहरहाल,अय्यर ने आज भले ही कांग्रेस के खिलाफ हमला बोला हो,लेकिन उनकी असली पहचान मोदी को गाली देने वाली है।

दैनिक पंचांग

17 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.18 बजे से
चंद्र	मकर में	मीन	07.54 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.25 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.03 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.17 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.33 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	19.45 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	21.55 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृश्चिक	00.10 ब.से
		धनु	02.26 बजे से
		मकर	04.31 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 48 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** अमावस्या 17.31 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 21.16 बजे को समाप्त।
योग परिघ 00.29 बजे रात्र को समाप्त।
करण नाग 17.31 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 05.18 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872623
जूलियन दिन 2461088.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 28
विशेष दर्श अमावस्या।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

जुगाड़ गाड़ी के धक्के से दो व्यक्ति घायल, रेफर

साहिबगंज : उधवा-राजमहल मुख्य मार्ग पर मनसिंघा के पास सोमवार को जुगाड़ गाड़ी (भुटभुटिया) के धक्के से दो व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार राधानगर थाना क्षेत्र के अमानत के फैजुद्दीन शेख (60) व समसुल आलम (58) सड़क किनारे खड़े होकर आपस में बात कर रहे थे। तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार जुगाड़ गाड़ी चालक ने अनियंत्रित होकर दोनों व्यक्ति को धक्का मार दिया। हादसे में दोनों व्यक्ति बीच सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। दोनों घायलों को परिजनों व राहगीरों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। इधर घटना के सूचना मिलते ही थाना से एएसआई दीवान कुमार निराला मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की।

आज चांद दिखने पर 18 फरवरी से माहे रमजान शुरू

साहिबगंज: मुस्लिम समुदाय का पाक, इबादत व परहेजगार का महीना माह ए रमजान 18 फरवरी यानि बुधवार से शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि ये चांद दिखने पर निर्भर है।मौलाना के अनुसार अगर 29 का चांद हुआ तो 17 फरवरी को चांद देखा जाएगा। ऐसे में 18 फरवरी को पहला रोजा रखा जाएगा। अन्यथा 19 मार्च को पहला रोजा रखा जाएगा। उधर, माह ए रमजान को लेकर मौलानाओं ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को खास नसीहत देते हुए कहा कि एहतराम के साथ माह ए रमजान का इस्तेकबाल (स्वागत) करें। माह ए रमजान अफजल महीना है। मुसलमान पूरे यकीन के साथ रोजा रखें।इधर, स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोग माह ए रमजान को लेकर तैयारी में जुटे हैं। यहां के बाजार में माह ए रमजान को लेकर चहल पहल बढ़ गई है। लोग इफ्तार व सेहरी की सामानों की खरीदारी में जुटे हैं। शहर के सभी मस्जिदों में साफ-सफाई व लाइट आदि की मरम्मती का काम चल रहा है। नमाज व तरावीह की विशेष नमाज को लेकर व्यवस्था की गई है। माह ए रमजान को लेकर तरावीह की विशेष नमाज को लेकर शहर के हबीबपुर, कुलीपाड़ा, मजहरटोला, बिचलाटोला, एलसी रोड स्थित जामा मस्जिद, छोटी मस्जिद, एकरा कॉलोनी, सकरोगढ़ आदि मस्जिदों व मदरसा में नमाजियों के लिए तैयारी चल रही है। बहरहाल, माह ए रमजान को लेकर बच्चों व युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

यूजी द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न

साहिबगंज: मॉडल कॉलेज राजमहल में सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजी द्वितीय सेमेस्टर (सत्र 2024-28) परीक्षा 2025 की प्रथम पाली कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। परीक्षा को लेकर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्व से ही पूरी कर ली गई थीं, जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। प्रथम पाली की इस परीक्षा में कुल 262 परीक्षार्थी नामांकित थे, जिनमें से 233 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 29 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा में 132 परीक्षार्थी नामांकित रहे। परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व ही महाविद्यालय परिसर में परीक्षार्थियों की सघन जाँच की गई तथा विश्वविद्यालय के निदेशानुसार सभी कक्षाओं में समुचित बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, प्रकाश, पंखा एवं सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी।

20 फरवरी तक शत-प्रतिशत मतदाता पर्ची का वितरण सुनिश्चित करें : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में जोनल दंडाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी, बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 20 फरवरी तक मतदाता पर्ची का शत-प्रतिशत वितरण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता पर्ची मतदान प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण साधन है, इसलिए इसे प्रत्येक मतदाता तक समय पर पहुँचाना बीएलओ की पहली और प्रमुख जिम्मेदारी है।

सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर मतदाता पर्ची का वितरण करें तथा इसकी सतत निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि 23 फरवरी को होने वाले मतदान के लिए सभी तैयारियाँ की जा रही हैं। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान दल निर्धारित समय पर सभी बूथों पर पहुँचेंगे तथा संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील बूथों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। माइक्रो ऑब्जर्वर एवं रिसीविंग पदाधिकारी भी लगातार भ्रमण करते रहेंगे।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बीएलओ, उनके परिवारजन अथवा चुनाव ड्यूटी से जुड़े कोई भी कर्मी किसी भी अभ्यर्थी के जुलूस, प्रचार या चुनाव अभियान में किसी भी परिस्थिति में शामिल नहीं होंगे। सभी कर्मियों को पूर्ण निष्पक्षता बनाए रखनी होगी।उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि बूथ से किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए। सभी मतदान केन्द्रों पर चौकीदार, एनसीसी एवं नेहरू युवा केंद्र के वालंटियरों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। साथ ही प्रशासक, नगर परिषद को सभी बूथों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में मतदान केन्द्रों पर न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं की स्थिति, मतदाता पर्ची वितरण की प्रगति तथा मतदान दिवस की तैयारियों-जैसे मतदान कर्मियों का आवासन एवं भोजन, वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए परिवहन व्यवस्था आदि की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

एनएचएआई की लापरवाही से खुदी सड़क पर पलटा सीएनजी ऑटो, कई यात्री घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहरवा-उधवा एनएचएआई सड़क पर केलाबाड़ी के समीप रविवार देर शाम एनएचएआई विभाग की लापरवाही से बड़ा सड़क हादसा हो गया। बिना किसी पूर्व सूचना, संकेत बोर्ड या सुरक्षा घेराबंदी के सड़क की खुदाई किए जाने के कारण एक सीएनजी ऑटो अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कई यात्री घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार केलाबाड़ी के समीप सड़क के एक हिस्से को अचानक तोड़ दिया गया था। न तो वहां चेतावनी बोर्ड लगाया गया था और न ही बैरिकेडिंग या रिफ्लेक्टर की व्यवस्था की गई थी। देर शाम कम रोशनी के कारण वाहन चालकों को खुदाई किया गया गड्ढा दिखाई नहीं दिया, जिससे हादसा हो गया।जानकारी के मुताबिक सीएनजी ऑटो नंबर

जेएच 18 आर 8188 पर सवार यात्री बरहरवा से उधवा की ओर जा रहे थे। जैसे ही वाहन केलाबाड़ी के समीप पहुंचा, अचानक खुदे हुए गड्ढे पर चढ़ते ही ऑटो अनियंत्रित हो गया और पलट गया। हादसे में कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के समय मौके पर मौजूद राहगीरों ने बताया कि सड़क पर कहीं भी यह नहीं लिखा था कि आगे खुदाई कार्य चल रहा है। अचानक गड्ढा आ गया और ऑटो पलट गया। अगर संकेत बोर्ड लगा होता तो यह दुर्घटना टल सकती थी। एक अन्य स्थानीय दुकानदार ने कहा कि खुदाई के बाद विभाग की ओर से कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किया गया। तेज रफ्तार में आने वाले वाहन चालकों को गड्ढा दिख ही नहीं रहा है। अब तक दर्जनों लोग छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। हादसे का वीडियो क्लिप भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दुर्घटनाग्रस्त ऑटो और घायल यात्रियों को देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

स्पॉन्सर एवं फोस्टर केयर अनुमोदन समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में स्पॉन्सर एवं फोस्टर केयर अनुमोदन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के क्रम में मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण सेवाएं अंतर्गत गैर-संस्थागत देखभाल योजना के तहत प्रायोजन योजना से जुड़े देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता की श्रेणी वाले बच्चों को दी जा रही आर्थिक सहायता के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र बच्चों तक समयबद्ध तरीके से पहुँचाने पर बल दिया गया। बैठक में कुल 87 आवेदनों पर विचार करते हुए मार्गदर्शिका के अनुरूप पात्र बच्चों को योजना का लाभ देने की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही 11 बच्चों के लिए अवधि विस्तार की स्वीकृति दी गई तथा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा एवं बेहतर भविष्य प्रदान करना है। अतः सभी संबंधित पदाधिकारी संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि कोई भी पात्र बच्चा योजना के लाभ से वंचित न रहे। बैठक के दौरान सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सदस्य, बाल कल्याण समिति, पाकुड़, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, पाकुड़ एवं संरक्षण पदाधिकारी, गैर संस्थागत देखभाल , जिला बाल संरक्षण इकाई पाकुड़ उपस्थित थे।

मुंबई में साहिबगंज के युवक की पीट-पीटकर हत्या, गांव में मातम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र के चांदशहर गांव के एक मजदूर की मुंबई में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बिपुल कर्मकार (30) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। जानकारी के अनुसार बिपुल कर्मकार करीब पांच महीने पूर्व रोजगार की तलाश में मुंबई गया था। वह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के समीप मस्जिद बंदर इलाके में रहकर मुंबई के विभिन्न स्थानों पर शूटिंग सेट पर मजदूरी का काम करता था। उसके साथ गांव के कुछ अन्य साथी भी काम कर रहे थे। बताया जाता है कि सोमवार को वह मस्जिद बंदर के पास एक शराब दुकान के समीप खड़ा था। इसी दौरान किसी युवक के साथ उसकी कहासुनी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मामूली नोकझोंक देखते ही देखते विवाद में बदल गई। आरोप है कि दूसरे युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर बिपुल कर्मकार की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का रहने वाला है। घटना के बाद बिपुल के साथियों ने उसे गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जैसे ही घटना की खबर परिवारों को दी गई परिवार में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे पत्नी, बच्चों और भरा-पूरा परिवार छोड़ गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उनके परिजनों को सौंप दिया।खबर लिखे जाने तक मृतक के शव को हवाई मार्ग से कोलकाता लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कोलकाता एयरपोर्ट से एंबुलेंस के जरिए शव को उसके पैतृक गांव चांदशहर लाया जाएगा।

बड़हरवा रेलवे स्टेशन पर विशेष टिकट जांच अभियान, 134 बिना टिकट यात्री पकड़े गए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पूर्व रेलवे के मालदा मंडल अंतर्गत बड़हरवा रेलवे स्टेशन पर सोमवार को विशेष टिकट जांच अभियान सह कैंप कोर्ट का आयोजन किया गया। यह अभियान रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी राहुल कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। अभियान में बड़हरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार, सीआईबी मालदा के अधिकारी, अन्य रेलवे स्टाफ एवं मुख्य टिकट निरीक्षक हेमंत कुमार शामिल रहे। विशेष टीम द्वारा रेलवे टिकट, महिला बोगी, दिव्यांग बोगी में यात्रा कर रहे यात्रियों की जांच की गई। साथ ही ट्रैक पास, अवैध वेंडर, स्टेशन परिसर में पेशाब कर गंदगी फैलाने, स्मोकिंग करने तथा बिना बुक किए सामान ले जाने वालों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। जांच के दौरान कुल 134 यात्री बिना टिकट यात्रा करते हुए

पकड़े गए। इनसे रेलवे एक्ट के तहत लगभग 76,295 रुपये जुर्माना वसूला गया। वहीं स्टेशन परिसर में आयोजित कैंप कोर्ट में आरपीएफ बड़हरवा द्वारा विभिन्न मामलों में 123 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिनसे 30,600 रुपये का जुमार्ना वसूल किया गया। न्यायिक दंडाधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाना, ट्रैक पार करने की घटनाओं में कमी लाकर रेल दुर्घटनाओं को रोकना, अवैध वेंडरों पर नियंत्रण रखना तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखते हुए यात्रियों को रेलवे नियमों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह के अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

नगर पंचायत चुनाव 2026 : शांतिपूर्ण व निष्पक्ष मतदान को लेकर एसपी की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आगामी नगर पंचायत चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। राजमहल स्थित एसडीपीओ कार्यालय में एसपी अमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें चुनावी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान चुनाव के समय व्यापक सुरक्षा प्रबंधन, पुलिस बलों

की रणनीतिक तैनाती, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान, गश्ती दलों की सक्रियता तथा विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने की विस्तृत योजना पर चर्चा हुई। एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, अवैध गतिविधि अथवा असामाजिक तत्वों की हरकतों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों को नियमित रूप से सघन वाहन जांच अभियान चलाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया गया, ताकि मतदान के दिन मतदाताओं को पूर्ण सुरक्षा और विश्वास का माहौल मिल सके।बैठक में डीएसपी विजय कुशवाहा, एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी, विभिन्न थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। प्रशासन की ओर से आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें, निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। यदि कहीं कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तत्काल प्रशासन को सूचित नगर पंचायत चुनाव को लेकर प्रशासनिक एवं पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड में है।

संक्षिप्त खबरें

बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर में कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा शुरू

साहिबगंज: महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर मुरली पहाड़ स्थित बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन की शुरूआत सोमवार को कलश यात्रा के साथ सैकड़ों की संख्या में महिलाएं एवं बच्चियों ने माथे पर कलश लेकर, जय श्री कृष्ण का नारा लगाते हुए कलश यात्रा में शामिल हुई। जिसका शुभारंभ कमिटी के सचिव चंदन सिंह के द्वारा फीता काटकर किया गया। कलश शोभा यात्रा मंदिर प्रांगण से निकलकर कुर्मी टोला, लोगाई, लालबन होते हुए पड़रिया गांव के पास पोखर से जल भरकर कलश शोभा यात्रा प्रमुख पड़रिया होते हुए मंदिर प्रांगण पहुंची। कलश यात्रा में 501 कन्याएं शामिल थी। वहीं कलश यात्रा में जय श्री कृष्ण की जय घोष से पूरा क्षेत्र भक्ति मय हो गया। वहीं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 16 फरवरी 2025 से 22 फरवरी 2025 तक चलेगी। इस कथा में कथा वाचक संत भागवत शरण जी महाराज वृंदावन धाम से आए हुए हैं। वहीं कथा प्रारंभ का समय शाम 7:00 बजे से लेकर रात 11:00 बजे तक होगी। मंदिर कमेटी की ओर से मंदिर प्रांगण में भव्य मेले का भी आयोजन किया गया है, मेले में विभिन्न तरह के खिलौने की दुकान, मिठाइयों की दुकान एवं लकड़ी से बनी हुई फर्नीचर की दुकान लगी हुई है। साथ ही साथ बच्चों के लिए जंपिंग झूला एवं मनोरंजन की बहुत सारी सामान लगा हुआ है जिससे बच्चे मनोरंजन कर सकते हैं। वहीं कलश यात्रा में अध्यक्ष श्रीकांत मंडल, सचिव चंदन सिंह, कोषाध्यक्ष निरोद महतो, उपाध्यक्ष सहदेव कर्मकार, शंकर ठाकुर, मेला प्रभारी जगदीश शाह, पंकज ठाकुर, मंच संयोजक आनंद कुमार, एवं अन्य सैकड़ो ग्रामीण हुए शामिल।

रामगढ़ महाविद्यालय में आईडी कार्ड के नाम पर दोहरी वसूली का आरोप

रामगढ़ : जिले के एकमात्र मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान रामगढ़ महाविद्यालय में विद्यार्थियों से आईडी कार्ड के नाम पर कथित अवैध वसूली किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में छात्र नेता नितेश कुमार मोदी और आदित्य सिंह ने संज्ञान लेते हुए महाविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्र नेताओं का कहना है कि नामांकन के समय ही विद्यार्थियों से पहचान पत्र (आईडी कार्ड) का शुल्क लिया जाता है। इसके बावजूद महाविद्यालय के कई विभागों द्वारा अलग से आईडी कार्ड के नाम पर राशि वसूली जा रही है, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी इस प्रकार की शिकायतें सामने आई थीं, जिस पर पिछले वर्ष नितेश कुमार मोदी के नेतृत्व में छात्रों ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया था। उस आंदोलन के बाद सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए, लेकिन अन्य मूलभूत समस्याएं अब भी जस की तस बनी हुई हैं। छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि महाविद्यालय में शुद्ध पेयजल, साफ-सफाई और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसके अतिरिक्त किसी भी शैक्षणिक या सांस्कृतिक आयोजन के लिए छात्रों को अनावश्यक रूप से रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि पहली बार परिसर में सरस्वती पूजा का आयोजन नहीं हो सका, जो विद्यार्थियों के लिए निराशाजनक है। आदित्य सिंह ने कहा कि परीक्षा अवधि को छोड़ दें तो परिसर में अधिकांश समय सन्नाटा रहता है, जो जिले और राज्य के शैक्षणिक वातावरण पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि छात्रवृत्ति की राशि समय पर नहीं मिलने के बावजूद विद्यार्थियों से दबाव बनाकर धन वसूली की जा रही है। कुछ शिक्षकों के देर से आने और समय से पहले परिसर छोड़ देने की भी शिकायत की गई। छात्र नेताओं ने महाविद्यालय की प्राचार्या से पूरे मामले की जांच कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र उचित कदम नहीं उठाए गए तो छात्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान तान्या मिर्धा, चित्रा मिर्धा, प्रताप सिंह, नितेश मोदी, आदित्य सिंह, आकाश कुमार और आदित्य कश्यप सहित कई छात्र उपस्थित थे।

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव, 56 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीयन

रामगढ़ : युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राधा गोविंद विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा सोमवार, 16 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस भर्ती अभियान में माउंट एवरेस्ट पब्लिक स्कूल, चितरपुर के लिए विभिन्न शिक्षक पदों पर चयन प्रक्रिया संपन्न हुई। प्लेसमेंट ड्राइव के तहत शिक्षा विभाग, शारीरिक शिक्षा विभाग और कंप्यूटर विभाग के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया। विद्यालय के डायरेक्टर मो. साजिद हुसैन और प्रिंसिपल जितेंद्र कुमार ने उम्मीदवारों का इंटरव्यू लेकर उनकी शैक्षणिक योग्यता, विषय ज्ञान और शिक्षण कौशल का मूल्यांकन किया। कुल 56 विद्यार्थियों ने नियुक्ति के लिए पंजीयन कराया था, जिनमें से योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया। कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि छात्रों को रोजगार से जोड़ना भी है। ऐसे आयोजन छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाते हैं। विश्वविद्यालय की सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय, परीक्षा नियंत्रक प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार तथा प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार ने भी कार्यक्रम की सफलता पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल को बधाई दी। सभी ने भविष्य में भी इस तरह के रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने पर बल दिया, ताकि अधिक से अधिक छात्रों को बेहतर अवसर मिल सकें। मौके पर प्लेसमेंट सेल के डॉ. प्रशांत कुमार, मो. रिजवान नूरी, कुंदन कुमार, साई प्रकाश, डॉ. दिलकेश्वर, मनोज करमाली, डॉ. सौरभ सिंह और निशा रानी सहित कई संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एयरसेल-आरकॉम की वसूली अब खतरे में

- कोर्ट ने स्पष्ट किया, टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने दूरसंचार क्षेत्र और बैंकिंग उद्योग में नई चिंता पैदा कर दी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता, जिसे इनसालवेंसी एंड बैंक्रप्टी कोड (आईबीसी) के तहत पुनर्गठित या बेचा जा सके। इस निर्णय का सीधा असर उन मामलों पर पड़ेगा, जहां दिवालिया प्रक्रिया के तहत बैंकों को अपनी बकाया राशि की वसूली की उम्मीद थी। बैंकरों के अनुसार यह फैसला विशेष रूप से एयरसेल और रिलायंस कम्युनिकेशन (आरकॉम) से जुड़ी दिवालियापन कार्यवाही को प्रभावित करेगा। एयरसेल पर 13,500 करोड़ रुपये से अधिक और आरकॉम पर 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि स्पेक्ट्रम को सबसे मूल्यवान सुरक्षा माना जाता था, लेकिन अब उसके कॉरपोरेट संपत्ति न माने जाने से वसूली की संभावनाएं काफी घट गई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले के बाद बैंकों को दूरसंचार कंपनियों को ऋण देते समय उपलब्ध सुरक्षा के स्वरूप का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। यदि पर्याप्त वैकल्पिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं होती, तो ऐसे ऋण को असुरक्षित जोखिम के रूप में देखा जा सकता है, जिससे भविष्य में इस क्षेत्र को कर्ज मिलना कठिन या महंगा हो सकता है। करीब 35,000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही वोडाफोन आइडिया के लिए भी यह फैसला चुनौतियां बढ़ा सकता है। बैंक अभी प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, लेकिन नए कानूनी परिदृश्य में ऋण शर्तें सख्त हो सकती हैं।

नेयसा ने 1.2 अरब डॉलर जुटाए, एआई क्लाउड विस्तार की तैयारी

अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी

नई दिल्ली।

एआई क्लाउड प्लेटफॉर्म नेयसा ने कुल 1.2 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई है। इसमें 60 करोड़ डॉलर की इक्विटी निवेश ब्लेकस्टोन से जुड़े निजी इक्विटी फंडों और सह-निवेशकों द्वारा किया गया है। अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी। अन्य प्रमुख निवेशक

फंड जुटाने में शामिल होंगे। कंपनी ने फर्म के मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया है। नेयसा भारत में तेजी से बढ़ता हुआ एआई एक्सेलरेशन क्लाउड प्लेटफॉर्म है, जो उद्यमों और सरकारी संस्थाओं को मिशन-क्रिटिकल समाधान देता है। कंपनी को इंडियाएआई मिशन द्वारा अनुमोदित क्लाउड सेवा प्रदाताओं में से एक चुना गया है। नई फंडिंग से कंपनी भारत में 20,000 से अधिक जीपीयू की तैनाती और विस्तार की योजना को साकार करेगी, जिससे देश में एआई क्रांति को मजबूती मिलेगी। नेयसा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की एआई महत्वाकांक्षा के लिए बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन-ग्रेड इन्फ्रास्ट्रक्चर आवश्यक है। नेयसा सॉवरेन कंप्यूट की एग्जीक्यूशन लेयर और एआई रिसर्च इनेबलमेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

नेयसा ने अब तक 5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। 2024 में सीड राउंड में 2 करोड़ डॉलर और अक्टूबर में सीरीज ए में 3 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे।

वित्त वर्ष 27 में बदल सकती है बाजार की तस्वीर

नई दिल्ली ।

सेंट्रम ब्रोकिंग के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ईमेल साक्षात्कार में बताया कि अगले छह महीनों में भारतीय शेयर बाजार के लिए प्रमुख जोखिम तीन हैं। पहला, वैश्विक मुद्रा संकट-अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी या डॉलर में मजबूती उभरते बाजारों के लिए वित्तीय परिस्थितियां कठिन कर सकती है। दूसरा, आय वृद्धि की असमानता-अगर घरेलू मांग और मार्जिन में सुधार उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ, तो बाजार की तेजी सीमित रह सकती है।

तीसरा, भू-राजनीतिक और व्यापार अस्थिरता, जो अल्पकालिक निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर बाजार ऊपर की ओर बढ़ता है, तो इसका नेतृत्व घरेलू चक्र से आने की संभावना है। वित्तीय क्षेत्र सबसे आगे रहेगा, क्योंकि 2025-26 की तीसरी तिमाही में इसमें मार्जिन बढ़ा, ऋण लागत नियंत्रित रही और परिसंपत्ति गुणवत्ता स्थिर रही। चौथी तिमाही में यह और मजबूत दिख रहा है। इसके अलावा पूंजीगत वस्तुएं और औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर ऑटोमोटिव सेक्टर, इनपुट लागत में कमी और मांग में धीरे-धीरे रिकवरी से सहारा पाएंगे। आईटी शेयरों में हो रही बिकवाली और एआई से संबंधित चिंताएं कुछ ज्यादा हैं। भारतीय आईटी कंपनियां एआई आधारित सौदों को बढ़ावा दे रही हैं और ऑटोमेशन से लाभ मार्जिन बढ़ सकता है। मूल्यांकन उनके पांच साल के औसत से कम है, इसलिए चुनिंदा आईटी शेयरों में निवेश समझदारी भरा हो सकता है।

जनवरी में थोक मुद्रास्फीति 1.81 फीसदी पर पहुंची

- दिसंबर 2025 में 0.83 और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी

नई दिल्ली ।

देश में जनवरी 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 1.81 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार तीसरे महीने बढ़ी है। दिसंबर 2025 में यह 0.83 प्रतिशत और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह मूल धातुओं, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों और वस्त्रों की कीमतों में वृद्धि है। जनवरी में खाद्य वस्तुओं की महंगाई 1.55 प्रतिशत रही, जबकि दिसंबर में 0.43 प्रतिशत थी। सब्जियों की कीमतों में तेज उछाल देखा गया, जनवरी में महंगाई 6.78 प्रतिशत रही। विनिर्मित उत्पादों में महंगाई जनवरी में 2.86 प्रतिशत और गैर-खाद्य उत्पादों में 7.58 प्रतिशत तक बढ़ी। ईंधन एवं बिजली में महंगाई दर 4.01 प्रतिशत रही। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में 2.75 प्रतिशत पर रही। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों के निर्धारण के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का आधार बनाता है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में

अभी तक नीतिगत दर रेपो में 1.25 प्रतिशत की कटौती है जो अब 5.5 प्रतिशत है।

टाइटन बायोटेक लिमिटेड करेगी स्टॉक स्प्लिट

- 20 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट

मुंबई । बायोटेक कंपनी टाइटन बायोटेक लिमिटेड अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही है। कंपनी ने 20 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे स्प्लिट का लाभ प्राप्त करेंगे। कंपनी अपने शेयरों का फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। इसका मतलब हर 1 पुराना शेयर अब 5 नए शेयरों में बदल जाएगा। कुल निवेश की वैल्यू उसी स्तर पर बनी रहेगी, लेकिन निवेशकों के पास शेयरों की संख्या बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार स्टॉक स्प्लिट से शेयर की कीमत कम होगी और इसे खरीदना छोटे निवेशकों के लिए आसान होगा। हालांकि कुल निवेश की कीमत तुरंत नहीं बदलती। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे 20 फरवरी तक अपनी होल्डिंग साफ रखें और स्प्लिट के अनुसार अपने निवेश की योजना बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी के गमछे से चमकी बुनकरों की किस्मत

बिहार के करघों पर बरसे करोड़ों के ऑर्डर

नई दिल्ली ।

बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम और ओडिशा में गमछा पारंपरिक पहचान का प्रतीक है। गया जिले के पटवा टोली में लाखों गमछे बनाए जाते हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली में गमछा लहराकर इसे बिहारी अस्मिता से जोड़ा। इसके बाद मांग में अचानक वृद्धि हुई और राजनीतिक दलों ने विशेष रंग के गमछों के ऑर्डर लिए। पटवा टोली में लगभग 35,000 बुनकर काम करते हैं। प्रतिदिन यहां 200 बंडल, यानी करीब 2 लाख गमछे तैयार होते हैं। 80 फीसदी गमछे थोक में 20-30 रुपये में बिकते हैं, जबकि शेष 60-80 रुपये तक के दाम पर जाते हैं। सालाना कारोबार लगभग 125-150 करोड़ रुपये का है। पहले गमछे हथकरघे से बनते थे, लेकिन अब चीन और देसी मशीनों से उत्पादन बढ़ गया है। चीन की मशीनें सस्ती लेकिन जल्दी खराब होती हैं, जबकि देसी मशीनें महंगी लेकिन टिकाऊ। कई बुनकर अब देसी मशीनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान गमछा कारोबार को राजनीतिक रंग मिला। भाजपा के लिए केसरिया, राष्ट्रीय जनता दल के लिए हरा और जन स्वराज पार्टी के लिए पीले गमछे तैयार किए गए। बंगाल और असम में भी विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर ऑर्डर की योजना

बनाई जा रही है। पटवा टोली का सबसे बड़ा खरीदार पश्चिम बंगाल है, इसके बाद असम, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश हैं। बिहार में सिर्फ बचे हुए गमछे बिकते हैं। गमछा कारोबार अब सिर्फ पारंपरिक वस्त्र उद्योग नहीं, बल्कि राजनीतिक और व्यावसायिक रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

जापान की अर्थव्यवस्था ने दर्ज की 1.1 फीसदी की वृद्धि

तोक्यो। जापान की अर्थव्यवस्था ने 2025 की अंतिम तिमाही में वार्षिक आधार पर 0.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। साल भर में कुल वृद्धि केवल 1.1 फीसदी रही, जो 2022 के बाद सबसे उच्च है, जब देश कोविड-19 महामारी के असर से उबर रहा था। अप्रैल-जून 2025 में जीडीपी में 0.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि जुलाई-सितंबर में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अक्टूबर-दिसंबर में तिमाही आधार पर अर्थव्यवस्था ने 0.1 फीसदी की मामूली वृद्धि की। लगातार दो तिमाहियों में संकुचन न होने के कारण जापान तकनीकी मंदी से बच गया। अक्टूबर-दिसंबर में निजी उपभोग में 0.4 फीसदी की वृद्धि रही, लेकिन निर्यात में 1.1 फीसदी की गिरावट ने विकास दर को सीमित किया। मंत्रिमंडल कार्यालय का अनुमान है कि निकट भविष्य में जापान की अर्थव्यवस्था औसतन 0.6 फीसदी की दर से बढ़ेगी, जिससे स्थिर लेकिन धीमी वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

भारत का चीनी निर्यात फरवरी तक 2 लाख टन के पार

मुंबई। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के अनुसार भारत में चीनी निर्यात पर सरकार का नियंत्रण बना हुआ है। मिलों के बीच आनुपातिक कोटा वितरित किया जाता है। हाल ही में अतिरिक्त पांच लाख टन निर्यात कोटा भी मंजूरी दी गई है, जिससे कुल स्वीकृत निर्यात 20 लाख टन हो गया है। फरवरी तक भारत ने कुल 2,01,547 टन चीनी का निर्यात किया। इसमें सफेद चीनी का हिस्सा 1,63,000 टन और परिष्कृत चीनी का 37,638 टन रहा। 2025-26 विपणन वर्ष में भारत का चीनी उत्पादन 13 फीसदी बढ़कर 2.96 करोड़ टन रहने का अनुमान है। एआईएसटीए ने नई दो-स्तरीय कोटा प्रणाली का स्वागत किया, जिससे वास्तविक निर्यात करने वाली मिल को गैर-निष्क्रिय मिलों से कोई प्रीमियम नहीं देना पड़ेगा।

रेलवे का फैसला: एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में स्टाफ आरक्षण खत्म

- यात्रियों को मिलेगी ज्यादा सीटें, वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने राजधानी, दुरंतो और अन्य प्रीमियम ट्रेनों के एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में ऑन-बोर्ड स्टाफ के आरक्षित सीटों को खत्म कर दिया है। अब महंगी सीटें सीधे यात्रियों के लिए उपलब्ध होंगी, जिससे वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे। हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए स्प्रेड मॉडल लागू हुआ है। उन्हें केवल थर्ड एसी या स्लीपर में 4 साइड लोअर सीटें मिलेंगी। पेंट्री कार वाले स्टाफ को अब पूरी ड्यूटी पेंट्री कार में ही करनी होगी, जबकि पेंट्री कार नहीं होने पर उन्हें केवल 2 सीटें दी जाएंगी। रेलवे का अनुमान है कि हर ट्रेन में 4-6 सीटें अब यात्रियों के लिए खुलेंगी, जिससे प्रतिदिन लाखों रुपये का अतिरिक्त राजस्व होगा। आरक्षित सीटों का दुरुपयोग और अनाधिकृत यात्रा की समस्या भी कम होगी। साल 2016 और 2018 के पुराने सर्कुलर रद्द कर दिए गए हैं। यह नया नियम रेलवे के पैसेंजर-फ्रेंडली और कमर्शियल मॉडल को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।

सोने की कीमतों पर ब्रेक, 1 लाख के नीचे जाने के आसार

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में चल रही रिकॉर्ड तेजी पर अब ब्रेक लगता नजर आ रहा है। रूस के एक संभावित कदम और वैश्विक समीकरणों के बदलने से कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले समय में सोना 1 लाख रुपए के नीचे आ सकता है। जनवरी 2026 में भारतीय बाजार (एमसीएक्स) पर सोने ने 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऐतिहासिक स्तर छुआ था। बीते सप्ताह की क्लोजिंग तक कीमतें 1,56,200 रुपए तक गिर गईं, यानी करीब 13.5 फीसदी की गिरावट। अंतरराष्ट्रीय बाजार (कॉमेक्स) पर सोना 5,626.80 से 5,046.30 डॉलर पर आया, लगभग 10.5 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। रूस ने अमेरिकी डॉलर में ट्रेड सेटलमेंट पर वापसी पर विचार करना शुरू कर दिया है। इससे ब्रिक्स देशों की डी-डॉलराइजेशन मुहिम प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस के कदम से अन्य केंद्रीय बैंक भी सोने की आक्रामक खरीद रोक सकते हैं या मुनाफावसूली कर सकते हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि अंतरराष्ट्रीय सोना 3,000 प्रति औंस तक गिर सकता है। भारत में सोने की कीमत 90,000-1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में स्थिर हो सकती है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 650, निफ्टी 211 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक बढ़कर 83,277.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.65 अंक ऊपर आकर 25,682.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी वाहन को छोड़कर तकरीबन सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.48 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.11 फीसदी की तेजी रही।

आज निफ्टी वाहन में 0.73 फीसदी और निफ्टी ग्रोसेक्ट 15 में 0.12 फीसदी की गिरावट आई । जबकि निफ्टी बैंक में 1.27फीसदी की बढ़त, निफ्टी एफएमसीजी में 0.82 फीसदी जबकि निफ्टी आईटी में 0.17 फीसदी उछाल आया है। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 9 शेयरों में ही गिरावट रही। पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में 4.45 फीसदी तक की बढ़त रही जबकि वहीं, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एम एंड एम और इंफोसिस के शेयरों में 1.44 फीसदी की गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को

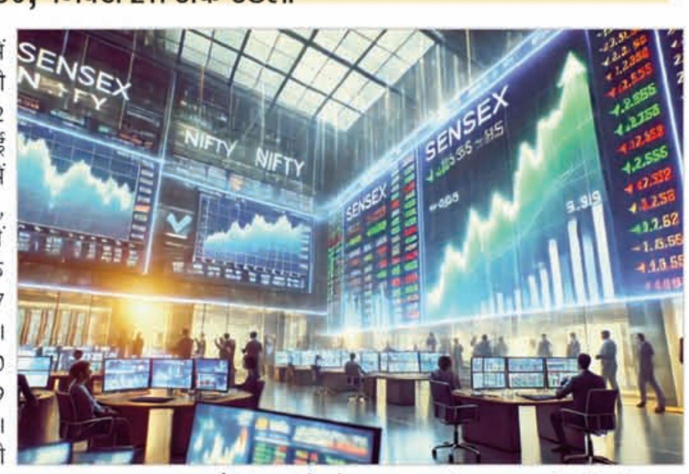

7,395.41 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,553.96 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई हालांकि कारोबार बढ़ने के साथ ही रिकवरी दर्ज की गयी। बीएसई सेंसेक्स 262 अंकों की बढ़त के साथ 82,591 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 75 अंकों की तेजी के साथ 25,546 पर कारोबार करता दिखा। निवेशकों की धारणा फिलहाल सकारात्मक है। इस सप्ताह बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों पर रहेगी।

फैक्टल एनालिटिक्स का आईपीओ सुस्त शुरुआत के साथ सूचीबद्ध

- शेयर तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ सूचीबद्ध

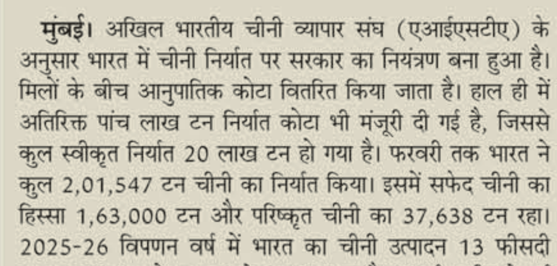

नई दिल्ली । कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान प्रदाता फैक्टल एनालिटिक्स ने सोमवार को अपने आईपीओ के बाद शेयर बाजार में धीमी शुरुआत की। कंपनी का आईपीओ 2,834 करोड़ रुपए का था, जिसमें 1,023.5 करोड़ रुपए के नए शेयर और 1,810.4 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। मूल्य दायरा 857-900 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। अंतिम दिन आईपीओ 2.66 गुना सब्सक्राइब हुआ। एनएसई पर शेयर 876 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य 900 रुपए से 2.67 फीसदी कम है। बाद में इसमें और गिरावट आई और यह 855.55 रुपए पर पहुंच गया। बीएसई पर शेयर 900 रुपए प्रति शेयर के स्तर पर सपाट शुरुआत के साथ खुला। एनएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,839.73 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल अपनी अनुषंगी 'फैकल यूएसए' में निवेश, कर्ज का पूर्व-भुगतान, भारत में नए कार्यालय, अनुसंधान एवं विकास, फैक्टल अल्फा के तहत विपणन, अधिग्रहण और अन्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने हटाया गेहूं-चीनी पर निर्यात प्रतिबंध

- अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अप्रत्याशित रूप से 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी। इससे पहले तीन साल से अधिक समय से निर्यात पर प्रतिबंध था। इसके साथ ही पहले से स्वीकृत 15 लाख टन चीनी के अलावा 5 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात भी खोल दिया गया। सरकारी बयान के अनुसार यह कदम देश में मौजूदा उपलब्धता और मूल्य परिदृश्य का मूल्यांकन कर लिया गया है। गेहूं पर निर्यात प्रतिबंध 13 मई 2022 को लगाया गया था। उस समय घरेलू उत्पादन घट गया था और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मांग बढ़ गई थी। इससे घरेलू कीमतें बढ़ गईं और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खरीद जोखिम में पड़ गई। अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना है और दोनों सरकार और व्यापारियों के पास भारी भंडार है। 2025-26 सीजन में भारत में गेहूं का उत्पादन लगभग 11.8 करोड़ टन रिकॉर्ड किया गया। 31 मार्च 2026 तक केंद्रीय पूल में स्टॉक 1.82 करोड़ टन अनुमानित है, जबकि बफर स्टॉक आवश्यकता केवल 75 लाख टन। व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं मौजूद है, जो पिछले साल की तुलना में 32 लाख टन अधिक है।

घरेलू कीमतें उत्तर और पश्चिमी बाजारों में 2550-2680 रुपये/क्विंटल हैं, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये/क्विंटल तय किया गया। भारतीय गेहूं की वैश्विक कीमत 270-280 डॉलर/टन, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 197-270 डॉलर/टन है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.73 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसा टूटकर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर मामूली वृद्धि और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट का भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.63 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि फिर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ पांच पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 96.93 पर रहा।

बिहार सभी क्षेत्रों में विकास के पथ पर अग्रसर बेरोजगारी दूर करने में मिली सफलता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सभी वर्गों का विकास सार्थक परिणाम से हौसले बुलंद कलीम

पटना। बिहार सभी क्षेत्रों में विकास के पथ पर अग्रसर है 2005 से पूर्व बिहार सभी क्षेत्रों में बदहाली का सामना कर रहा था लेकिन जैसे ही नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने उन्होंने इस राज्य को सभी क्षेत्रों में विकास के पथ पर अग्रसर करते हुए एक नया इतिहास बनाया है यही कारण है कि मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के कामों से इतना प्रभावित हुआ कि मैं जनता दल यूनाइटेड में शामिल होने का फैसला लिया और आज माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी से उनके सरकारी आवास पर मिला और उन्हें बिहार की जनता के लिए 20 वर्षों से किए जा रहे काम के लिए बधाई दिया यह बातें जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व वार्ड पार्षद कलीम ईमान नहीं पत्रकारों से

बातचीत करते हुए कही उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि वह 24 घंटे काम करते हैं जो व्यक्ति राजनीति में केवल इसलिए आया कि मैं समाज की सेवा कर सकूं और शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका अदा करू और आज 20 वर्षों से लगातार बिहार की जनता की सेवा करते हुए उन्होंने जिस प्रकार शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका अदा की है वह स्वागत योग है श्री कलीम इमाम ने कहा कि देश में नीतीश कुमार जैसे राजनेता बहुत कम पैदा होते हैं बिहार की कोख से जन्मे नीतीश कुमार ने केंद्र में मंत्री रहते हुए जिस प्रकार देश की प्रगति में

अपना योगदान दिया है वह हमारे लिए गर्व की बात है क्योंकि बिहार के इतिहास में ऐसा पहले राजनेता है जिन्होंने केंद्र में कई बार मंत्री रहते हुए लंबे समय तक मुख्यमंत्री के पद पर विराजमान होकर जिस प्रकार समाज से बाकी है और शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में अपनी सेवाएं देते हुए बिहारी के आत्मविश्वास को जगाया है हम ऐसे मुख्यमंत्री को सैल्यूट करते हैं कलीम इमाम ने कहा कि मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से यह मांग करता हूं कि वह अभिलंब बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को भारत रत्न पुरस्कार सम्मानित करने का ऐलान करें क्योंकि नीतीश कुमार ने जहां एक तरफ 20 वर्षों से भी अधिक समय तक मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए बिहार के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं वही देश की प्रगति में भी उन्होंने केंद्र सरकार को अपना समर्थन देकर जो उदाहरण प्रस्तुत किया है उसने बिहारी का कर गर्व से ऊंचा कर दिया है अर्थात केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह बिहार के फिलहाल को भारत ने अवार्ड से सम्मानित करने के ऐलान करें ताकि दुनिया को यह मालूम हो के काम करने वाला व्यक्ति ही सच्चा सेवक होता है और ईश्वर उस से खुश रहते हैं हमें पर विश्वास है कि आने वाले समय में बिहार माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक बार फिर विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए शक्तिशाली राज्यों के कतार में पहली पंक्ति में खड़ा मिलेगा

पटना के होटल ताज में ब्लास्ट, 3 आतंकी घुसे

पटना। पटना के बुद्धा कॉलोनी इलाके की लोदीपुर स्थित होटल ताज में आतंकी हमले को लेकर मॉकड्रिल की जी रही है। इस दौरान तीन हथियार बंद डमी आतंकी होटल के अंदर घुसे हैं। आतंकी अत्याधुनिक हथियारों से लैस है। वे हाथों में एके-47 और हैंड ग्रेनेड लिए हुए थे। आतंकियों ने सबसे पहले एंट्रेंस गेट पर हैंड ग्रेनेड फेंक कर दो धमाके किए। फिर गेट पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों को गोली मार दी। इसके बाद आगे दौड़ते हुए होटल के अंदर घुस गए। होटल के अंदर जो भी गेस्ट थे, सभी को आतंकियों ने पिछले डेढ़ घंटे से बंधक बनाकर रखा है। पिछले डेढ़ घंटे से तीन आतंकी होटल के अंदर हैं। तकरीबन 100 से अधिक गेस्ट को बंधक बनाकर रखा है। इसकी सूचना पटना अळर को दी गई है, लेकिन मौके पर एटीएस नहीं पहुंची है। स्थानीय थाने की पुलिस एंट्रेंस गेट पर सुरक्षा के लिहाज से मौजूद है और एटीएस का इंतजार कर रही है। फिलहाल, एंट्रेंस गेट पर स्थानीय थाने की पुलिस मौजूद है। सुरक्षा के लिहाज से एंट्रेंस गेट के पास बैरिकेडेस लगा दिया गया है। पुलिस की ओर से होटल परिसर को खाली करने का प्रयास किया जा रहा है। इस मॉकड्रिल के दौरान फिल्म मेकिंग भी की जा रही है, ताकि लोगों को इसके बारे में सही जानकारी हो। सुरक्षा के लिहाज से उठाया गया यह एहतियाती कदम है।

बिहार में बीसीए मेंस सीनियर वनडे ट्रॉफी का आयोजन, आठ जोन की टीमें होंगी शामिल

पटना। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने सत्र 2025/26 के तहत बीसीए मेन्स सीनियर वनडे ट्रॉफी के घरेलू टूनामेंट का कार्यक्रम घोषित किया। प्रतियोगिता में राज्य के आठ जोन वेस्टर्न, मिथिला, शाहाबाद, अंगिका, सेंट्रल, सीमांचल, मगध और पाटलिपुत्र की टीमें हिस्सा लेंगी। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने सत्र 2025/26 के तहत बीसीए मेन्स सीनियर वनडे ट्रॉफी के घरेलू टूनामेंट का कार्यक्रम घोषित किया है। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों की टीमें जोन प्रणाली के आधार पर भाग लेंगी। इस टूनामेंट में शामिल जोन इस प्रकार हैंः वेस्टर्न जोन, मिथिला जोन, शाहाबाद जोन, अंगिका जोन, सेंट्रल जोन, सीमांचल जोन, मगध जोन और पाटलिपुत्र जोन। घरेलू टूनामेंट के सभी मैच निर्धारित तिथियों पर राज्य के विभिन्न खेल स्थलों पर खेले जाएंगे। इस आयोजन में सभी जिला क्रिकेट संघों का सहयोग और सहभागिता अहम भूमिका निभा रही है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने सभी जिला क्रिकेट संघों का आभार व्यक्त किया है। एसोसिएशन का मानना है कि यह प्रतियोगिता राज्य के खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल प्रदान करेगी और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर देगी। इस अवसर पर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष हर्ष वर्धन ने सभी टीमों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिला क्रिकेट संघों के सहयोग से राज्य में क्रिकेट लगातार आगे बढ़ रहा है। अध्यक्ष ने सभी जिला पदाधिकारियों का आयोजन में सहयोग के लिए धन्यवाद किया और भरोसा जताया कि यह टूनामेंट बिहार क्रिकेट को नई दिशा और मजबूती देगा। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव ज़िआउल अरफीन ने भी सभी टीमों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं और जिला क्रिकेट संघों, पदाधिकारियों तथा आयोजकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने सभी सहभागी टीमों को अग्रिम बधाई दी है और उम्मीद जताई है कि यह प्रतियोगिता खेल भावना और अनुशासन के साथ संपन्न होगी।

24 घंटे पीने को पानी नहीं दिया, अस्पतालों से पैसे लेने के सवाल पर बोले- हां वसूलता हूं

पटना । मैं कहीं से पैसा लेता हूं तो कुछ रख लेता हूं और कुछ बांट देता हूं। भगवान ने मुझे यह काम करने लायक दिमाग दिया है। आप भी ये हुनर सीख लीजिए, कहीं से लेकर बांटने का। कम से कम किसी का भला तो होगा। पप्पू यादव जेल में बीते 7 दिन के बारे में भास्कर को बताया। कहा कि हर दिन मुझे टॉर्चर किया गया। गिरफ्तार करने के 24 घंटे बाद तक पानी तक नहीं दिया। ऐसा व्यवहार कर रहे थे जैसे मैं कोई दुर्दांत अपराधी हूं। जवाबः देखिए राजनीति तो मुझको आती नहीं है। आपको क्या लगता है नेता हैं, क्या उन पर कोई केस नहीं है? क्या उनपर आचार संहिता उल्लंघन का केस नहीं है? क्या सब दूध के धुले हुए हैं? पप्पू यादव के आवाज से, पप्पू यादव के संघर्ष से सभी को दिक्कत क्यों होती है? क्या मैं सरकार के खिलाफ आवाज उठाना छोड़ दूं? लोगों से संबंधित मुदे हैं, वक्ष्छ का मुद्दा है, क्या मैं उन्हें नहीं उठाऊं? एपस्टीन सिर्फ अमेरिका का मुद्दा नहीं है। बिहार में भी ऐसे बहुत से मामले हैं। बिहार में यह जो बड़े-बड़े हॉस्टल और हॉस्पिटल हैं, क्या हैं? नीट की एक छात्रा का मामला तो है ही, आप बालिका गृह कांड को देखिए। जवाबः मेरा किसी से व्यक्तिगत झगड़ा नहीं है। मैं किसी की व्यक्तिगत आलोचना नहीं करता हूं। मैं 100% नेताओं की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन 80-90% नेताओं का चरित्र अच्छा नहीं है। एपस्टीन केस में 3000 बच्चों के साथ बलात्कार कर वीडियो डाले गए। मैं कहता हूं कि हमें पॉर्न से बचना चाहिए।

डीएमसीएच में इलाज के दौरान महिला की मौत

दरभंगा। दरभंगा के डीएमसीएच में ब्रेन हेमरेज से पीड़ित सुनीता देवी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। परिवार ने डॉक्टर और नर्स पर समय पर इलाज, दवा और ऑक्सीजन नहीं देने का आरोप लगाया है। दरभंगा के डीएमसीएच में इलाज के दौरान एक महिला की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि इलाज कर रहे डॉक्टर की लापरवाही के कारण सुनीता देवी की जान गई। घटना की सूचना मिलते ही बेंता थाना और डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया। बताया जा रहा है कि डीएमसीएच में तीन दिनों में यह तीसरी ऐसी घटना है जब मरीजों के परिजनों को हंगामा करना पड़ा है। दो दिन पहले इमरजेंसी विभाग में करीब दो घंटे तक ऑक्सीजन पाइप लाइन से सप्लाई बंद हो गई थी। उस दौरान एक गंभीर मरीज को बिना इलाज के ही पटना रेफर कर दिया गया था। उस घटना को लेकर भी काफी हंगामा हुआ था। मृतका की पहचान कमतौल थाना क्षेत्र के गंज रघौली माधोपट्टी वार्ड नंबर 11 निवासी सुनीता देवी के रूप में हुई है।

जबरिया रिटायर पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ दास की कहानी

पटना । पूर्व IPS अधिकारी अमिताभ दास एक बार फिर चर्चा में हैं। वजह NEET छात्रा रेप-मौत मामले में सोशल मीडिया पर सनसनीखेज दावे और इसके चलते पटना पुलिस द्वारा उनके घर की गई छापेमारी। अमिताभ पर पॉक्सो एक्ट समेत 6 धाराओं में केस दर्ज किया गया है। 1994 बैच के इस अधिकारी ने नौकरी के शुरूआती दिनों में सख्त पुलिस ऑफिसर के रूप में नाम कमाया, लेकिन इसके बाद विवादों में ऐसा उलझे कि करियर डूब गई। सरकार ने जबरन नौकरी से निकाल दिया। सीएम नीतीश कुमार और पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र बातें कहने वाले अमिताभ पर एक IPS अधिकारी की बेटी ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। आइए जानते हैं, कौन हैं अमिताभ कुमार दास? क्यों सरकार ने उन्हें जबरन समय से पहले रिटायर किया था? पहले किस किस तरह के आरोप लगाकर चर्चा में आए? अमिताभ दास 1994 बैच के पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं। न्यू पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित स्काई जेड अपार्टमेंट के फ्लैट में रहते हैं। मूल रूप से मधुबनी के हैं। उनके पिता बिहार में अउ्ट थे। अमिताभ दास ने शुरूआती पढ़ाई दरभंगा के लहेरियासराय के स्कूल से की। उन्होंने 1984 में मैट्रिक की परीक्षा पास की थी। जिले के टॉपर थे। मैट्रिक के बाद पटना साइंस कॉलेज आ गए। जीव विज्ञान में एडमिशन लिया। शुरू में न्यूटन हॉस्टल में रहे। फिर सेकंड ईयर में कैवेंडिस हॉस्टल चले गए। इंटर के बाद ग्रेजुएशन करने के लिए दरभंगा चले गए। वढरउ की तैयारी दरभंगा से की। 1994 में आईपीएस बने थे। अमिताभ दास के भाई-बहन अमेरिका में रहते हैं। अमिताभ दास ने 4 सितंबर 1994 को बिहार कैडर के क्ढर अधिकारी के रूप में जॉइन किया था।

विधानसभा में अपनी ही सरकार के खिलाफ विधायक

पटना । उत्तर जो मिला है, उससे मैं पूर्णतया (पूरी तरह से) संतुष्ट नहीं हूं। क्योंकि उत्तर में लिखा है कि भवन जर्जर स्थिति में नहीं है, बस उसकी मरम्मत की जरूरत है। मैं चाहती हूं कि मंत्री जी इसका एक बार फिर से अवलोकन कराएं। मैं खुद देखकर आई हूं, भवन जर्जर स्थिति में है। एक छोटे से कमरे में स्वास्थ्य व्यवस्था का संचालन हो रहा है। टइ्र डॉक्टर नहीं हैं। वहां डॉक्टर की जरूरत है ह्ल बिहार विधानसभा के बजट सत्र में सरकार के जवाब से नाराजगी के ये भाव बिहार की जेन जी विधायक मैथिली ठाकुर का है। सबसे युवा विधायक ने भरी सदन में हेल्थ मिनिस्टर को दो टूक कह दिया कि हॉस्पिटल जाकर देखिए, सच्चाई क्या है। मामला केवल मैथिली तक ही सीमित नहीं है। कई बार सत्ताधारी पार्टी के विधायकों ने ही सरकार से तीखे सवाल किए। मतलब, सत्ता पक्ष के सदस्य, विपक्ष जैसी भूमिका में नजर आए। 3 फरवरी को मुजफ्फरपुर के गायघाट से पहली बार विधायक बनी जदयू की कोमल सिंह ने सरकार से स्टेडियम को लेकर सवाल पूछा। वह खेल विभाग द्वारा दिए गए जवाब से संतुष्ट नहीं थी। कोमल ने अपने तीखे तेवर से सरकार को सदन में घेरने की कोशिश की। उन्होंने जारंग और अथवारा पंचायत में स्टेडियम निर्माण को लेकर खेल मंत्री श्रेयसी सिंह द्वारा दिए गए जवाब को झूठा बताया। कहा कि वहां सिर्फ स्कूल की फील्ड है, कोई स्टेडियम नहीं है। न बैठने की व्यवस्था है,

छात्रा जिस छत से गिरी, वहां शराब की बोतलें-सिगरेटःभाई बोला- बहन के पूरे शरीर पर थे खरोंच के निशान

पटना । मेरी बहन के पूरे शरीर पर खरोंच के निशान थे। उसे बहुत घसीटा गया था। किसी नोकदार हथियार से उसके पूरे शरीर पर वार किया गया। हम पुलिस और थाने का चक्कर लगा रहे हैं। वे हमसे ही पूछते हैं कि तुम्हारी बहन की मौत कैसे हुई, मां से पूछते हैं वो किससे बात करती थी। बताइए हमारी बहन की हत्या हुई, पुलिस अभी तक कुछ पता नहीं लगा पाई है। यह गुस्सा उस भाई का है, जिसकी बहन की मौत फुलवारीशरीफ स्थित एक कोचिंग संस्थान की बिल्डिंग से गिरने से हुई। उसे छत से फेंका गया या वो खुद कूदी, ये अभी तक पता नहीं चला पाया है। परिजन लड़की की हत्या किए जाने की बात कह रहे हैं। रेप की आशंका भी जता रहे हैं। जिस जगह यह घटना घटी वहां की क्या स्थिति है? कोचिंग संस्थान की इमारत में हर कहीं शराब की खाली बोतलें होने की बात कितनी सच है? परिजन क्या कहते हैं? दैनिक भास्कर की टीम मौके पर पहुंची, फुटेज में छात्रा के गिरते हुए का बीच का सीन दिखाई दिया है। हम पहली मंजिल से होते हुए सीधे छत पर गए। वहां हमें विदेशी शराब की खाली बोतलें, सिगरेट, कोल्ड ड्रिंक और प्लास्टिक के गिलास हर कहीं फेंके हुए मिले। शराब के दर्जनों पाउच फेंके गए थे। साफ लग रहा था कि यह शराबियों का अड्डा है। इमारत के अंदर भी हमें शराब की खाली बोतलें मिलीं। कोचिंग संस्थान की हालत देखने के बाद हम मृतक छात्रा के परिजनों से मिलने निकले। गांव पहुंचकर एक व्यक्ति से पूछा कि फुलवारीशरीफ में जो छात्रा मरी थी, उसका घर कहां है। उन्होंने बताया कि करीब 100 मीटर आगे जाइए। नया बना घर दिखेगा। दरवाजे पर गाय बंधी होगी। इसके बाद हम आगे बढ़े और पीड़ित परिवार के घर पहुंच गए। घर की हालत देखकर साफ पता चल रहा था कि इस परिवार ने बड़े जतन से अपनी बेटी को पढ़ने के लिए कोचिंग भेजा था। हमने मृतक बच्ची के पिता-मां और बड़े भाई से बातचीत शुरू की। सबसे पहले हम लड़की की मां से मिले। सदमे के चलते वह ठीक से बोल नहीं पा रही हैं। बेटी का जिक्र सुनते ही फूट-फूटकर रोने लगीं। कहा, मेरी बेटी के साथ जो हुआ, किसी की बेटी के साथ नहीं हो। हमने पुलिस द्वारा की जा रही जांच के बारे में पूछा तो उनका गुस्सा फूट पड़ा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम की मौजूदगी में सैकड़ों लोगों ने थामा कांग्रेस का दामन

पटना । सदाकत आश्रम स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव सह बिहार प्रभारी शाहनवाज आलम के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष सबीह महमूद, गया के समाजसेवी सनउल्लाह खान, विस्फी के समाजसेवी मिस्बाहुल होदा (अरमान) तथा केवटी के अवकाश प्राप्त शिक्षक अब्दुल वाकी सहित उनके सैकड़ों समर्थकों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस

अध्यक्ष राजेश राम ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा देश को जोड़ने और समाज के हर वर्ग के सम्मान व अधिकार की लड़ाई लड़ने की है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में युवाओं, बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों का कांग्रेस से जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि जनता भाजपा-जदयू सरकार की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त है और कांग्रेस के नेतृत्व में बदलाव चाहती है। बिहार प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नए साथियों से संगठन को मजबूत करने और जनता की आवाज बनने का आह्वान किया। पार्टी में शामिल इन नेताओं ने कांग्रेस की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हसीब अनवर, राशिद फाकरी , मुदस्सीर शम्स, अजय राम सहित कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ईशान किशन की लव स्टोरी परिवार के सामने कैसे आई

पटना । वो (ईशान किशन) अब एक साल के अंदर अदिति से शादी करने वाला है। काफी दिन से वो दोनों एक दूसरे के संपर्क में हैं। हो सकता है, इसी साल लास्ट तक या अगले साल दोनों की शादी हो जाएगी। मैंने उससे कहा था कि मेरे मरने से पहले तुम शादी कर लो, तब उसने अपनी गर्लफ्रेंड की बात परिवार को बताई थी।उसकी बारात फ्लाइट से जयपुर जाएगी। अदिति भी ईशान से प्यार करती है। वो उसका जन्मदिन मनाने चुपके से वेस्टइंडीज पहुंच गई थी। हमारा परिवार उससे बातचीत करता रहता है।' सवालः ईशान ने शादी की बात आपसे पहली बार कब की? जवाबः करीब एक साल पहले उसका (ईशान किशन) फोन आया था। उसने मेरा हाल चाल पूछा, मैंने उससे कहा कि मैं मरने से पहले बहू का मुंह देखना चाहता हूं। मेरे मरने से पहले तुम शादी कर लो, पता नहीं तुम्हारी शादी तक जिंदा

रहूंगा या नहीं। तभी उसने हमें अदिति के बारे में बताया। उसने कहा कि 2026-27 में शादी करने की सोच रहा है। जवाबः हां, मैंने पूछा कि क्या लड़की देखी है? तब उसने कहा कि आप अदिति को जानते हैं। आपने टीवी पर भी कई बार मेरे साथ देखा है। तो हमें उस लड़की का चेहरा याद आ गया। उसने कहा कि वह उसी से शादी करना चाहता है। उसने यह भी कहा कि आप लोगों को पहले से अंदाजा है। इसलिए हम छिपकर कुछ नहीं करना चाहते। सवालः अदिति के बारे में आपको क्या जानकारी है? जवाबः हमें पता है कि वह जयपुर की रहने वाली है और मॉडलिंग करती है। मिस इंडिया प्रतियोगिता में सेकेंड रनर-अप रह चुकी है। हमने उनकी तस्वीरें देखी हैं। पढ़ी-लिखी और आत्मनिर्भर लड़की है। परिवार को उनके पेशे या शहर से कोई समस्या नहीं है। जवाबः हां, पूरी तरह। ईशान ने पहले ही साफ कर दिया था कि वह परिवार की मर्जी के खिलाफ नहीं जाएगा। हमने भी कहा कि उसकी खुशी सबसे अहम है। घर में इस विषय पर खुलकर बात हुई है और किसी ने आपत्ति नहीं जताई। जवाबः बहुत अच्छे से जानकारी नहीं है। लेकिन 2019 क्ढछ के दौरान अदिति को कई मैचों में स्टैंड में देखा गया था। वहीं से चर्चा शुरू हुई थी। हम लोगों ने कई बार उससे पूछने की कोशिश की थी, लेकिन वो बात को घुमा देता था। बाद में सोशल मीडिया पर भी दोनों के वीडियो और तस्वीरें सामने आने लगी। 2025 में मैंने उससे शर्त रखकर शादी के बारे में पूछा था। जवाबः हा, कई बार गई हैं। पिछले साल जब ईशान वेस्टइंडीज दौरे पर था, तब 18 जुलाई को जन्मदिन मनाने वह चुपके से वहां पहुंच गई थी। दिल्ली में भी मैच के दौरान वो साथ में थी, इसकी चर्चा खूब हुई थी। इससे परिवार को भी अंदाजा हो गया था कि उनका रिश्ता गंभीर है। जवाबः नहीं, बिल्कुल नहीं। अदिति हमारी जाति की नहीं ह

नए कार्यालय में पहुंचते ही सम्राट ने अपराधियों को दी सीधी चेतावनी, कहा- सुधर जाएं या राज्य छोड़ दें

पटना । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज फिर अपराधियों को खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अपराधी या तो खुद को सुधार लें, अन्यथा उन्हें बिहार छोड़ना होगा। दरअसल आज सम्राट चौधरी पुराने सचिवालय में बने नवनिर्मित कार्यालय में विधिवत कार्यभार संभाल लिया। अपने नए कार्यालय में आते ही सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस है। इस दौरान उन्होंने गृह विभाग और बिहार पुलिस के वरीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की और राज्य की कानून-व्यवस्था पर विस्तार पूर्वक बातचीत की। बिहार पुलिस के वरीय अधिकारियों के साथ किए गए समीक्षा बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट

चौधरी ने अधिकारियों को दो-टूक लहजे में निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिहार अब अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रहेगा। जो अपराधी कानून को चुनौती देंगे, उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अपराधी या तो खुद को सुधार लें, अन्यथा उन्हें बिहार से भागना होगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस पूरी तरह स्वतंत्र हैं और वह अपराध और अपराधियों के खिलाफ अपने हिसाब से काम करें। जनता के दिल में उतरने की दी सलाह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि विभागीय कार्यप्रणाली में बदलाव करते हुए जनता के प्रति जवाबदेही और कार्यों में पारदर्शिता जरूरी है। उन्होंने राजधानी पटना में ट्रैफिक व्यवस्था सुगम कैसे हो, इस पर भी बातचीत की। साथ ही सम्राट चौधरी ने पुलिस प्रशासन को आम लोगों के दिलों में उतरने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि आमजन को पुलिस प्रशासन पर अपनी सुरक्षा का भाव बढ़े, इस ओर भी ध्यान देने की जरुरत है।

कोर्ट ने पूछा- लालू-राबड़ी आप पर लगे आरोप सहीं हैं दोनों ने कहा- नहीं, हम मुकदमा लड़ेंगे; लैंड फॉर जॉब केस में

पटना । लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार की आज दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। लालू यादव व्हील चेयर पर कोर्ट पहुंचे। उनके साथ राबड़ी देवी और उनकी सांसद बेटी मीसा भारती भी मौजूद रहीं। कोर्ट रूम के भीतर जब जज ने औपचारिक रूप से आरोपों की जानकारी दी और पूछा कि क्या वे आरोप स्वीकार करते हैं, तो लालू यादव ने दो-टूक लहजे में कह कि, आरोप मंजूर नहीं, हम केस का सामना करेंगे।' इधर, सुनवाई से पहले मीसा भारती ने कहा है कि, मामला कोर्ट में है और हमें कोर्ट पर विश्वास

है कि हमें न्याय मिलेगा। एक ही केस में बहुत से केस बनाने से लोगों को परेशानी हो रही है।' कोर्ट ने पूछाः क्या आप इन आरोपों को स्वीकार करते हैं या मुकदमे का सामना करेंगे? लालू का जवाबः आरोपों को सिरे से खारिज करता हूं। ट्रायल का सामना करूंगा। कोर्ट ने राबड़ी देवी से पूछा- आरोपों को स्वीकार करती हैं या केस का सामना करेंगी। राबड़ी देवी का जवाब - मैं कानूनी लड़ाई के लिए तैयार हूं और मुकदमों का सामना करुंगी। लालू और राबड़ी के वकीलों ने कोर्ट को जानकारी दी कि दोनों की सेहत ठीक नहीं रहती है। इस दलील को अदालत ने स्वीकार कर लिया और स्वास्थ्य कारणों से दोनों को व्यक्तिगत पेशी से स्थायी छूट दे दी है। इस छूट के बाद लालू-राबड़ी को हर तारीख पर दिल्ली की अदालत में मौजूद रहने की जरूरत नहीं होगी। लालू और राबड़ी देवी रविवार शाम ही दिल्ली रवाना हो गए थे। कोर्ट ने लालू-राबड़ी, बेटे तेजप्रताप, तेजस्वी यादव और बेटी मीसा, हेमा पर आरोप तय किए हैं। लालू परिवार के साथ कुल 41 लोगों पर आरोप तय हुए हैं। इन लोगों पर अब मुकदमा चलेगा। अबतक कोर्ट ने 52 लोगों को बरी किया है। कोर्ट ने कहा- लालू फैमिली ने आपराधिक गिरोह की तरह काम किया करीब 18 दिन पहले, सुनवाई के दौरान स्पेशल जज विशाल गोग्ने ने अपने आदेश में कड़ी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, ह्यलालू यादव और उनका परिवार एक आपराधिक गिरोह की तरह काम कर रहा था। सरकारी नौकरियों के बदले संपत्ति हासिल करने की एक व्यापक साजिश रची गई थीह्ल। जज ने आदेश सुनाते हुए कहा, ह्यअदालत संदेह के आधार पर यह पाती है कि लालू प्रसाद यादव ने अपने परिवार (बेटियों, पत्नी और बेटों) के लिए अचल संपत्तियां हासिल करने के लिए सरकारी नौकरी को सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की एक व्यापक साजिश रची थी ह्ल उइक के आरोपों पर कोर्ट ने लालू परिवार पर क्या कहा राउज एवेन्यू कोर्ट ने उइक की दलीलों और चार्जशीट पर विचार करते हुए कहा- प्रथम दृष्टया उइक द्वारा पेश किए गए तथ्यों और दस्तावेजों से यह संकेत मिलते हैं कि मामले में जांच योग्य गंभीर आरोप ह

अधिक वजन की महिलाओं को फायब्रॉइड का खतरा

अधिक वजन वाली महिलाओं को फायब्रॉइड (गांठ) का खतरा बना रहता है। शुरुआत में रोग के लक्षण नहीं दिखते। मुख्य रूप से लक्षण फायब्रॉइड के आकार, संख्या या वह गर्भाशय की किस दीवार पर है इसपर निर्भर करता है। गर्भाशय की मांसपेशियों में वृद्धि होकर गांठ का रूप ले लेना यूट्रस फायब्रॉइड की समस्या है। ज्यादातर मामलों में ये गांठें कैंसर की नहीं होती हैं पर कुछ मामलों में ये कैंसर में बदल सकती हैं। सोनोग्राफी से गांठ के आकार व जगह का पता चलता हैं।

जगह के अनुसार माहवारी अधिक या इस दौरान रक्त के ज्यादा थक्के निकलना जैसे समस्या होती है। खून की कमी से थकान व कमजोरी रहती है। यूरिन संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

हार्मोन्स में गड़बड़ी फायब्रॉइड की मुख्य वजह है। विशेषकर अधिक वजन, अधिक उम्र, गर्भनिरोधक दवाएं लेने व गर्भवती महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन ज्यादा स्त्रावित होने से फायब्रॉइड बनने लगाता है। गंभीर स्थिति में किडनी में सूजन आ जाती है।

40 से अधिक उम्र की जो महिलाएं बच्चा चाहती हैं उनमें इस गांठ को निकाल देते हैं। वहीं, अधिक उम्र में यूट्रस को पूरी तरह से बाहर निकालना एक विकल्प है। आयुर्वेद में लक्षणों के साथ गांठ के आकार को बढ्ने से रोकने पर इलाज होता है। इसके लिए रोगी को जौ का दलिया, सत्तू व रोटी, शाली चावल घी संग खीर बनाकर, गुलाब की पंखुडियां या धागामिश्री खाने को देते हैं। शोधन चिकित्सा में वमन, विरेचन कराते हैं। इमरजेंसी में जब महिला को सामान्य से अधिक ब्लीडिंग हो तो हेमामिलिस, कार्बोनेज दवा अन्य लक्षण, रोगी की स्थिति व गांठ की जगह देखकर देते हैं।

गर्भधारण के अलावा जिनकी फैलोपियन ट्यूब के नजदीक, ग्रीवा के मुंह पर यदि फायब्रॉइड हैं तो इंफर्टिलिटी का खतरा रहता है। गर्भावस्था के साथ यदि फायब्रॉइड हों तो गर्भपात होने की आशंका रहती है। गर्भावस्था के दौरान ये फायब्रॉइड शिशु की सामान्य पोजिशन को भी बदल देती हैं। लंबे समय तक नजरअंदाज करने पर तेज दर्द हो सकता है और महिला कोमा में जा सकती है।

घरेलू उपायों से हमारी सुंदरता बढ़ाने में मदद कर सकते हैं

खूबसूरती बढ़ाने के लिए महिलाएं आजकल तरह तरह के उपाय करती हैं और महंगे सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल करती हैं पर क्या आप जानती हैं खूबसूरती का खजाना आपके रसोईघर में ही उपलब्ध है। आपके घर में ऐसे कई खाद्य पदार्थ मौजूद होते हैं, जो हमारी सुंदरता बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

प्रतिदिन चेहरे पर रुई के फाहे से कच्चा दूध लगाने पर चेहरे पर मौजूद ध्ब्बे हल्के हो जाते हैं। बाद में चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से साफ कर लें।आलू का रस निकालकर त्वचा पर लगाने से दाग–धब्बों से राहत मिलती है। आलू में मौजूद पोटैशियम सल्फर, फास्फोरस और कैल्शियम त्वचा की सफाई में मदद करता है।

कच्चे आलू को काटकर आंखों के नीचे प्रतिदिन थोड़ी देर मलने से आंखों के नीचे का

कालापन दूर होता है और त्वचा की रंगत भी निखरती है।शोधों से पता चला है कि आलू का रस बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में स्टार्च पाया जाता है, जिससे बालों में मौजूद अतिरिक्त तेल साफ हो जाता है। यही नहीं कच्चे आलू के रस से बालों को धोने पर बाल मजबूत होते हैं।

संतरा : चेहरे पर प्रतिदिन संतरे का ताजा रस लगाने से निखार आता है।

संतरे के छिलकों को थोड़े से पानी के साथ अच्छी तरह पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से मुहांसों की समस्या दूर होती है। अगर आपकी त्वचा रूखी है तो संतरा एक बेहतरीन मॉइश्चराइजर का काम करता है। एक चम्मच संतरे के रस में आधा चम्मच शहद और एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर करीब 15 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ करें।

एक सेब लेकर उसे अच्छी तरह मसल लें। इसे चेहरे पर फेसपैक की तरह लगाएं। इससे त्वचा में निखार आता है। साथ ही कसावट भी आती है। सेब की एक स्लाइस काटकर इसे दांतों पर मलने से दांतों में चमक आती है। चेहरे पर ताजा अनानास का रस लगाने से त्वचा में निखार आता है। बेहतर परिणाम के लिए इसे दिन में कई बार लगाएं।

काफी कारगर हो सकता है दर्द को दूर करने के लिए घरेलु नुस्खा में अधिकतर महिलाएं जोड़ों के दर्द से परेशान रहती हैं। इससे उन्हें उठने–बैठने के अलावा करवट लेने में भी तकलीफ होती है। कई बार तो तापमान कम होने के साथ ही यह जोड़ों का दर्द असहनीय भी जाता है ऐसे में कुछ घरेलु उपाय अपनाकर आप जोड़ों के दर्द से राहत पा सकती है।

काफी कारगर हो सकता है दर्द को दूर करने के लिए घरेलु नुस्खा

जोड़ों के दर्द से छुटकारा पाने के लिए व्यायाम तो एक कारगर तरीका है ही दर्द को दूर करने के लिए घरेलु नुस्खा भी काफी कारगर हो सकता है। इसमें किसी प्रकार का खर्च भी नहीं लगता।

नींबू के इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द से निजात पाई जा सकती है। नींबू के छिलके को घुटने पर लगाने से दर्द में काफी आराम मिलता है। नींबू में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं। नींबू में मैग्नीशियम, पोटैशियम, कैल्शियम विटामिन ए, सी, बी1 और बी6 पाया जाता है। ये सभी पोषक तत्व ही दर्द से आराम दिलाते हैं।

जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए सबसे पहले 2 नीबूं के छिलके और तकरीबन 100एमएल ऑलिव ऑयल लेना होगा। इसके बाद नींबू को किसी जॉर में डालें और फिर इसमें ऑलिव ऑयल डालिए। ऐसा करने के बाद करीब दो हफ्तों तक जॉर को बंद करके रख दें। 2 हफ्तों के बाद इस मिश्रण को रेशमी कपड़े में लेकर रात को दर्द की जगह लगाकर उसे बैंडेज से ढंककर छोड़ दें। ऐसा करने से धीरे–धीरे पुराने से पुराना दर्द भी दूर हो जाएगा।

गर्भावस्था में बढ़े वजन को इस प्रकार करें कम

गर्भावस्था के बाद महिलाओं में वजन बढ़ बढ़ना एक आम समस्या है जिसे ठीक करने व्यायाम के साथ ही खानपान का भी ध्यान रखना होगा। इसके अलावा हमारी रसोई में इस्तेमाल होने वाले मसाले भी उपयोगी रहते हैं। खासकर जीरे वाला पानी विशेष रुप से लाभदायक रहेगा।

जीरे वाला पानी शरीर के कॉलेस्ट्रॉल और बीपी को ठीक करता है। इससे दिल की बीमारी का खतरा भी कम होता है।

शरीर में ग्लूकोज का स्तर ठीक रहता है, डायबिटीज का खतरा भी कम होता है।

डिलीवरी के बाद जीरे वाला पानी वजन घटाने में मददगार साबित होता है।

यह भी माना जाता है कि गर्भावस्था के बाद जीरा पानी पीने से दूध न बनने की समस्या भी ठीक होती है। इस पानी से दूध बनने लगता है।

जीरा पानी से रक्त संचार ठीक होता है। शरीर में समान रूप से रक्त का संचार होता है, जिससे मांसपेशियों के विकास में भी मदद मिलती है। मांसपेशियों में लगी चोट भी इससे ठीक होती है।

जीरा पानी पीने से मेटाबोलिज्म ठीक होता है। इसकी वजह से वजन नहीं बढ़ता।

यह खून की कमी अनीमिया से भी बचाता है।

बुखार कम करने में भी जीरे का पानी सहायक है। इसे पीने से छोटा–मोटा बुखार तो ऐसे ही उतर जाता है।

जीरा पानी पीने से नींद अच्छी आती है। इसलिए अगर आपको नींद न आने की समस्या है तो रोजाना जीरे वाला पानी पीने की आदत डालें।

ठंड में इन 5 बीमारियों से रहें सावधान

नहीं तो लापरवाही पड़ सकती है भारी

फरवरी का महीना शुरू हो चुका है, लेकिन उत्तर भारत में सर्दी का असर अभी भी बना हुआ है। पहाड़ी इलाकों में हो रही लगातार बर्फबारी के चलते मैदानी राज्यों में तापमान में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। कई इलाकों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे ठंड और ज्यादा बढ़ गई है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि अगले कुछ दिनों तक उत्तर भारत के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। इस बदलते मौसम को लेकर डॉक्टरों ने चेतावनी जारी की है। विशेषज्ञों का कहना है कि अचानक बढ़ती ठंड कुछ खास बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी सेहत को बिगाड़ सकती है।

दिल के मरीजों पर सबसे ज्यादा खतरा

डॉक्टरों के मुताबिक, सर्दी का सबसे ज्यादा असर दिल के मरीजों पर पड़ता है।

ठंड में ब्लड वेसल्स सिकुड़ जाती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और हार्ट अटैक का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है।

सुबह–सुबह ठंडी हवा में टहलने से बचें

नियमित दवाइयों में कोई लापरवाही न करें

शरीर को पूरी तरह गर्म रखें

सीने में दर्द, सांस फूलना या अत्यधिक थकान महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

अस्थमा और सांस की बीमारी वालों को सतर्क रहने की जरूरत

ठंड बढ़ने के साथ अस्थमा और सांस से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की परेशानी

बढ़ जाती है।

ठंडी हवा के कारण सांस लेने में दिक्कत, खांसी और घरघराहट जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं।

बाहर निकलते समय मास्क पहनें

ठंडी चीजों के सेवन से बचें

डॉक्टर द्वारा दी गई दवाएं और इनहेलर नियमित रूप से लें

रात के समय अतिरिक्त सावधानी बरतें।

डायबिटीज मरीजों का बिगड़ सकता है शुगर लेवल

सर्दी के मौसम में शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं, जिसका सीधा असर ब्लड शुगर लेवल पर पड़ता है।

इसके अलावा हाथ–पैरों में सुन्नता और घावों के देर से भरने की समस्या भी बढ़ सकती है।

नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करें

संतुलित और पौष्टिक आहार लें

रोजाना हल्की–फुल्की एक्सरसाइज जरूर करें।

जोड़ों के दर्द और आर्थराइटिस के मरीजों को परेशानी

ठंड के कारण जोड़ों में जकड़न और दर्द की समस्या आम हो जाती है।

खासकर बुजुर्गों और आर्थराइटिस के मरीजों को अधिक दिक्कत होती है।

गर्म कपड़े पहनें

हल्की स्ट्रेचिंग और योग को दिनचर्या में शामिल करें

लंबे समय तक ठंडी जगह पर बैठने से बचें।

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए खतरे की घंटी

डॉक्टरों के अनुसार, सर्दी में शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए ब्लड फ्लो में बदलाव होता है।

जिससे बीपी अचानक बढ़ सकता है।

ज्यादा ठंड में बाहर निकलने से बचें

नमक का सेवन सीमित रखें

तनाव से दूरी बनाएं

नियमित रूप से ब्लड प्रेशर चेक करते रहें।

डॉक्टरों का कहना है कि सर्दी के मौसम में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। सही दिनचर्या, समय पर दवाइयां और मौसम के अनुसार सावधानी बरतकर इन बीमारियों से होने वाले खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

हमारी त्वचा का सबसे बड़ा दुश्मन होता है वायु प्रदूषण

वायु प्रदूषण यानि (स्मॉग) सिर्फ सेहत को ही नहीं बल्कि त्वचा को भी काफी बुरी तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। ऐसे में त्वचा को खास ख्याल की जरूरत होती है। त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार प्रदूषण हमारी त्वचा का सबसे बड़ा दुश्मन होता है।

दरअसल, हवा में मौजूद धूल हमारी त्वचा की कोशिकाओं मे ऑक्सीजन के स्तर को कम कर देता है। त्वचा में ऑक्सीजन की कमी के कारण समय से पहले ही झुर्रियां पड़ जाती हैं। साथ ही यह धूल में मौजूद फ्री रेडिकल्स त्वचा को पूरी तरह से नष्ट करने के साथ ही कोलेजन को बनने से रोकता है।

प्रदूषण से सिर्फ झुर्रियां ही नहीं बल्कि त्वचा रुखी भी पड़ जाती है। त्वचा पर एलर्जी की वजह से जगह–जगह लाल धब्बे पड़ जाते हैं और कील मुहांसे भी काफी ज्यादा निकलने लगते हैं पर कुछ सावधानी रखकर आप अपनी त्वचा को को खराब होने से बचा सकती हैं।

प्रतिदिन हर 4 घंटे बाद अपने स्किन पर क्लींजर और टोनर लगाएं।

यूवी रेज से अपनी स्किन को बचाने और तरोताजा रखने के लिए रोजाना सन स्क्रिन जरूर लगाएं।

जीवाणुओं से होने वाले संक्रमण से बचने के लिए अपने हाथों पर हमेशा सेनिटाइजर लगाएं।

अपने चेहरे को बार बार हाथ न लगायें क्योंकि ऐसा करने से आपके हाथों के जीवाणु आपके चेहरे की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

हवा में मौजूद धूल आपकी त्वचा के रोम छिद्र को बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। इससे आपकी त्वचा में ब्लैक हेड्स और कील मुहांसे निकल आते हैं। इसलिए सप्ताह में 2 बार स्क्रब का इस्तेमाल जरूर करें, खासकर जिनकी तैलीय त्वचा है।

दिन में तकरीबन 4 लीटर तक पानी पिएं। घर से बाहर निकलते वक्त भी पानी पिएं। इससे शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई सही बनी रहेगी और वातावरण में मौजूद जहरीली गैसें अगर ब्लड तक पहुंच भी जाएंगी तो कम नुकसान पहुंचाएंगी।

ऐसे जहरीले स्मॉग में बाहर जाना सबकी मजबूरी होती है लेकिन बाहर से आने के बाद अपने चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से जरूर धोएं।

नहाने के बाद हल्के हाथों से तौलिए का इस्तेमाल करें। संभव हो तो नहाने के तुरंत बाद नारियल के तेल से या किसी ऑयली बॉडी लोशन से पूरे शरीर पर मसाज करें।

टी20 वर्ल्ड कप: कोलकाता में बड़ा उलटफेर होते-होते बचा, इटली से हांफते हुए जीती इंग्लैंड , सुपर 8 में एंट्री

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले में इंग्लैंड से व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह इटली को आसानी से हरा देगी। इटली अपने पहले टी20 विश्व कप में खेल रही थी, इसलिए ज्यादातर लोगों को कम से कम एक प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन की ही उम्मीद थी। हालांकि, हैरी मैनेंटी की अगुवाई वाली टीम के इरादे कहीं बड़े थे। नेपाल पर 10 विकेट की शानदार जीत के बाद, इटली ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी और इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गई, लेकिन अंततः 24 रनों से हार गई।

हैरी ब्रुक की अगुवाई वाली इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और यूरोपीय टीम के सामने 203 रनों का बड़ा लक्ष्य रखा। उन्होंने सफलतापूर्वक लक्ष्य का बचाव किया और मैच जीत लिया। फिल साल्ट (15 गेंदों में 28 रन) ने तूफानी शुरुआत दी, लेकिन जोस बटलर रन बनाने में नाकाम रहे और ग्रांट स्टीवर्ट के हाथों अपना विकेट गंवाने से पहले सिर्फ तीन रन ही बना पाए। जैकब बेथेल (20 गेंदों में 23 रन) और टॉम बैंटन (21 गेंदों में 30 रन) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। सैम कुरेन ने दो छक्के लगाकर 25 रन बनाए।

सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विल जैक्स ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 200 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा। स्टीवर्ट और कृष्ण कलुगामेज ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जेजे स्मट्स, अली हसन और बेन मैनेंटी ने एक-एक विकेट साझा किया। 203 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, इटली को पहले ही ओवर में दो विकेट का झटका लगा जब जोफ्रा आर्चर ने एंथनी मोस्का और जेजे स्मट्स को शून्य पर आउट कर दिया।

इटली के कप्तान हैरी मैनेंटी ने 11 गेंदों में मात्र 12 रन बनाए और जेमी ओवरटन के हाथों अपना विकेट गंवा दिया। उनके भाई बेन मैनेंटी (25 गेंदों में 60 रन, जिसमें चार चौके और छह छक्के शामिल थे) ने जस्टिन मोस्का (32 गेंदों में 43 रन, जिसमें सात चौके शामिल थे) के साथ चौथे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। स्टीवर्ट की 23 गेंदों में खेली गई 45 रनों की तेज पारी ने इटली को मैच में बनाए रखा, लेकिन इंग्लैंड ने डेथ ओवरों में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उन्हें 20 ओवरों

में 178 रनों पर रोक दिया। विल जैक्स को उनके मैच-विनिंग प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इटली गुरुवार को इसी मैदान पर वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच खेलेगी।

रोहित और अकरम गर्मजोशी से मिले, सोशल मीडिया में आई तस्वीरें

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को हुए टी20 विश्वकप मुकाबले में जहां भारतीय टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम गर्मजोशी से मिले। इस दोनों के बीच काफी अच्छी कैमेस्ट्री नजर आयी। ये दोनो ही गले मिलते देखे गये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। रोहित और अकरम को मैच से पहले बातचीत करते, हाथ मिलाते और गले लगते देखा गया। रोहित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर कोलंबो पहुंचे थे जबकि अकरम कमेंटेटर के रुप में यहां आये है। रोहित भारतीय टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ से भी मिले और उनसे हाथ मिलाया और शुभकामनाएं दीं।

भारत-पाक मैच से पहले रोहित और अकरम आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता के साथ मिलकर टी20 विश्व कप की ट्रॉफी मैदान पर लेकर पहुंचे। इससे पहले दोनों ने दोस्ताना अंदाज में बातचीत की, फोटो खिंचवाई और एक-दूसरे को गले भी लगाया। प्रशंसकों ने इन दोनो दिग्गजों की इस मुलाकात को बेहद पसंद किया है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर भी प्रतिक्रियाएं आयी हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पाक को आसानी से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने आठवीं बार पाक को हराया।

टी20 विश्वकप : अफगानिस्तान ने यूएई को पांच विकेट से हराकर सुपर आठ की उम्मीदें बनाये रखीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्वकप के ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पांच विकेट से हरा दिया। ये अफगान टीम की इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। इस मैच में अफगान टीम ने टॉस जीतकर यूएई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। यूएई ने सोहैब खान 68 और अलीशान शराफू 40 के अच्छे प्रदर्शन से 20 ओवर में 9 विकेट पर 160 रन बनाये। इसके बाद अफगान टीम ने जीत के लिए मिले 161 रनों के लक्ष्य को पांच विकेट खोकर 19.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। यूएई की ओर से मोहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। इब्राहित जादरान 53 ने अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं अजमतुल्लाह ओमारजाई 40 रन ने विजयी शॉट लगाया। इस जीत से अफगान टीम के सुपर 8 में पहुंचने की संभावनाएं बरकरार हैं। अब उसे अंतिम लीग मुकाबले में कनाडा को हराना होगा। इस मैच में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने अपना 700 विकेट भी लिया। अब व इस फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। राशिद ने मुहम्मद अरफान को आउट करने के साथ ही अपना 700वां विकेट लिया।।

टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट के मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर डवेन ब्रावो के नाम 631 विकेट जबकि सुनील नरेन के नाम 613 विकेट हैं।

टी20 विश्कप के सुपर आठ में पहुंची भारत और वेस्टइंडीज, तीन टीमें बाहर हुईं

कोलंबो (एजेंसी)। भारत सहित दो टीमें आईसीसी टी20 विश्वकप के सुपर आठ में पहुंच गयी हैं। भारत ने पाकिस्तान को यहां 61 रनों से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी। भारत से पहले वेस्टइंडीज ने सुपर आठ में जगह बनायी थी। वहीं अलग-अलग ग्रुप की 3 टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं, इनमें ओमान, नेपाल और नामीबिया जैसे एसोसिएट देशों की टीमें हैं। ग्रुप डी से हालांकि अभी तक कोई भी टीम न तो बाहर हुई है और न ही सुपर आठ में पहुंची है।

ग्रुप ए से भारतीय टीम अपने पहले 3 मैच जीतने के साथ ही सुपर 8 में पहुंची है। वहीं इस ग्रुप में दूसरे नंबर पर अमेरिका की टीम है, उसने अब तक 4 में से दो मैच जीते हैं जबकि पाकिस्तान तीसरे स्थान पर है उसने 3 में से 2 मैच जीते हैं। नीदरलैंड ने 3 में से एक मैच जीता है जबकि नामीबिया अपने सभी मैच हारकर बाहर हो गयी है।

ग्रुप बी की बात करें तो श्रीलंका की टीम दो मैच जीतने के बाद पहले शीर्ष पर है जबकि दूसरे नंबर पर जिम्बाब्वे की टीम है, उसने भी अब तक दो मैच जीते हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, वह 2 में से एक मैच हारी है। चौथे नंबर पर आयरलैंड ने 3 में से एक मैच ही जीता है। अपने सभी मैच हार कर अंतिम स्थान पर ओमान है। ग्रुप सी की अंक तालिका में वेस्टइंडीज की

टीम नंबर एक पर रहने के साथ ही सुपर 8 में पहुंच गयी है। उसने 3 मैच जीत लिए हैं। इंग्लैंड 3 में से दो मैच जीतकर दूसरे स्कॉटलैंड 3 में से एक मैच जीतकर तीसरे नंबर पर है। इटली की टीम 2 में से एक मैच जीती है, जो चौथे पायदान पर है और नेपाल अपने पहले तीन मैच हारने के बाद बाहर हो गई है।ग्रुप डी में दक्षिया अफ्रीका की टीम 3 मैच जीतकर 6 अंकों के साथ नंबर एक पर है। दो और टीमें उसके करीब हैं पर नेट रन रेट के आधार पर दक्षिण अफ्रीका का सुपर 8 में पहुंचना तय है।

पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी प्रमुख नकवी पर भड़के अख्तर, नाकाबिल लोग देश का क्रिकेट चला रहे

लाहौर । भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप के लीग मुकाबले में पाकिस्तान टीम की करारी हार के बाद पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर भड़क गये । रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर रहे अख्तर ने इस हार के लिए पाक बोर्ड (पीसीबी) चेयरमैन मोहसिन नकवी को जिम्मेदार बताया है । अख्तर ने टीवी पर ही नकवी को जाहिल और नाकाबिल बताया । भारतीय टीम ने इस मैच को आसान से 61 रनों से जीत लिया । मैच के बाद अख्तर से जब उनकी पहली प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कहा, जिस आदमी को नहीं पता कि कैसे क्रिकेट चलानी है आज वही बोर्ड चेयरमैन बना हुआ है। ऐसे में किस प्रकार टीम चलेगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है ? इसके साथ ही उन्होंने नाम लिए बिना ही बाबर आजम को निशाना बनाया और कहा कि जिसकों सुपरस्टार का तमगा दिय है । वह एक भी मैच नहीं जिता सका है । इस पूर्व तेज गेंदबाज ने साथ ही कहा, दुनिया का सबसे बड़ा अपराध किसी नाकाबिल को कमान देना है । इसका कारण है कि वह देश को तबाह कर देता है । यही हमारे साथ हुआ है । शोएब ने इस बयान में नकवी का नाम तो नहीं लिया पर वहीं पीसीबी प्रमुख है, इसलिए जो कुछ भी शोएब ने कहा है वह तय है कि नकवी के लिए ही है । समय बोर्ड के चेयरमैन वही हैं तो उनका कहना नकवी के लिए ही था ।पाकिस्तान की यह टी20 विश्व कप के मैचों में भारतीय टीम के खिलाफ आठवीं हार है । भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक टी20 विश्व कप में 9 मुकाबले खेले गए हैं और इसमें एक बार ही पाक टीक जीत पायी है । पाक टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में बाबर आजम की कप्तानी में जीती थी । इससे पहले एशिया कप में भी पाक को भारतीय टीम ने हराया था ।

अभिषेक के बल्ले से नहीं निकल रहे रन, इस साल चौथी बार शून्य पर आउट हुए

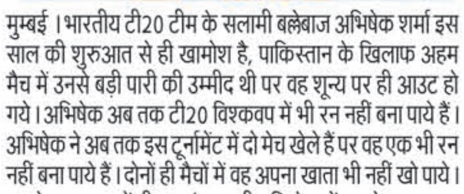

मुम्बई । भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस साल की शुरुआत से ही खामोश है, पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही आउट हो गये । अभिषेक अब तक टी20 विश्कवप में भी रन नहीं बना पाये हैं। अभिषेक ने अब तक इस टूर्नामेंट में दो मेच खेले हैं पर वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं । दोनों ही मैचों में वह अपना खाता भी नहीं खो पाये। इससे एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले वे भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं ।अभिषेक ने 7 फरवरी को टी20 विश्व कप में डेब्यू किया। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक भी रन नहीं बना पाये। इसके बाद दिल्ली के नामीबिया के खिलाफ वह खेल नहीं पाये। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ वापसी करते हुए भी उनसे धमाकेदार पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि माना जा रहा था कि जिस प्रकार उन्होंने पिछले साल रन बनाये थे ।उसी प्रकार वह इस बार भी बनायेंगे। साल 2026 में यह चौथी बार है, जब अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में खाता नहीं खोल पाये हैं । पिछले 6 मैचों में वह 4 बार शून्य पर आउट हुए हैं । गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड संजू सैमसन का है, जो पिछले साल 2025 में 5 बार शून्य पर आउट हुए हैं । अभिषेक इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे और चौथे मुकाबले में भी शून्य पर ही आउट हो गये थे। कुल मिलाकर अभिषेक शर्मा का टी20 क्रिकेट में पांचवां शून्य है, क्योंकि टी20 क्रिकेट में उनकी शुरुआत ही जीरो के साथ हुई थी । हालांकि, इसके बाद लगातार बड़ी-बड़ी पारियां खेलकर उन्होंनें अपने को साबित किया पर इस बार 7 मैचों में से चार मैचों में वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं ।वहीं सैमसन ने पिछले साल 5 पारियों में एक भी रन नहीं बनाया था । अभिषेक चार पारियों में इस बार शून्य पर आउट हुए हैं ।

जिम्बाब्वे से जब-जब हारी है ऑस्ट्रेलिया, भारतीय टीम बनी है विजेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में जिम्बाब्वे ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया हैं। उससे भारतीय प्रशंसकों में उत्साह है और उन्हें लग रहा है कि इस बार भी भारतीय टीम खितेगीजीतेगी। इस कारण एक अजब संयोग हैं जो जिम्बाब्वे की कंगारुओं के खिलाफ जीत से जुड़ा है । इतिहास में दो बार ऐसा हुआ जब ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे से हारी है तो उसका लाभ भारतीय टीम को मिला है। साल साल 1983 के एकदिवसीय विश्वकप जिम्बाब्वे की टीम ने 13 रन से ऑस्ट्रेलिया के हराया था। इसके बाद भारतीय टीम ने विस्ट इंडीज को हराकर पहली बार खिताब जीता था। वहीं साल 2007 के टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने 5 विकेट से ऑस्ट्रेलिया को हराया था। जब भी भारतीय टीम महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में

जीती थी। वहीं इस बार भी जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर पहला उलटफेर किया है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी को सिर्फ 146 रन पर समेट दिया। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर 8 में में पहुंचना तक कठिन हो गया है। वह ग्रुप बी की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गयी हैं। 19 साल बाद किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया है।ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले पांच से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज हावी हो गये। ब्लेसिंग मुजाराबानी ने जोश इंग्लिस को जल्दी आउट कर शुरुआत की, वहीं ब्रैड इवांस ने कैमरून ग्रीन और ट्रैविस हेड को पेवेलियन भेजा था। टिम डेविड भी बिना खाता खोले मुजाराबानी का शिकार बने, जिससे ऑस्ट्रेलिया का मध्यक्रम ध्वस्त हो गया।

खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर-शाहीन की हो सकती है छुट्टी, पाकिस्तान टीम के सूत्र ने दी बड़ी जानकारी

कराची । भारत के खिलाफ कोलंबो में अहम मुकाबले में नाकाम रहने के बाद नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के अगले मैच में खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की पाकिस्तानी टीम से छुट्टी हो सकती है । पाकिस्तानी टीम प्रबंधन के विश्वस्त सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भारत से मिली 61 रन से हार के बाद टीम मैनेजर नावेद अकरम चीमा को नाराजगी जता दी है । सूत्र ने कहा, 'PCB अध्यक्ष प्रेमदासा स्टेडियम से मैच खत्म होने से पहले ही चले गए क्योंकि पाकिस्तान की हार तय हो चुकी थी ।' सूत्र ने यह भी कहा कि नकवी ने पीसीबी के एक आला अधिकारी के जरिये मैनेजर को संदेश दिया है कि इस तरह का प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं है । कोच माइक हेसन ने भी ड्रेसिंग रूम में टीम से बात करके कहा कि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुरूप नहीं खेला । सूत्र ने कहा, 'टीम प्रबंधन ने तय किया है कि अब बहुत हो चुका और बाबर आजम तथा शाहीन को आराम देकर सलमान मिर्जा और नसीम शाह या फखर जमां को उतारा जाए ।'

कैनबरा होटल मामला : पीएसबी ने दिए भुगतान के सबूत, पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में

कराची । पाकिस्तानी हॉकी टीम के लिए आस्ट्रेलिया में होटल बुकिंग के एक करोड़ पाकिस्तानी रूपए से अधिक के भुगतान के सबूत पाकिस्तान खेल बोर्ड (PSB) द्वारा दिए जाने के बाद अब पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में आ गया है । पाकिस्तान हॉकी टीम को सिडनी हवाई अड्डे पर 13 से 14 घंटे इंतजार करना पड़ा क्योंकि कैनबरा की फ्लाइट लेने से पहले पीएचएफ न खिलाड़ियों और अधिकारियों के हवाई अड्डे पर रूकने या खाने का कोई इंतजाम नहीं किया था जिससे पीएचएफ और पीएसबी की काफी आलोचना हो रही थी । FIH प्रो लीग के लिए कैनबरा पहुंचने के बाद पाकिस्तानी टीम के पास होटल नहीं था क्योंकि पीएचएफ ने भुगतान नहीं किया था। लाहौर से आस्ट्रेलिया का 24 घंटे का सफर तय करने के बाद खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ चार सितारा होटल पहुंचे जहां उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर कोई बुकिंग नहीं है। खिलाड़ियों को अपने लगैज के साथ कैनबरा में होटल के बाहर लंबा इंतजार करना पड़ा जिसके बाद कैनबरा में रहने वाले पाकिस्तानियों ने सस्ते एयरबीएनबी होटल का इंतजाम किया । अगले दिन पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच हार गया । PSB ने अब PHF को 28 जनवरी को होटल के इंतजाम के लिए किए गए एक करोड़ और पांच लाख रूपए के चेक की फोटोकॉपी जारी कर दी है । इससे साबित होता है कि क्क्ष्स्क्रने एयर टिकट और होटल के अलावा दैनिक भत्ते का भी भुगतान कर दिया था । क्काॅस्त्र अपनी ओर से कहता रहा कि खिलाड़ियों और अधिकारियों को ऑस्ट्रेलिया में कोई तकलीफ नहीं हुई । वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि क्काॅस्त्र अधिकारी आर्थिक मामलों को लेकर विवाद में पड़े हों ।

21 फरवरी को मेसी के बिना ही उतरेगी इंटर मियामी

फोर्ट लॉडरडेल । इंटर मियामी को 21 फरवरी को होने वाले मेजर लीग फुटबॉल (एमएलएस) कप के पहले मैच में स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के बिना ही उतरना होगा । मैसी के बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इस मैच तक फिट होने की संभावना नहीं है इंटर मियामी की टीम ने कहा है कि मेसी चोटिल और उपचार के दौर से गुजर रहे है। एमएलएस सत्र में लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे मेसी ने पिछले सप्ताह मेंइक्काडोर में अभ्यास सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल दागा था पर दूसरे हाफ के दौरान ही उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था । इस कारण वह मैदान से बाहर आ गये थे । इसी को लेकर इंटर मियामी ने कहा, अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी । वहीं अगर मेसी नहीं खेलते तो ये टीम के लिए करारा झटका होगा । मेसी को क्लब कितन अहम मानना है उसका अंदाजा इसी से होता है कि पिछले अक्टूबर में इंटर मियामी ने उनके साथ अनुबंध को तीन साल के लिए बढ़ा दिया था।

'यह कोई बड़ा मैच नहीं है', टी20 विश्वकप में भारत-पाक मुकाबले पर सौरव गांगुली का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप ए मुकाबले में भारत के अपने कट्टर दुश्मन पाकिस्तान पर 61 रन से जीत दर्ज करने के बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अपने आप होने वाले 'बड़े मैच' का आइडिया पुराना हो गया है क्योंकि जो इंटेंसिटी और कॉम्पिटिशन कभी इस मुकाबले को दिखाता था, वह अब वैसा नहीं लगता।

पिछले चैंपियन भारत की पाकिस्तान पर जीत ने सुपर 8 में भी उनकी जगह पक्की कर दी। ईशान किशन के 77 रन ने माहौल बना दिया था और भारत के गेंदबाजों ने यह पक्का किया कि 176 का लक्ष्य हमेशा पहुंच से बाहर रहे जिससे पाकिस्तान 18 ओवर में 114 रन पर आउट हो गया। IANS से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि मौजूदा पाकिस्तान टीम की तुलना उस महान टीम से नहीं की जा सकती जिसमें जावेद मियांदाद और वसीम अकरम जैसे खिलाड़ी थे।

गांगुली ने कहा, 'अब कोई बड़ा मैच नहीं होता, पहले ऐसे मैच हुआ करते थे। हम पाकिस्तान को जावेद मियांदाद, वसीम अकरम और शाहिद तनवीर की टीम समझने की गलती करते हैं, लेकिन अब वह पाकिस्तान नहीं है।' रविवार की जीत के साथ भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है। पाकिस्तान सिर्फ एक बार (2021 में) जीत पाया था।

गांगुली ने कहा, 'तो मेरे हिसाब से, यह कोई बड़ा मैच नहीं है। मेरे लिए असली बड़े मैच भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, भारत बनाम साउथ अफ्रीका और भारत बनाम इंग्लैंड हैं। टीमों के बीच बहुत बड़ा अंतर है, इसलिए नतीजा कुछ हद तक उम्मीद के मुताबिक है। नतीजे से ज्यादा क्वालिटी में अंतर दिखता है।'

भारत ने एक मैच बाकी रहते सुपर 8 में क्वालिफाई कर लिया है। पाकिस्तान को अब इवेंट के सुपर 8 फेज के लिए अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नामीबिया को हराना होगा। भारत अपने लीग स्टेज कैंपेन का अंत 18 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के साथ करेगा।

सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता की मुहिम का दिखा असर... पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

मानसा(एजेंसी)। दिवंगत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता की इंसाफ की मांग को लेकर शुरू की गई मुहिम अब रंग लाती दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक, मानसा के एसएसपी ऑफिस के बाहर हुए प्रदर्शन के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आकर मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें कि सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह और मां चरण कौर काफी समय से आरोप लगा रहे हैं कि कुछ लोग सिद्धू के काम और कमाई में हेरफेर कर रहे हैं। परिवार ने मूसेवाला के करीबी म्यूजिक प्रमोटर बंटी बैंस और वन डिजिटल एंटरटेनमेंट कंपनी के मालिक शब्बीर मोमिन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। परिवार का कहना है कि वे बीते 6 महीने से लगातार पुलिस के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। आखिर में उन्हें मजबूर होकर मानसा के एसएसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन अभी तक आधिकारिक रुप से नहीं बताया गया है कि इसमें कौन सी धाराएं लगाई गई हैं और किन लोगों के नाम हैं।

पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के दौरे पर निकली चुनाव आयोग की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग सोमवार से इन राज्यों का दौरा शुरु करेगा है। पहली विजिट असम में होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में टीम गुवाहाटी लैंड करेगी। आयोग की यहां से वापसी 18 फरवरी को होगी। इसके बाद तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों का दौरा शुरू होगा। इसमें चार राज्यों की विधानसभा का कार्य और पुडुचेरी का जून में खत्म हो रहा है। सबसे पहले 7 मई को बंगाल विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि बीते साल बिहार में चुनावों की घोषणा 6 अक्टूबर 2025 को की गई थी। दो चरणों में हुए बिहार में चुनावी प्रक्रिया 16 नवंबर को खत्म हो गई थी। जबकि बिहार की विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक था। यह देखकर इन पांच राज्यों में भी मार्च के पहले सप्ताह के बाद ही चुनावों की घोषणा होने की उम्मीद है। बात दें कि जब भी किसी राज्य में चुनाव होते हैं। इसके पहले चुनाव आयोग की टीम उस राज्य का दौरा करती है। इसका मकसद वहां कानून-व्यवस्था से लेकर शांतिपूर्वक चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए तैयारियों का जायजा लेती है। इसमें तमाम राजनीतिक दलों, पुलिस-प्रशासन और अन्य संबंधित तमाम स्टेक होल्डरों के साथ बैठक करना शामिल होता है। इसमें संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों की संख्या भी पता की जाती है कि वह कितनी बढ़ी या कम हुई हैं। इसके अलावा मतदान के लिए कितने पोलिंग बूथ होने चाहिए ताकि मतदाताओं को वोट देने के लिए अधिक दूर ना जाना पड़े। इन तमाम चीजों का ध्यान रखते हुए यह विजिट की जाती है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया

मुंबई(एजेंसी)। बॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्देशक रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ी सफलता हासिल की है। मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें फायरिंग करने वाला मुख्य शूटर राजस्थान से पकड़ा गया। अन्य आरोपी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों से हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, फायरिंग की जिम्मेदारी कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शुभम लोनकर ने ली थी। उसने फायरिंग की बात स्वीकार की और रोहित शेट्टी को जान से मारने की धमकी भी दी। जांच में सामने आया कि आरोपियों को मुंबई पहुंचने के बाद भी पैसे भेजे गए थे। प्रारंभिक जांच में 40 हजार रुपये देने की बात सामने आई थी, लेकिन पूछताछ में पता चला कि कुल 51 हजार रुपये दिए गए थे, जिसमें वारदात में इस्तेमाल की स्कूटी की खरीद भी शामिल थी। मुंबई क्राइम ब्रांच ने मामले की गहनता से जांच करने के लिए घटना स्थल पर सीन रिक्रिएट किया और स्कूटी के आने-जाने के रास्तों, आसपास के सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि पैसे अलग-अलग किस्तों में भेजे गए ताकि पुलिस को शक न हो। जांच के दौरान, पुलिस ने रोहित शेट्टी के साथ-साथ अभिनेता रणवीर सिंह के मैनेजर का भी बयान दर्ज किया। पुलिस का मानना है कि यह घटना केवल डराने के उद्देश्य से नहीं की गई थी। मैनेजर को भेजे गए धमकी भरे वॉयस कॉल में रोहित शेट्टी का नाम भी लिया गया था और चेतावनी दी गई थी कि 'यह सिर्फ ट्रेलर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है। यह ऑडियो कथित रूप से बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर का बताया जा रहा है।

क्या दूषित पानी बना काल? पलवल में 15 दिन में 5 बच्चों समेत 12 की मौत

पलवल(एजेंसी)। हरियाणा के पलवल जिले के चायंसा में 15 दिनों में पांच बच्चों समेत कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जिसके चलते दूषित पेयजल और संक्रामक रोगों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जनवरी के आखिर और फरवरी के बीच तक हुई मौतें गंभीर यकृत संबंधी जटिलताओं से जुड़ी थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में वायरल हेपेटाइटिस और पानी के संभावित संदूषण की ओर इशारा मिला है। 31 जनवरी को चायंसा गांव में पीलिया से संबंधित मौतों की पहली रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसकी आबादी 5,700 लोग और 865 परिवार हैं। एक दिन बाद ही त्वरित प्रतिक्रिया दल को तैनात किया गया। इसके बाद चिकित्सा शिविर, घर-घर सर्वेक्षण और ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गई। सात मौतें 27 जनवरी से 11 फरवरी के बीच हुईं। इनमें से चार मौतें तीव्र हेपेटाइटिस या लिवर फेलियर के कारण हुईं। मृतकों की आयु 9 से 65 वर्ष के बीच थी। बाद में रिपोर्ट की गई अन्य मौतों की समीक्षा की जा रही थी। ज्यादातर रोगियों ने अपनी स्थिति बिगड़ने से पहले बुखार, पेट दर्द, उल्टी और पीलिया की शिकायत की थी। बता दें मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले महीने जहरीले पानी से हुई मौत के कुछ हफ्तों बाद इन मौतों की खबरें सामने आई हैं, जिससे पूरे देश में दूषित पेयजल को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पलवल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग और जांच चल रही है। उन्होंने कहा अब तक मृतक के करीबी संपर्कों समेत करीब 1,500 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। करीब 800 बाह्य रोगी परामर्श किए गए हैं और हेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई के लिए रक्त के नमूनों की जांच की गई है। 210 लोगों के रक्त विश्लेषण में हेपेटाइटिस बी के दो और हेपेटाइटिस सी के नौ मामले सामने आए। हेपेटाइटिस ए और ई के सभी नमूनों की जांच नेगेटिव आई। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अब तक एकत्र 107 घरेलू जल नमूनों में से 23 गुणवत्ता जांच में विफल रहे, जो जीवाणु संदूषण और अपर्याप्त क्लोरीनीकरण का संकेत देते हैं।

गोरखपुर पहुंचे भागवत ने कहा, समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से

गोरखपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने गोरखपुर दौरे के दौरान सामाजिक सद्भाव सम्मेलन को संबोधित किया। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में प्रमुख नागरिकों और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। सम्मेलन से पहले भागवत ने दीप प्रज्वलित कर संघ की 100 वर्षीय यात्रा और 'पंच परिवर्तन' विषय पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा कि कुछ देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है, जबकि भारत में मानवीय संबंध अपनेपन और आत्मीयता की भावना पर आधारित हैं। भारत को सद्भाव और सामाजिक समरसता का वैश्विक केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि देश की सभ्यतागत सोच एकता और आपसी जुड़ाव में निहित है। भारत की विविधता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रीति-रिवाजों, पहनावे और परंपराओं में भिन्नता विभाजन का कारण नहीं बनती, क्योंकि हमारी सांस्कृतिक एकता हमें एक सूत्र में बांधती है। हम भारत को माता मानते हैं और एक ही दिव्य चेतना हम सभी में विद्यमान है, जो भिन्न पहचानों के बावजूद हमें एकजुट रखती है।

उन्होंने कहा कि समाज को केवल कानून व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी स्थिर बनाए रखता है। संघ के 100 वर्ष पूरे होने को उन्होंने उत्सव नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का अवसर बताया। सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने वर्ष में दो-तीन बार ब्लॉक स्तर की बैठकों के आयोजन का आह्वान किया तथा समुदायों से जातिगत सीमाओं से ऊपर उठकर व्यापक हिंदू समाज के हित में कार्य करने की अपील की।

कश्मीर से हरियाणा तक फैला 'अंसार अंतरिम' नेटवर्क... डॉक्टर और धार्मिक नेता शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में लाल किला ब्लास्ट मामले में साजिश की परतें खुल रही हैं। जांच एजेंसियां लगातार इसमें नए-नए खुलासे कर रही है। बताया जा रहा है कि वे पारंपरिक आतंकी ढांचे से अलग एक कथित 'व्हाइट-कॉलर टेरर' नेटवर्क की तरह काम कर रहे हैं। एनआईए ने बताया कि यह मॉड्यूल 'अंसार इंटरिम' नाम से संचालित हो रहा था। इस मॉड्यूल में पढ़े-लिखे और पेशेवर पृष्ठभूमि वाले लोगों की संलिप्तता सामने आई है। जांच एजेंसियों (एनआईए) के रडार पर इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड 28 वर्षीय डॉक्टर उमर-उन-नबी है। वह कोई मामूली अपराधी नहीं, बल्कि एक पढ़ा-लिखा डॉक्टर है। सूत्रों के अनुसार, उमर 2016 से ही कट्टरपंथी विचारधारा की ओर झुका था। साल 2022 में श्रीनगर में हुई एक गुप्त बैठक के दौरान नबी ने 'अंसार इंटरिम' नामक संगठन की नींव रखी। इस समूह का मकसद पारंपरिक आतंकवाद से अलग, पढ़े-लिखे लोगों का एक ऐसा जाल बुनना था जो सिस्टम की नजरों से बचकर काम कर सके। इस जांच में सबसे चौंकाने वाला मोड़ हरियाणा कनेक्शन है। पता चला है कि इस नेटवर्क ने घातक टीएटीपी जैसे विस्फोटक हरियाणा के गुप्त ठिकानों पर तैयार किए थे। इनका प्लान बेहद खौफनाक था कि एक वाहन-जनित आईईडी के जरिए दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके को राख में तब्दील करना। बात दें कि मामले में एनआईए ने अब तक कई ऐसी गिरफ्तारियां की हैं जिन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के कान खड़े कर दिए हैं। पकड़े गए लोगों में नामी डॉक्टर और धार्मिक नेता शामिल हैं। यह इसका प्रमाण है कि कट्टरपंथ अब सिर्फ सरहदों या जंगलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों तक पहुंच चुका है।

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा 9 मार्च को, सरकार बहुमत को लेकर आश्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 9 मार्च को लोकसभा में चर्चा और मतदान हो सकता है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा, कि बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन इस प्रस्ताव पर बहस कराई जाएगी और उसके बाद वोटिंग होगी।

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने रविवार को कहा, कि सरकार इस मुद्दे को शीघ्र निपटाना चाहती है ताकि स्पीकर सदन की कार्यवाही सामान्य रूप से संचालित कर सकें और सरकार अपने विधायी एजेंडे पर आगे बढ़ सके। उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को सदन में पर्याप्त समर्थन प्राप्त है। 542 सदस्यीय लोकसभा में एनडीए के पास 293 सांसदों का समर्थन है और कुछ अन्य दलों के सदस्यों का भी समर्थन मिलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सरकार को विश्वास है कि प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा।

सूत्रों के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन इस राजनीतिक विवाद को लंबा खींचने के पक्ष में नहीं है। माना जा रहा है कि सरकार स्पीकर के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना चाहती है। हाल ही में सरकार ने बिरला को बांग्लादेश में शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिनिधित्व के लिए भेजने का निर्णय लिया, जिसे राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

उधर विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुटता बनाने की कोशिश में जुटा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे दलों के रुख पर नजर है। कांग्रेस ने कथित तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के प्रस्ताव का मुद्दा भी उठाया है, जबकि टीएमसी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ मुखर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 9 मार्च की बहस सिर्फ संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि सरकार और विपक्ष के बीच शक्ति परीक्षण भी होगी। यदि प्रस्ताव गिरता है तो सरकार इसे अपनी मजबूती के संकेत के रूप में पेश करेगी, जबकि विपक्ष इसे निष्पक्षता और संसदीय परंपराओं के मुद्दे से जोड़कर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश करेगा।

अपनी ही पार्टी के नेताओं से नाराज हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर अब अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं। उन्होंने इस दौरान तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर, वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा और जयराम रमेश का नाम लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने दावा कर दिया कि कांग्रेस केरल विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। खास बात है कि कांग्रेस नेता अय्यर ने हाल ही में कहा था कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। मणिशंकर के बयान से कांग्रेस ने किनारा किया था।

एक इंटरव्यू में अय्यर ने पार्टी नेता पवन खेड़ा के बयान पर जमकर नाराजगी जाहिर की। इतना ही नहीं उन्हें कठपुतली करार दिया है। उन्होंने कहा, खेड़ा ने दो साल पहले कह दिया था कि मैं कांग्रेस का किसी भी तरह से प्रतिनिधित्व नहीं करता हूं। तब यह नया नहीं है। वह कांग्रेस की कठपुतली हैं, वह प्रवक्ता नहीं है। वह कुंठित आईएएस अफसर हैं, जो यहां आए हैं और बीते दो साल से मुझे गालियां दे रहे हैं। कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जीते, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस जीतेगी। क्योंकि कांग्रेस नेता आपस में बंटे हुए हैं। वे वामपंथियों से ज्यादा एक दूसरे से नफरत करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अय्यर ने सांसद थरूर को पाकिस्तान विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि वह (थरूर) अगले विदेश मंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश को अपनी नौकरी बचानी है।

दरअसल अय्यर ने एक इंटरव्यू में भरोसा जताया कि माकपा नेता पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। उन्होंने भारत को लेकर महात्मा गांधी के नजरिए को याद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता ने एक इसतरह के देश की कल्पना की थी, जहां सबसे गरीब भी देश के प्रति अपनापन महसूस करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि यह विडंबनापूर्ण लग सकता है कि इस लक्ष्य की दिशा में सबसे सराहनीय प्रगति करने वाला राज्य केरल है, जहां भारत की मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी का शासन है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इसलिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति में, जिनके पद पर बने रहने का मुझे पूरा विश्वास है, मैं अपनी अपील दोहराता हूं, केरल को देश का सर्वश्रेष्ठ पंचायती राज वाला राज्य बनाने के लिए, राज्य कानून में व्यावहारिक अनुभव, थॉमस आइजैक की अंतर्दृष्टि, मेरे द्वारा अध्यक्षता की गई पांच खंडों वाली रिपोर्ट और वीके रामचंद्रन द्वारा जिला नियोजन पर योजना आयोग द्वारा प्रसारित नोट के आधार पर संशोधन किया जाना चाहिए।

मैं नेहरू और राजीववादी हूं, पर राहुलवादी नहीं

कांग्रेस नेता अय्यर अपने विवादित बयानों से सोमवार को फिर पार्टी को असहज कर दिया। उन्होंने राहुल गांधी को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि वे गांधीवादी, नेहरूवादी और राजीववादी हैं, लेकिन राहुलवादी नहीं हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसा कि वे भूल गए कि अय्यर पार्टी के सदस्य हैं। अय्यर ने डॉ. अंबेडकर की जीवनी का हवाला दिया। आज कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल को इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली हुई है। पवन खेड़ा जैसे आदमी को पार्टी का आधिकारिक प्रवक्ता बना रखा है। आखिर पार्टी इतनी बड़ी मूर्खता कैसे कर सकती है, वे एक कठपुतली हैं।

अय्यर ने कहा, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कांग्रेस की हालत क्या है। वेणुगोपाल जैसे शख्स को वह जिम्मेदारी दी गई है, जो कभी सरदार पटेल के पास थी। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आखिर इसतरह के दल को कौन वोट देना चाहेगा, जिसमें नेता आपस में लड़ रहे हैं। एक-दूसरे के गले काटने को तैयार हैं। क्या ये चीजें जनता को नहीं पता हैं। अय्यर ने कहा कि एक समय पर वह कांग्रेस भी थी, जब किसी फैसले को माना जाता था। नेहरू पीएम बने, तब सभी ने स्वीकार किया। यदि सुभाष चंद्र बोस की विमान हादसे में मौत नहीं होती, तब वे शायद राष्ट्रपति बनते।

इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के नेता एमके स्टालिन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि स्टालिन ने सूट-बूट की सरकार या फिर वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे नारे नहीं दिए। उन्होंने जरूरी मुद्दे उठाकर सरकार बनाई। यही नहीं अय्यर ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का अध्यक्ष यदि किसी नेता को बनना चाहिए, तब वे स्टालिन ही हो सकते हैं। तंज कसते हुए अय्यर ने कहा कि यदि पवन खेड़ा ही मुझे कांग्रेस से बाहर करते हैं, तब मैं खुद ही बाहर निकल जाऊंगा और खेड़ा को पीछे से लात मारूंगा।

ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीकों को देख बिल गेट्स ने की सरकार की तारीफ

-राज्य सचिवालय में सीएम नायडू ने किया गेट्स फाउंडेशन के सदस्यों का जोरदार स्वागत

अमरावती (एजेंसी)। बिल गेट्स ने राज्य सचिवालय में आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण और अन्य प्रमुख मंत्रियों से मुलाकात की। आंध्र प्रदेश में सहयोगात्मक परियोजनाओं के विस्तार पर चर्चा के लिए गेट्स फाउंडेशन का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल उनके साथ आया था। बिल गेट्स का सचिवालय के प्रथम ब्लॉक में गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

सीएम नायडू ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों का गेट्स से परिचय कराया। यात्रा के दौरान बिल गेट्स ने सचिवालय में रियल-टाइम गवर्नेंस केंद्र का निरीक्षण किया। सीएम नायडू ने उन्हें बताया कि आरटीजीएस प्रणाली किस प्रकार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सरकारी कार्यों की निगरानी और उन्हें बेहतर बनाती है। चर्चा में डिजिटल शासन के जरिए कई क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और वास्तविक समय के डेटा-आधारित प्रशासन के लिए आंध्र प्रदेश के मॉडल को प्रदर्शित किया।

आरटीजीएस दौरे के बाद, बिल गेट्स और उनके प्रतिनिधिमंडल ने सीएम, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया। चर्चा का मुख्य केंद्र शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि क्षेत्रों में परियोजनाओं को मजबूत करना था, जिनमें गेट्स फाउंडेशन राज्य के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी कर रहा है। नायडू ने राज्य का स्वर्णान्ध्र विजन 2047 प्रस्तुत किया, जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि क्षेत्रों में सुधारों और दीर्घकालिक लक्ष्यों की रूपरेखा पेश की गई। गेट्स ने नायडू के साथ अमरावती के पास उंडावल्ली गांव में एक कृषि क्षेत्र का दौरा भी किया। प्रतिनिधिमंडल ने ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों का अवलोकन किया। इस प्रदर्शन से यह स्पष्ट हुआ कि कैसे प्रौद्योगिकी उत्पादकता बढ़ा सकती है और राज्य में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दे सकती है। गेट्स ने राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की और व्यापक प्रभाव के लिए इन पहलों को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए आगे सहयोग करने में रुचि दिखाई।

आर्ट ऑफ लिविंग के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की उपस्थिति पर उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी

बेंगलुरु : कल्पना करें, एक ही आकाश के नीचे, एक ही चेतना में डूबे दस लाख से अधिक श्रद्धालु; चारों ओर गहन निस्तब्धता, और उस मौन के मध्य विश्वविख्यात आध्यात्मिक मार्गदर्शक गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की दिव्य आभा में सम्पन्न होती एक अत्यंत प्रभावशाली ध्यान-साधना। पावन महाशिवरात्रि की इस रात्रि में यह दृश्य मानो अलौकिक अनुभूति का साक्षात रूप बन गया।

आर्ट ऑफ लिविंग के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित इस भव्य महोत्सव के समापन के साथ ही श्रद्धालु अपने साथ एक अविस्मरणीय, आत्मानुभूति से परिपूर्ण संध्या की स्मृतियाँ लेकर लौटे; जहाँ आत्मा को स्पंदित कर देने वाला संगीत, गुरुदेव के सान्निध्य में रूपांतरकारी ध्यान-सत्र तथा वैदिक अनुष्ठानों की मंगलध्वनियां वातावरण को पवित्रता, आनंद और उत्सवमयी चेतना से भर रही थीं। इस अवसर पर गुरुदेव ने कहा, महाशिवरात्रि वह अवसर है जब आत्मा भौतिक जगत से ऊपर उठकर किसी सूक्ष्म, दिव्य लोक का स्पर्श करती है। शिव प्रत्येक कण में विद्यमान हैं। हमारी चेतना का स्वभाव ही शिव है। शिव में निमग्न होना भक्ति है, और प्रत्येक में शिव को देखना सेवा है। जो अविनाशी है, वह हमारे भीतर ही है। यदि हमें इतना भी विश्वास हो जाए, तो जीवन में किसी अभाव का स्थान नहीं रहता। कहा जाता है कि जो प्रेम और श्रद्धा से शिवरात्रि का अनुष्ठान करता है, उसकी सभी कामनाएं स्वयं ही पूर्ण हो जाती हैं। महाकाल की अभिव्यक्ति पर उन्होंने कहा, वह योगियों के हृदय में ज्योति बनकर प्रकाशित होते हैं।

संध्या का केन्द्रीय आकर्षण, शिव के कल्याणकारी स्वरूप भगवान रुद्र,को समर्पित एक शक्तिशाली वैदिक अनुष्ठान, पावन रुद्र पूजा था। श्री रुद्रम के प्राचीन वैदिक मंत्रों पर आधारित यह पूजा शिव की रूपांतरणकारी ऊर्जा का आह्वान करती है, जो नकारात्मकता के क्षय और उच्चतर चेतना के जागरण का प्रतीक है। मान्यता है कि यह अनुष्ठान वातावरण को शुद्ध करके सामूहिक चेतना को उन्नत करता है तथा समाज में शांति, समृद्धि और मंगल का संचार करता है।

झारखंड में जंगली हाथियों ने ली कई की जान, अब कुनकी हाथी इन पर पाएंगे काबू

-कर्नाटक से विशेष प्रशिक्षित हाथियों को बुलाया, ये होते हैं शांत और अनुशासित

रांची (एजेंसी)। झारखंड के चाईबासा और हजारीबाग में हाथियों के लगातार हमलों से ग्रामीण दहशत में हैं। हालात पर काबू पाने कर्नाटक से विशेष रूप से प्रशिक्षित छह कुनकी हाथियों को झारखंड बुलाया जा रहा है। ये विशेष रूप से प्रशिक्षित हाथी हैं, जो जंगली और उग्र हाथियों को काबू में करने में मदद करते हैं। चाईबासा और हजारीबाग में पिछले एक महीने में 25 से ज्यादा लोगों की मौत हाथियों के हमले में हो चुकी है। चाईबासा में एक अकेले हाथी ने 15 से ज्यादा लोगों की जान ली, जबकि हजारीबाग में पांच हाथियों के झुंड ने एक ही रात में सात लोगों की जान ले ली। अब उम्मीद है कि कुनकी हाथियों की मदद से इन बेकाबू हाथियों को जंगल की ओर वापस भेजा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुनकी शब्द फारसी भाषा से आया है, जिसका अर्थ होता है सहायक। कर्नाटक वन विभाग हाथियों को खास प्रशिक्षण देता है। इन प्रशिक्षित हाथियों के साथ अनुभवी महावत रहते हैं। ये हाथी शांत और अनुशासित होते हैं और इन्हें जंगली हाथियों को पकड़ने या नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तमिलनाडु के कालेम और कर्नाटक के अभिमन्यु जैसे कुनकी हाथी कई अभियानों को सफलतापूर्क पूरा किया है। ये हाथी अपनी गंध और व्यवहार से उग्र हाथियों को शांत करने में मदद करते हैं।

बता दें झारखंड में करीब 600 हाथी हैं, लेकिन जंगल क्षेत्र कम होने से उनके लिए भोजन और रहने की जगह घट गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में जंगल सिकुड़ रहे हैं। एक हाथी को रोज करीब 17 घंटे तक भोजन करना पड़ता है, लेकिन जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है। इस वजह से हाथी गांव और खेतों की ओर आ रहे हैं, जहां उन्हें धान, सब्जियां और केला जैसी फसलें आसानी से मिल जाती हैं। खाने की तलाश और क्षेत्र को लेकर आपसी संघर्ष के कारण कई नर हाथी झुंड से अलग हो जाते हैं। ऐसे हाथी ज्यादा आक्रामक हो जाते हैं और इंसानों पर हमला करते हैं। राज्य सरकार और वन विभाग को उम्मीद है कि कुनकी हाथियों की मदद से हालात पर जल्द काबू पा लिया जाएगा और लोगों को राहत मिलेगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902